फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 323 प्रभात जयपुर, बुधवार 25 जून, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

Did the US wipe out Iran's nuclear programme?

President Trump has claimed that all of Iran's nuclear infrastructure has been 'obliterated.' But experts have serious doubts

Why Coyotes and Badgers Hunt Together

The two predators were photographed collaborating in Colorado, a fascinating example of interspecies teamwork

'पूरा यूक्रेन हमारा है?'

सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनैशनल इकोनॉमिक फोरम के समारोह में पुतिन ने यूक्रेन की अखंडता को चुनौती ही नहीं दी, बल्कि उसे मिटा दिया

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। युद्ध के अब तक के सबसे भड़काऊ बयानों में से एक में, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मंच पर अपने मंत्रमुग्ध श्रोताओं के सामने यह घोषणा की: "पूरा यूक्रेन हमारा है।" यह कोई यूं ही दिया गया भड़काऊ बयान नहीं था। यह एक भयंकर संकेत था, रूस की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा के औपचारिक रूप से विस्तार का, जिसे ऐतिहासिक नियति के आवरण में छिपाकर पेश किया गया और यह बयान जिस आत्मविश्वास के साथ दिया गया, वह सिहरन पैदा करने वाला था। पुतिन का यह बयान केवल राष्ट्रवादी नारा नहीं था, बल्कि यह विस्तृत रुस के प्रति उनकी गहरी वैचारिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है और उनका यह यकीन इस गणना पर आधारित है कि वैश्विक स्थिति अब उनके पक्ष में निर्णायक रूप से झुक गई है।

- पुतिन ने यह वक्तव्य देने का समय व स्थान बहुत सोच समझकर चुना है। ट्रंप के सत्ता में आने के बाद, अमेरिकी नेतृत्व में गठित टॉस्क फोर्स का अब विघटन सा हो गया है और विश्व का ध्यान इज़रायल-ईरान युद्ध पर केन्द्रित है। अतः रूस ने मौके का पूरा लाभ लेने का सोचा है, पुराने सोवियत यूनियन का आकार पाने के लिए।
- पुतिन के लिये युद्ध केवल भूमि हथियाने के लिए नहीं है, बल्कि अपनी सभ्यता व ऐतिहासिक पहचान को मजबूत करने के लिए है।
- पुतिन ने यूक्रेन को अपना पड़ोसी नहीं बताया, बल्कि सोवियत साम्राज्य का टूटा हुआ अंग बताया, जिसे पुनः "मेन बॉडी" से जोड़ना है।

पुतिन ने यह घोषणा करते हुए कि "रूस और यूक्रेन एक ही राष्ट्र हैं," के साथ साम्राज्यवादी नारा "जहां एक रूसी सैनिक पैर रखता है, वह हमारा है," दिया, इस प्रकार न केवल यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता को चुनौती दी, बल्कि अपने देशवासियों की नज़रों में यूक्रेन की क्षेत्रीय एकता व अखंडता को मिटा भी दिया। इसके बाद जो तालियों की गड़गड़ाहट हुई, वह कोई स्वाभाविक स्वीकृति नहीं थी; यह एक ऐसे सिस्टम में व्याप्त सहमति थी, जहां पुतिन के शब्द राजनीति शास्त्र बन चुके हैं।

यूएस के नेशनल सिक्योरिटी जर्नल में छपे एक आलेख के अनुसार, शांति वार्ता की जो बची-खुची उम्मीदें थीं, वे अब पूरी तरह से समाप्त हो सकती हैं। तुर्की में चल रही बैक चैनल वार्ता अब नाकाम हो सकती है, क्योंकि मॉस्को अपना रुख कठोर कर रहा है, और कीव, जैसी कि उम्मीद थी, अपनी संप्रभुता से समझौता करने से इनकार करता है। पुतिन ने सार्थक उद्देश्यपूर्ण कूटनीति में शामिल होने से इंकार कर दिया है, हालाँकि पहले उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की से मिलने के संकेत दिए थे। उनका रुख अब डोनेट्स्क और ज़ापोरिज़्ज़िया में जारी सैन्य हमलों से और कठोर हो गया है।

हालांकि, सबसे ज्यादा जिस बात ने लोगों को चौंका दिया, वह थी पुतिन की अप्रत्यक्ष परमाणु धमकी, कि अगर यूक्रेन द्वारा कथित "डर्टी बम" इस्तेमाल किया जाता है तो। हालांकि ऐसे दावों का आधार नहीं है, लेकिन पुतिन ने परमाणु हमले की धमकी का वही खेल दोहराया। कीव ने इस आरोप को खारिज करते हुए इसे एक और प्रोपेगेंडा करार दिया, जो सैन्य आक्रमण को सही ठहराने के लिए रूस की पुरानी रणनीति का हिस्सा है।

पुतिन का बयान जितना भड़काऊ है, उसका समय उतना ही रणनीतिक है, ट्रम्प के वाइट हाउस लौटने के बाद, यूक्रेन में अमेरिका की भूमिका नगण्य हो गई है। रॉयटर्स के अनुसार, कभी मॉस्को पर दबाव डालने के लिए जो एक टास्क फोर्स गठित की गई थी, उसे चुपचाप भंग कर दिया गया है। बाइडन-काल के पश्चिमी गठबंधन की एकजुटता अब बिखर चुकी है और जब पूरे विश्व का ध्यान इज़रायल-ईरान संघर्ष की ओर केंद्रित है, तो रूस को अपने लिए मौका नज़र आ रहा है।

यह क्षण केवल यूक्रेन के बारे में नहीं है। पुतिन की वाणी और कार्यवाहियाँ एक बहुत व्यापक महत्वाकांक्षा को दर्शाती हैं और वह है, पूर्व सोवियत क्षेत्र में रूसी दबदबे को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर में फ्रांसीसी महिला पर्यटक के साथ दुष्कर्म

उदयपुर, 24 जून (का.सं)। पर्यटन नगरी उदयपुर को एक और घटना ने शर्मशार किया है, जिसमें एक फ्रांसीसी महिला पर्यटक के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यह घटना शहर के बड़गांव थाना क्षेत्र में सोमवार देर शाम घटित हुई है, जब युवती एक कैफे में पार्टी के लिए गई थी।

जानकारी के अनुसार, कैफे में उसकी मुलाकात एक स्थानीय युवक से हुई, जिसने पहले दोस्ती का नाटक किया और फिर उसे अपने किराए के मकान में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। फिलहाल पीड़िता खतरे से बाहर है और निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है, जबकि आरोपी फरार है।

- फ्रांसीसी युवती को एक युवक कैफे में चल रही पार्टी से शहर दिखाने का झाँसा देकर अपने अपार्टमेंट में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

थानाधिकारी पूरण सिंह राजपुरोहित ने बताया कि युवती और युवक की मुलाकात एक कैफे में हुई थी। पार्टी के दौरान युवक ने युवती से बातचीत की और बाहर चलकर शहर का सुंदर नजारा दिखाने का झांसा दिया। इसी बहाने वह उसे अपने अपार्टमेंट में ले गया। वहां जब युवती ने युवक के साथ गले लगने से इंकार किया तो उसने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान के सुप्रीम लीडर, अयातुल्ला अली खामनेई कहाँ हैं?

जब से अमेरिका की रेड ईरान पर शुरु हुई और खत्म हो गई, अयातुल्ला की ओर से कोई वक्तव्य नहीं आया है, बल्कि, विदेश मंत्री अब्बास अराघची ही ईरान का पक्ष जनता के सामने रख रहे हैं, चाहे जिनेवा हो या तेहरान या मॉस्को

-अंजन रॉय-
-ऑटवा (कैनडा) से-

ऑटवा (कैनडा), 24 जून। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा अचानक संघर्षविराम की घोषणा के बीच, ईरान को लेकर इस समय सबसे बड़ा रहस्य यह है कि देश के स्वयंभू सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई पूरी तरह से लापता हैं।

जब से अमेरिका के हमले शुरु और खत्म हुए, सर्वोच्च नेता की ओर से बदलती हुई स्थिति को लेकर कोई बयान नहीं आया है। इसके बजाय, जिनेवा के अंतरराष्ट्रीय होटल, तेहरान और मॉस्को की अपनी व्यस्त यात्राओं के बीच, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची ही सारी बात कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि ईरान पर अमरीकी हमले का सबसे बड़ा आलोचक मॉस्को है।

- विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अयातुल्ला को जमीन के नीचे बहुत नीचे बने बंकर में, जो तेहरान से कुछ दूरी पर स्थित है, में रखा गया है।
- ट्रंप ने सदा की भाँति दम्भपूर्वक कहा, हमारी इंटैजिलैंस एजेंसी ने चिन्हित कर लिया है, अयातुल्ला कहाँ हैं और हम जब चाहे उन्हें वहाँ से पकड़ सकते हैं।
- खामनेई एक गरीब धार्मिक स्कॉलर के पुत्र हैं, जो बड़ी मेहनत से एक-एक सीढ़ी चढ़कर वहाँ पहुँचे हैं, जहाँ वे अब हैं।
- प्रारंभ से खामनेई ने सेना के वरिष्ठ उच्चाधिकारियों से बहुत अच्छे संबंध बनाकर रखे हैं, जो मजबूती से उनके साथ है और मध्यम वर्ग व प्रवासी ईरानी चाहे जितना भी खामनेई के खिलाफ हों, उनका तख्त नहीं बदल सकते।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका के इस कदम को अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों का स्पष्ट उल्लंघन बताते हुए इसकी निंदा की है। हालांकि, यूक्रेन पर अपने हमले के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अमेरिका की "ट्रैवल एडवायज़री" भारत के लिए अपमानजनक है'

कांग्रेस ने सवाल उठाया, इस अपमान पर मोदी सरकार चुप क्यों है?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को भारत यात्रा के विषय में अमेरिका द्वारा दी गई सलाह (एडवाइजरी) को लेकर मोदी सरकार की चुप्पी पर तीखा हमला किया।

उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सच्चाई यह है कि अमेरिका ने भारत के लिए लेवल-2 की यात्रा सलाह जारी की है और खासतौर पर अपनी महिलाओं को, दुष्कर्म के अनेक मामलों का हवाला देते हुये, अकेले भारत यात्रा न करने की सलाह दी है। इसके साथ ही, अमेरिका ने साफ तौर पर कहा है कि भारत में विभिन्न प्रकार के अपराध, हिंसा की घटनाएं और आतंकवादी हमले हो सकते हैं और अमेरिकी अधिकारियों को भारत आने से पहले सरकार से अनुमति लेना जरूरी होगा।

- दरअसल अमेरिका सरकार ने अमेरिकन महिलाओं को दुष्कर्म की घटनाओं का हवाला देकर अकेले भारत नहीं जाने की सलाह दी, साथ ही कहा कि अमेरिकन अधिकारी भी सरकार की अनुमति लेकर ही भारत जा सकते हैं।
- कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, पाकिस्तान का जनरल आसिम मुनीर, जो असल में फौजी वर्दी में आतंकवादी है, के साथ ट्रंप खाना खा रहे हैं और भारत के खिलाफ ट्रैवल एडवायज़री जारी कर रहे हैं, यह अपमानजनक है।
- कांग्रेस प्रवक्ता ने मोदी सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाया और कहा, मोदी ने 11 सालों में विदेशी शक्तियों को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, पर, आज भारत के साथ कोई नहीं है। यह कैसी विदेश नीति है।

श्रीनेत ने जोर देते हुये कहा कि सबसे विडंबनापूर्ण बात यह है कि इस तरह की एडवाइजरी भारत के लिए जारी की जा रही है, जिसका दूरगामी प्रभाव पड़ेगा, लेकिन पाकिस्तान के लिए ऐसा कुछ जारी नहीं किया जा रहा है, जो एक आतंकवादी देश है। मसूद अजहर, हाफिज सईद, दाऊद इब्राहिम जैसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्कूल व्याख्याता-कोच भर्ती परीक्षा में सुप्रीम कोर्ट का दखल से इंकार

जयपुर, 24 जून। सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल व्याख्याता एवं कोच स्कूल शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा-2024 में दखल से इनकार करते हुए आरपीएससी को तय कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा कराने को मंजूरी दी है। वही, सुप्रीम कोर्ट ने इस परीक्षा कार्यक्रम को यूजीसी-नेट जून 2025 परीक्षा से टकराव के आधार पर चुनौती देने वाली एसएलपी भी निस्तारित कर दी है। जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की खंडपीठ ने ये आदेश मामले में दायर 17 विशेष अनुमति याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

- ये परीक्षाएँ आरपीएससी के तय कार्यक्रम के अनुसार होंगी।

एसएलपी में सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि इस भर्ती परीक्षा का कार्यक्रम यूजीसी की 25 जून से 29 जून 2025 तक होने वाली नेट परीक्षा से टकरा रहा है। ऐसे में परीक्षा कार्यक्रम को पुनः निर्धारित किया जाए। एसएलपी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'संस्कृत को करोड़ों रूपए और दक्षिण भारतीय भाषाओं को घड़ियाली आँसू'

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक बार फिर भाषा के मुद्दे पर मोदी सरकार की तीखी आलोचना की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने आज भाषा के मुद्दे को लेकर मोदी सरकार पर जबरदस्त हमला बोला तथा कहा कि सरकार संस्कृत के लिए धनराशि आवंटन में उदारता बरत रही है और तमिल तथा अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं के लिए कृपणता से काम ले रही है। वित्तीय आवंटन के अंतर से भाजपा का घोर पक्षपात उजागर हो गया है।

स्टालिन यहीं नहीं रूके। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह तमिल की समृद्ध विरासत एवं प्राचीन धरोहर को नष्ट एवं समाप्त करने की निरन्तर कोशिश करती आ रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि तमिल, जिन्हें अपना स्वाभिमान सर्वाधिक प्रिय है, अपने राज्य को कभी दिल्ली से शासित नहीं होने देंगे।

- स्टालिन ने कहा कि मोदी ने तमिलनाडु दौरे पर और यहाँ तक कि युनाइटेड नेशनल में भी कहा कि, तमिल प्राचीनतम भाषाओं में से एक है, पर वास्तव में केन्द्र सरकार का तमिल भाषा के प्रति रूख पक्षपातपूर्ण है।
- स्टालिन ने आरोप लगाया कि मदूरै के कीलडी गाँव में यह भी उत्खनन और लोहे के उद्गम से संबंधित रिपोर्ट को केन्द्र सरकार नकार रही है। स्टालिन ने कहा कि रिपोर्ट से स्पष्ट है कि लौह युग का उद्गम तमिलनाडु में हुआ था, पर, केन्द्र सरकार इस पर प्रश्नचिन्ह लगा रही है।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि "संस्कृत को करोड़ों मिलते हैं और दक्षिण भारतीय भाषाओं को घड़ियाली आँसुओं के अलावा कुछ नहीं मिलता।" उन्होंने मोदी सरकार पर कीलडी की खुदाई रिपोर्ट और लोहे की प्राचीनता संबंधी रिपोर्ट को जानबूझकर अमान्य करने का आरोप लगाया, जो यह घोषणा करती है कि लोहे का युग तमिलनाडु से शुरू हुआ था।

उन्होंने एक्स पर लिखा, सारा पैसा संस्कृत के लिए है, तमिल के लिए प्यार का झूठा दिखावा है। उन्होंने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें संस्कृत के लिए भारी वित्तीय मदद का उल्लेख है, जबकि तमिल और अन्य दक्षिणी भाषाओं और उड़िया, जो कि प्राचीन एवं शास्त्रीय भाषाएं हैं, के लिए वित्तीय आवंटन नगण्य है।

तमिल को 2004 में शास्त्रीय भाषा घोषित किया गया था, जबकि संस्कृत को यह दर्जा इसके एक साल बाद 2005 में दिया गया था। इसके बाद कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और उड़िया ने भी इस प्रतिष्ठित वर्ग में स्थान पाया। लेकिन इन भाषाओं के विकास के लिए आवंटन से स्पष्ट रूप से संस्कृत के पक्ष में झुकाव साफ दिखाई देता है, क्योंकि संस्कृत को अधिकतम राशि मिली है।

संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए, केन्द्र सरकार ने 2014-15 से 2024-25 तक के दस वर्षों में 2532.59 करोड़ रूपये खर्च किए, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू निर्विरोध राजद अध्यक्ष निर्वाचित

पटना, 24 जून। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव को 13वीं बार पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया है।

राजद के राष्ट्रीय निर्वाचन अधिकारी रामचंद्र पूर्वे ने मंगलवार को पटना में संवाददाताओं को बताया कि अध्यक्ष पद के लिए यादव ही एकमात्र उम्मीदवार थे और नामांकन वापसी की निर्धारित 15 घंटे की समय-सीमा के भीतर किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। इसके साथ ही, उनकी निर्विरोध ताजपोशी की अधिसूचना जारी कर दी गई है।

- लालू प्रसाद यादव 13वीं बार राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष चुने गए हैं।

पूर्वे ने कहा कि यादव को निर्वाचन का आधिकारिक प्रमाण पत्र 05 जुलाई को पटना में आयोजित होने वाली पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या इज़रायल अपनी बमबारी तेहरान के सुबह चार बजे बंद कर देगा?

क्या, ईरान भी इस बमबारी बंद होने के एवज़ में अपनी तरफ से "मिसाइल दागना" बंद कर देगा?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने मंगलवार को घोषणा की कि ईरान और इज़रायल के बीच पूर्ण और संपूर्ण संघर्षविराम पर सहमति बन गई है, जिसके अगले 24 घंटों के भीतर प्रभावी होने की उम्मीद है।

ईरान और इज़रायल ने सुबह सीज़फायर की पृथक-पृथक घोषणा की, ट्रंप ने संधि का ब्यौरा दिया, जिसने 12 दिन से चल रहे युद्ध को रोक दिया है।

हालांकि, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अभी तक कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है, लेकिन यह भी कहा कि अगर इज़रायल तेहरान समय के अनुसार सुबह 4 बजे तक हमले रोक देता है, तो ईरान उसके बाद कोई प्रतिक्रिया जारी रखने का इरादा नहीं रखता।

सूत्रों के अनुसार, ईरान ने खाड़ी देशों के माध्यम से अमेरिका से इज़रायल पर संघर्ष विराम के लिए दबाव डालने की मांग की है।

तेहरान ने क़तर, सऊदी अरब और ओमान से आग्रह किया है कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से इज़रायल पर तत्काल संघर्ष विराम के लिए दबाव डालने को कहें। बदले में, ईरान परमाणु वार्ताओं में लचीलापन दिखाने को तैयार हो सकता है। यह जानकारी रॉयटर्स को दो ईरानी और तीन क्षेत्रीय सूत्रों ने दी।

खाड़ी देशों के नेता और उनके शीर्ष राजनयिक पूरे सप्ताहांत फोन पर सक्रिय रहे, वे एक-दूसरे से, तेहरान से, वॉशिंगटन से और अन्य पक्षों से बात कर रहे थे, ताकि ईरान और इज़रायल के बीच अब तक के सबसे बड़े टकराव को और अधिक बढ़ने से रोका जा सके।

- इन दोनों सवालों का मुकम्मिल जवाब किसी के पास नहीं है। इसलिए ट्रंप द्वारा बड़े शोर-शराबे से ईरान-इज़रायल युद्ध में "सीज़फायर" की घोषणा, तूफान में एक टिमटिमाते दीये की भाँति है, कभी जलता है और कभी बुझने के कगार पर आ जाता है। अतः कुछ भी पूर्ण विश्वास से कहना मुमकिन नहीं हैं।

ईरान का रुख स्पष्ट है कि जब तक इज़रायल बमबारी नहीं रोकता, ईरान पूर्ण संघर्ष विराम स्वीकार नहीं करेगा। ईरान ने खाड़ी देशों के माध्यम से यह संकेत दिया है कि वह हमले तभी रोकेगा जब इज़रायल हमले रोकेगा। और इसके बाद वह परमाणु वार्ताओं को फिर से शुरू कर सकता है।

ट्रंप की घोषणा के बाद भी दोनों पक्षों ने मिसाइल हमलों की रिपोर्ट दी। इज़रायल का दावा है कि उसने ईरान से दागी गई मिसाइलों को रोका है, जबकि ईरान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन करने से इनकार किया है।

इज़रायल ने अभी तक संघर्ष विराम की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और यह कहा है कि यदि ईरान फिर से हमला करता है, तो वह ज़ोरदार जवाब देगा।

राजनयिक स्तर पर, ईरान और यूरोपीय देशों, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन, के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ताएं 20 जून को जेनेवा में शुरू हुई हैं। ये वार्ताएं संघर्ष विराम से अलग हैं, और ईरान का कहना है कि वह उस समय तक कोई भी बातचीत नहीं करेगा जब तक उस पर हमला हो रहा है।

निचोड़ यह है कि अमेरिका ने एकतरफा संघर्ष विराम की घोषणा की है, लेकिन ईरान ने किसी औपचारिक समझौते से इनकार किया है, और इज़रायल भी सतर्क बना हुआ है।

संघर्ष विराम का पालन सशर्त है, इज़रायल को पहले हमले रोकने होंगे, तभी ईरान अपनी प्रतिक्रिया रोकने को तैयार है।

राजनयिक प्रयास जारी हैं, जेनेवा में यूरोपीय देशों की मध्यस्थता में परमाणु मुद्दों पर बातचीत प्रारंभ हो चुकी है, लेकिन संघर्ष विराम और परमाणु वार्ताएं फिलहाल एक-दूसरे से अलग हैं।

अब देखने वाली बातें ये होंगी, क्या इज़रायल तेहरान समय अनुसार सुबह 4 बजे तक अपने हमले रोक देगा? क्या ईरान बदले में मिसाइल हमले रोक देगा? और क्या जेनेवा में चल रही वार्ताएं परमाणु कूटनीति और सैन्य तनाव को जोड़ने में सफल होंगी?

महाराष्ट्र सरकार ने मंत्रियों को आइपैड दिए

मुंबई, 24 जून। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने 'कागज रहित' प्रशासन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए अपने सभी मंत्रियों को 'आईपैड' उपलब्ध करा दिया है, ताकि वे अपने नियमित आधिकारिक कार्य कुशलतापूर्वक कर सकें।

राज्य सरकार के सूत्रों के अनुसार, मंत्रियों को राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आईपैड का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के बारे में जानकारी दी गई और प्रत्येक मंत्री को डिवाइस और उनके आधिकारिक ईमेल खातों के पासवर्ड सहित लॉगिन आईडी भी दिए गए।

- कागज़ रहित कामकाज को प्रोत्साहन देने के लिए यह कदम उठाया गया है।

सूत्रों ने बताया कि अब कैबिनेट एजेंडा, नोट्स और पिछली बैठकों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

केवल आत्मज्ञान ही हृदयात्मा को सच्चा आनंद प्रदान करता है। –रामतीर्थ

आधी सदी पहले के आपातकाल को याद रखना अब भी जरूरी

राष्ट्रपति ने आपातकाल की घोषणा कर दी है। घबराने की कोई बात नहीं है। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 26 जून 1975 की सुबह 'ऑल इंडिया रेडियो' पर देशवसियों के नाम संदेश में कहा। इस खबर को सुनने वाले उतने ही बेखबर थे, जितने कि श्रीमती गांधी के मंत्रीमंडल के सदस्य। मंत्रीमंडल को आपातकाल लगाने की सूचना प्रधानमंत्री के आकाशवाणी स्टूडियो जाने के लिए रवाना होने से कुछ समय पहले ही दी गई। आपातकाल की घोषणा पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने पिछली 25 जून की रात ही हस्ताक्षर कर दिए थे जिसके तुरंत बाद, देश भर के अखबारों के दफ्तरों की बिजली सप्लाई काट दी गई और 26 जून की पौ फटने से पहले, देश भर में सैकड़ों राजनीतिक नेताओं, कार्यकर्ताओं और सामाजिक तथा मजदूर संगठनों के लोगों को घरों से उठा लाकर जेल में डाल दिया गया। आधी सदी पहले हुआ यह घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र के काले अध्याय के रूप में जाना जाता है। देश में 21 महीने तक चले आपातकाल को दुःस्वप्न मान कर भुला दिये जाने के लिए अब भी लोग तैयार नहीं है, क्योंकि वे देश की संसदीय प्रक्रिया को दबाते हुए अपना लोकतांत्रिक भाग्य किसी एक व्यक्ति के हाथों सौंपने के खतरों को याद रखना चाहते हैं। "जो काम इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगा कर एक झटके में किया, आज वे सभी काम धीरे-धीरे कानून बदल कर किए जा रहे हैं," यह कथन केवल किसी राजनैतिक विचारधारा की आलोचना नहीं, बल्कि लोकतंत्र के स्वरूप और उसकी आत्मा पर गहरी चिंता की अभिव्यक्ति है। 1975 में जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, नागरिक अधिकार, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और प्रेस की आज़ादी को कुचल दिया गया वहीं नियंत्रण और दमनात्मक प्रवृत्तियां धीरे-धीरे 'कानूनी सुधारों' और 'राष्ट्रीय हित' के नाम पर वापस आती दिख रही हैं। आपातकाल में जो किया गया वह तानाशाही मानी गई। आज जब उसी प्रकार के नियंत्रण संवैधानिक प्रक्रिया के तहत लागू किए जा रहे हैं। आपातकाल के पीछे भी संवैधानिक वैधता थी तो आज भी सब कुछ कानूनी वैधता की आड़ में होता है। डिजिटल मीडिया पर नियंत्रण, निगरानी कानूनों का विस्तार, गोपनीयता के अधिकारों की अनदेखी, जानकारी के अधिकार का कानून कमजोर किया जाना, असहमति जताने वालों पर राजद्रोह या यूएपीए जैसे कठोर कानूनों का प्रयोग, बुलडोजर न्याय – ये सभी कदम आपातकाल की ही पुनरावृत्ति जैसे हैं क्योंकि कानूनों का प्रभाव उस भावना से होता है जिससे वे क्रियान्वित किए जाते है।

पचास साल पहले आपातकाल का लक्ष्य आंतरिक अशांति को नियंत्रित करना बताया गया था। इंदिरा गांधी ने तब इसे राष्ट्रीय हित में कठोर कदम बताते हुए उसे मुख्य रूप से तीन आधारों पर उचित ठहराया था। पहला था जयप्रकाश नारायण द्वारा शुरू किया गया आंदोलन, जो उनके मुताबिक,भारत की सुरक्षा और लोकतंत्र खतरे में डाल रहा था। दूसरा उनका मानना था कि तेजी से आर्थिक विकास और वंचितों के उत्थान के लिए काम में कानून और संवैधानिक प्रावधान बाधा डाल रहे थे। तीसरे, उन्होंने विदेशी शक्तियों के हस्तक्षेप की बात की और कहा कि वे भारत को अस्थिर और कमजोर कर सकती हैं। वास्तव में आपातकाल उस प्रक्रिया की परिणति थी जो 1973 में शुरू हुई थी। इस प्रक्रिया में एक प्रमुख कारक जयप्रकाश नारायण का सक्रिय राजनीति में फिर से उभरना था, जो भारतीय युवकों को एकजुट करने वाले सम्पूर्ण क्रांति आंदोलन के प्रणेता बने। वे काफी समय से सक्रिय राजनीति से दूर विनोबा भावे के सर्वोदय आंदोलन में समर्पित भाव से लगे थे। देश में बढ़ते राजनीतिक भ्रष्टाचार और बिगड़ती आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक मानकों में भयावह गिरावट और परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ियों से आम लोगों की बेचैनी के चलते वे सरकार विरोधी आंदोलनों से जुडते चले गये और प्रतिरोध के प्रतीक बन गये। आपातकाल लागू होने की भूमिका बनने का एक बड़ा सबब 12 जून का इलाहाबाद हाईकोर्ट का वह निर्णय भी बना जिसमें इंदिरा गांधी का राय बरेली से निर्वाचन रद्द कर दिया गया था। वह फैसला इंदिरा गांधी के विरुद्ध उभर रहे जन आक्रोश की ताबूत में अंतिम कील साबित हुआ। इस अदालती निर्णय ने विपक्ष के इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री पद से स्तीफ़े की मांग को नैतिक धार दे दी। उस माहौल में इंदिरा गांधी के हाथ मजबूत करने के लिए 18 जून को दिल्ली में मुख्यमंत्रियों की बैठक हुई। 20 जून को सारी सरकारी व्यवस्थाओं की मदद से कांग्रेस ने इंदिरा गांधी के समर्थन में दिल्ली में एक विशाल रैली की। उसमें वक्ताओं ने इंदिरा गांधी की प्रशंसा के पुल बांधे। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने अपने भाषण में कहा –इंदिरा, तेरी सुबह की जय, तेरी शाम की जय, तेरे काम की जय, तेरे नाम की जय..! वहीं दूसरी तरफ 21 और 22 जून को विपक्षी पार्टियों के 'जनता मोर्चा' के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक दिल्ली में हुई। इसमें इंदिरा गांधी के त्यागपत्र की मांग करने के लिए राष्ट्रव्यापी आंदोलन खड़ा करने का निर्णय हुआ। जयप्रकाश नारायण ने इस आंदोलन में सम्मिलित होने की स्वीकृति दे दी। विपक्षी दलों ने 25 जून को दिल्ली के रामलीला मैदान में एक बड़ी रैली का आयोजन किया। जिसमें लोगों का उत्साह साफ नज़र आ रहा था। रैली में मोरारजी देसाई, नानाजी देशमुख, जॉर्ज फर्नांडीज, मदनलाल खुराना आदि नेताओं के भाषण हुए। समापन के भाषण में जयप्रकाश नारायण ने सभा में मौजूद लोगों से प्रश्न किया, "देश में नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना करने के लिए यदि जेल जाना पड़े तो कौन-कौन जाने के लिए तैयार हैं?" सभी ने हाथ खड़े किए। जेपी ने पांच सदस्यों की लोक संघर्ष समिति की घोषणा की। इसके अध्यक्ष थे मोरारजी भाई देसाई और सचिव नानाजी देशमुख। इस रैली में जयप्रकाश नारायण एक नये नेतृत्व के रूप में सामने आये।

> **"जो काम इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगा कर एक झटके में किया, आज वे सभी काम धीरे-धीरे कानून बदल कर किए जा रहे हैं," यह कथन केवल किसी राजनैतिक विचारधारा की आलोचना नहीं, बल्कि लोकतंत्र के स्वरूप और उसकी आत्मा पर गहरी चिंता की अभिव्यक्ति है।**

उसी रात इंदिरा गांधी, राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत देश मे आपातकाल लगाने वाले अध्यादेश पर हस्ताक्षर कराने के लिए राष्ट्रपति भवन गई। राष्ट्रपति ने केन्द्रीय मंत्रीमंडल की पीठ पीछे लाये गये अध्यादेश पर 25 जून की रात पौने बारह बजे हस्ताक्षर कर कर दिए। बाद में दिन उगते समय मंत्रियों को बुलाकर मंत्रिमंडल की बैठक की गई जिसमें राष्ट्रपति को भेजे जाने वाले उस प्रस्ताव के अनुमोदन पर सबके हस्ताक्षर करवाये गये जिस पर राष्ट्रपति पहले ही हस्ताक्षर कर चुके थे और देश में आपातकाल लागू हो चुका था। देश में संविधान सम्मत आंतरिक आपातकाल लगाने का सुझाव देने वाले थे पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे, जो स्वयं बड़े विधिवेत्ता थे। इमरजेंसी लगाने के पीछे इंदिरा गांधी के नेतृत्व को मिलने वाली चुनौती प्रमुख थी। इसी कारण इंदिरा गांधी पर तानाशाह होने की तोहमत हमेशा के लिए चस्पा हो गई। 21 महीने लंबे आपातकाल के दौरान सरकार ने कई बार संविधान में संशोधन किये, जिसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और स्पीकर के पदों के लिए चुनाव को अदालतों की जांच से परे रखना और संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द शामिल करना शामिल था। विभिन्न कानूनों में संशोधनों ने शक्ति संतुलन को केंद्र के पक्ष में कर दिया और उच्च न्यायपालिका की शक्तियों को कम कर दिया। आपातकाल लागू होने के बाद 1975 में 26 अध्यादेश जारी किए गए, जबकि 1976 में 16 अध्यादेश लाए गए। 1977 में, आपातकाल समाप्त होने से पहले, छह अध्यादेश जारी किए गए।

पचास साल पहले के काल और वर्तमान में एक फ़र्क जरूर है कि आज कमी की जगह इफ़रात की अर्थव्यवस्था है, जिसमें मध्यमवर्ग खुश है। यही वर्ग है जो प्रतिरोध की आवाज़ बनता है। यह वर्ग उत्पादन क्षेत्र का मजदूर या छोटा किसान नहीं है बल्कि वह सेवा क्षेत्र में बुलंदियां छूने वाली युवा पीढ़ी है। गरीबी है किन्तु देश की आर्थिक स्थिति बेहतर है। बाज़ार खूब सजे हुए हैं जहां चीजों की कोई किल्लत नहीं है। गरीबी नहीं मिटी है। गरीबों को सीधा राशन और पैसा देकर उन्हें संतुष्ट रखा जा रहा है। महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त बहस के पारित किए जा रहे हैं, मुख्य धारा के मीडिया का एक बड़ा वर्ग सरकारी प्रवक्ता जैसा व्यवहार कर रहा है। न्यायपालिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। यह सब लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं होता, वह जनता के अधिकारों, संस्थाओं की स्वायत्तता, असहमति के अधिकार और जवाबदेही की प्रवित्र प्रणाली से संचालित होता है। यदि इन मूल तत्वों को धीरे-धीरे खत्म कर दिया जाए, तो वह लोकतंत्र केवल काग़ज़ी ढांचा रह जाता है, जिसकी आत्मा मर चुकी होती है। इंदिरा गांधी के आपातकाल का जनता ने प्रतिरोध सड़कों पर नहीं मतदान केंद्रों पर जाकर किया। परन्तु आज लगता है प्रतिकार करना कठिन है, क्योंकि बहुमत और लोकप्रियता ऐसा नशा होती है जो किसी भी नेता को बहक जाने का आधार देती है। राजनीति का स्वरूप भी बदल गया है। चुनावों में पार्टियों के उम्मीदवार अब आला कमानें तय करती हैं। इसलिए यह समय आधी सदी पहले के आपातकाल को याद करने का ही नहीं, बल्कि आगे के लिए चेतने और सचेत रहने का है। जैसा कि तब जयप्रकाश नारायण ने इंदिरागांधी को पत्र लिख कर कहा था कृपया उन नींवों को नष्ट न करें जिन्हें हमारे पुरखों ने, जिनमें आपके महान पिता भी शामिल हैं, रखी थीं। आपको एक महान परंपरा, महान मूल्य और एक कार्यशील लोकतंत्र विरासत में मिला है। इन सबको फिर से एक साथ लाने में बहुत समय लगेगा। यही बात आज भी प्रासंगिक है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

पूर्वजों की स्मृति का पर्व : आषाढ़ अमावस्या का आध्यात्मिक महत्व

आषाढ़ अमावस्या न केवल पितरों की स्मृति का पर्व है, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मा के पुनर्संयोजन का भी अवसर है

श्वेता यादव

हर अमावस्या की तिथि हिंदू धर्म में विशिष्ट मानी जाती है. लेकिन आषाढ़ अमावस्या का स्थान विशेष है। यह न केवल पितरों की स्मृति का पर्व है, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मा के पुनर्संयोजन का भी अवसर है। वर्ष 2025 में यह तिथि 25 जून, बुधवार को आ रही है और इस दिन को लेकर धार्मिक जनमानस में विशेष उत्साह देखा जाता है। आषाढ़ मास की यह अमावस्या वर्षा ऋतु के आरंभ की सूचना लेकर आती है। आसमान में गहराते बादल, भूमि की सोंधी गंध और जल के स्पर्श में एक आध्यात्मिक भाव स्वतः जाठात हो जाता है। यह समय केवल बाह्य जलवृष्टि का नहीं, बल्कि आंतरिक शुद्धि और आत्मचिंतन का भी अवसर है।

धार्मिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो इस दिन पित्त तर्पण का विशेष महत्व है। यह तिथि पितरों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने, उनके लिए जल-तिल अर्पण करने और उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करने का पुण्य अवसर है। मान्यता है कि इस दिन पितृलोक के द्वार खुलते हैं और हमारे द्वारा किया गया तर्पण सीधा पितरों तक पहुंचता है। कई पुराणों में उल्लेख मिलता है कि पितरों की प्रसन्नता से जीवन में धन, संतान, सुख-शांति और उन्नित की प्राप्ति होती है। आषाढ़ अमावस्या को किया गया तर्पण, दान और ब्राह्मण सेवा सात पीढ़ियों तक पुण्यफल प्रदान करता है। इस दिन पीपल वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व है। पीपल में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना गया है। इसके अतिरिक्त पितृगणों का भी इस वृक्ष में निवास होता है। श्रद्धालु प्रातःकाल स्नान कर पीपल को जल चढ़ाते हैं. दीपक जलाते हैं और परिक्रमा करते हैं। यह कर्म न केवल पितृ कृपा को प्राप्त करता है, बल्कि अनेक जन्मों के पापों का क्षय भी करता है।

एक कथा के अनुसार, एक निर्धन ब्राह्मण ने इस दिन केवल तुलसीदल और जल से अपने पितरों को तर्पण किया। उसकी भावना इतनी शुद्ध थी कि पितृगण अत्यंत प्रसन्न हुए और उसे धन, यश और संतान की प्राप्ति हुई। यह कथा हमें बताती है कि तर्पण केवल सामठी से नहीं, बल्कि श्रद्धा और भावना से सफल होता है।

धार्मिक परंपराओं के अनुसार, इस दिन उपवास, गायत्री मंत्र जाप, भगवान विष्णु और शिव का पूजन. तथा दान-पुण्य करना विशेष फलदायी होता है। खासकर काले तिल, जल, वस्त्र, अन्न और छाता का दान गरीबों और ब्राह्मणों को देना पितरों को प्रसन्न करता है। साथ ही यह समय आध्यात्मिक साधना के लिए भी श्रेष्ठ माना गया है। ध्यान, मौन और आत्मावलोकन से मन शांत होता है और पितरों की आत्मा से भी जुड़ाव गहरा होता है। आषाढ़ अमावस्या का यह दिन केवल पितृ तर्पण या दान का अवसर नहीं, बल्कि अपने जीवन में उन संस्कारों को दोहराने का भी समय है जो हमें परंपरा, प्रकृति और पितरों से जोड़ते हैं। यह एक प्रकार का आध्यात्मिक नवसंस्कार है, जिसमें हम भूत, वर्तमान और भविष्य तीनों को एक सूत्र में बांधते हैं। वर्ष 2025 की यह आषाढ़ अमावस्या हमें पुनः याद दिलाती है कि पितरों की स्मृति केवल एक रस्म नहीं, बल्कि एक जीवंत कड़ी है. जो हमारी जड़ों से हमें जोड़ती है। आइए, इस दिन हम सभी श्रद्धा से अपने पूर्वजों को स्मरण करें, उनके लिए प्रार्थना करें और अपनी अगली पीढ़ियों को भी इस परंपरा की शक्ति और भाव समझाएं।

श्वेता यादव
वरिष्ठ लेखिका।

एक डिग्री के लिए तो शिक्षक है नहीं और हम बात एक साथ दो डिग्री की करते हैं?

विश्वविद्यालयों में एक साथ दो डिग्रियों को मान्य करना एक प्रगतिशील कदम है जो छात्रों को अधिक लचीलापन और अवसर प्रदान करता है

अशोक कुमार

भारत में विश्वविद्यालयों में एक साथ दो डिग्रियां मान्य होने के नियम को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने स्वीकृति दे दी है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (2020) के तहत छात्रों को अधिक लचीलापन और बहु-विषयक शिक्षा के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है। विश्वविद्यालयों में एक साथ दो डिग्रियों को मान्य करना एक प्रगतिशील कदम है जो छात्रों को अधिक लचीलापन और अवसर प्रदान करता है।

अकादमिक दृष्टिकोण से, यह छात्रों के ज्ञान के क्षितिज को व्यापक बनाने और उन्हें भविष्य के लिए अधिक तैयार करने की क्षमता रखता है। दोहरी डिग्री का प्रावधान उच्च शिक्षा में एक सकारात्मक बदलाव हो सकता है, लेकिन इसकी सफलता शिक्षकों की कमी, नियुक्ति, फर्जीवाड़े को रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर बहुत निर्भर करेगी। यदि इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना नहीं किया जाता है, तो यह नीति अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में विफल हो सकती है और शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा सकती है।

भारत में उच्च शिक्षा के सामने शिक्षकों की कमी एक गंभीर और पुरानी समस्या है। ऐसे में जब हम एक साथ दो डिग्रियों की बात करते हैं, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हमारे पास पर्याप्त शिक्षक और संसाधन हैं जो इस नई व्यवस्था को सफलतापूर्वक लागू कर सकें। शिक्षकों की कमी के बावजूद दोहरी डिग्री की बात करना एक बड़ी चुनौती है। यह दर्शाता है कि नीतिगत सुधारों को लागू करने से पहले जमीनी हकीकत और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता का आकलन करना कितना महत्वपूर्ण है।

शिक्षकों की कमी और दोहरी डिग्री: एक विरोधाभास?

मौजूदा कमी: देशभर के कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। विशेषकर सरकारी संस्थानों में, संकाय की कमी अक्सर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में बाधा डालती है। कुछ विषयों में तो विशेषज्ञ शिक्षकों का अभाव और भी अधिक होता है।

कार्यभार में वृद्धि: यदि छात्र बड़ी संख्या में दोहरी डिग्री कार्यक्रमों का विकल्प चुनते हैं, तो शिक्षकों पर कार्यभार और भी बढ़ जाएगा। उन्हें एक साथ दो अलग-अलग पाठ्यक्रमों के छात्रों को पढ़ाना, मूल्यांकन करना और मार्गदर्शन देना पड़ सकता है।

विशेषज्ञता का अभाव: एक शिक्षक भले ही अपने मूल विषय में विशेषज्ञ हो, लेकिन दोहरी डिग्री के तहत दूसरे विषय को पढ़ाने के लिए उसे उस विषय में भी पर्याप्त ज्ञान और विशेषज्ञता की आवश्यकता होगी। यदि ऐसा नहीं होता है, तो दोनों ही डिग्रियों की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

संसाधन और ढांचागत कमी: शिक्षकों की कमी के साथ-साथ, कई संस्थानों में पर्याप्त क्लासरूम, प्रयोगशालाएं और अन्य शिक्षण-अधिगम संसाधन भी कम होते हैं। दोहरी डिग्री के लिए इन्हें भी बढ़ाना होगा। निश्चित रूप से, यह भी चिंता बिल्कुल जायज है कि दोहरी डिग्री के प्रावधान से फर्जी डिग्रियों की संभावना बढ़ सकती है। यह एक गंभीर चुनौती है जिस पर नियामक निकायों, विशेषकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और विश्वविद्यालयों को गंभीरता से ध्यान देना होगा

दोहरी डिग्री का प्रावधान की सफलता फर्जीवाड़े को रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर भी बहुत निर्भर करेगी। यदि इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना नहीं किया जाता है, तो यह नीति अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में विफल हो सकती है और शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा सकती है।

निजी विश्वविद्यालय निश्चित रूप से इस नीति का लाभ उठाएंगे, और यह उनके लिए छात्रों को आकर्षित करने और नए कार्यक्रम विकसित करने का एक अवसर है। हालांकि, नियामक निकायों को यह सुनिश्चित करना होगा कि निजी विश्वविद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखें और केवल वाणिज्यिक लाभ के लिए छात्रों का शोषण न करें। अंततः, इस नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी अच्छी तरह लागू किया जाता है और विश्वविद्यालय छात्रों के लिए एक सहायक और गुणवत्तापूर्ण सीखने का माहौल कैसे प्रदान करते हैं।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

प्रदेश में ट्रांसफर की आस लगाए बैठे थर्ड ग्रेड शिक्षक मायूस

थर्ड ग्रेड शिक्षकों की परेशानी इसलिए सबसे ज्यादा है, क्योंकि इनके ट्रांसफर पर बैन सात साल पहले खुला था

बीकानेर, (निसं)। ट्रांसफर की आस लगाए बैठे थर्ड ग्रेड शिक्षक मायूस है। गर्मी की छुट्टियां खत्म होने को है। सात दिन बाद नया शिक्षा सत्र शुरू हो जाएगा, लेकिन तृतीय श्रेणी शिक्षकों के ना तबादले हुए ना ही प्रमोशन हुये। ये वो आबादी है जो शिक्षा विभाग की बड़ा हिस्सा है। प्रारंभिक-माध्यमिक शिक्षा विभाग में करीब पौने चार लाख शिक्षक हैं। इसमें से थर्ड ग्रेड शिक्षकों की तादाद एक लाख अस्सी हजार के करीब हैं मगर सरकार के ट्रांसफर पॉलिसी में यही उपेक्षित है।

- **प्रारंभिक-माध्यमिक शिक्षा विभाग में करीब पौने चार लाख शिक्षक हैं, इसमें से थर्ड ग्रेड शिक्षकों की तादाद एक लाख अस्सी हजार के करीब हैं**
- **शिक्षा के साथ ही चिकित्सा, विद्युत, जलदाय व पंचायतीराज सहित अन्य विभागों के कर्मचारी पारदर्शी तबादलों का इंतजार कर रहे हैं**
- **पंजाब, हरियाणा, केरल, दिल्ली सहित कई राज्यों में शिक्षा सहित अन्य विभागों के कर्मचारियों के तबादलों के लिए नीति बनी हुई है**

प्रदेश में व्याख्याता करीब 55 हजार हैं। सैकंड ग्रेड के शिक्षक करीब एक एक लाख के आसपास है। 19 हजार के करीब प्रिंसिपल हैं। 12 हजार के करीब वाइस प्रिंसिपल हैं। इनके इतर सात लाख सरकारी कर्मचारियों को ट्रांसफर के लिए भाजपा सरकार ने आते ही ट्रांसफर का मौका दे दिया मगर शिक्षा विभाग तक ट्रांसफर खुलने वाली गाइडलाइन मान्य नहीं हुई। ऐसे में खबर चली कि मई-जून में सरकार अन्य कर्मचारियों के साथ शिक्षा विभाग में भी ट्रांसफर खोलेगी, मगर अब स्कूल खुलने में सिर्फ सात दिन ही शेष है। ऐसे में अब शिक्षकों के चेहरे पर मायूसी छा गई है। थर्ड ग्रेड शिक्षकों की परेशानी इसलिए सबसे ज्यादा है क्योंकि इनके ट्रांसफर पर बैन सात साल पहले खुला था। उसके बाद प्रदेश के तमाम सरकारी कार्मिकों को कई बार मनचाही पोस्टिंग का मौका मिला मगर सबसे बड़ा शिक्षकों का वर्ग अभी भी एच्छिक पोस्टिंग नहीं ले पा रहा। इनकी परेशानी सिर्फ ट्रांसफर नहीं बल्कि पदोन्नति की भी है।

प्रदेश में तबादला नीति एक बड़ा मुद्दा है। गहलोत शासन में अनेक बार शिक्षक तबादला नीति को लेकर घोषणा हुई, लेकिन नीति नहीं बन सकी। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 28 अक्टूबर 2024 को शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में जयपुर में शिक्षक तथा कर्मचारी संगठनों की बैठक में स्थानांनतण नीति का डेमो दिखाया गया, लेकिन शिक्षक स्थानांतरण नीति अभी तक नहीं बनाई जा सकी है। नीति नहीं होने से शिक्षा के साथ ही चिकित्सा, विद्युत, जलदाय व पंचायतीराज सहित अन्य विभागों के कर्मचारी पारदर्शी तबादलों का इंतजार कर रहे हैं। राज्य में स्पष्ट नीति के अभाव में कभी भी तबादलों का दौर शुरू शुरू हो जाता है और कभी भी लॉक हो जाता है, जबकि पंजाब, हरियाणा, केरल, दिल्ली सहित कई राज्यों में शिक्षा सहित अन्य विभागों के कर्मचारियों के तबादलों के लिए नीति बनी हुई है। जानकारी के अनुसार राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण सहित अन्य न्यायालयों में हर साल औसतन 15 हजार मामले अधिकारी और कर्मचारियों के तबादले के पहुंचे रहे हैं।

समाजसेवी का मरणोपरांत नेत्रदान कराया

कोटा, (निसं)। शाइन इंडिया फाउंडेशन के जागरूकता अभियान से, अब शोक की घटना होते ही परिवार के सदस्य सबसे पहले दिवंगत के नेत्रदान करवाने का प्रयास करते है, जिससे परिवार का शोक कुछ कम हो सके।

सोमवार देर रात राजेंद्र बुक डिपो, भवानीमंडी निवासी, समाजसेवी राजेंद्र नाहर का आकस्मिक निधन हुआ, परिवार के करीबी सदस्य राजेश और आदित्य नाहर ने राजेंद्र के नेत्रदान करवाने के लिए भारत विकास परिषद आदर्श शाखा के सचिव यश नाहर में संस्था शाईन इंडिया फाउंडेशन के शहर संयोजक कमलेश गुप्ता दलाल को देर रात सूचना दी। नेत्रदान के लिए, राजेंद्र की पत्नी शकुंतला देवी, पुत्री श्रद्धा, नम्रता, पुत्र नितिन की सहमति प्राप्त होते ही कोटा से, डॉ.कुलवंत गौड़ ज्योतिरथ से सुबह रवाना हुए और परिवार के सभी सदस्यों के बीच में नेत्रदान की प्रक्रिया को संपन्न किया। राजेंद्र की नेत्रदान प्रक्रिया को परिवार की सभी महिलाओं, बच्चों और उपस्थित रिश्तेदारों ने करीब से देखा। शहर संयोजक कमलेश दलाल ने बताया कि, राजेंद्र का नेत्रदान क्षेत्र का 143 वां नेत्रदान हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 25 जून, 2025

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, बुधवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र दिन 10:41 तक, गंड योग प्रातः 6:00 तक, नाग करण सायं 4:02 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सवार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 10:41 तक है। आज आषाढ़ी अमावस्या, देव पितृकार्या अमावस्या है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:04 तक, शुभ 10:46 से 12:29 तक, चर 3:54 से 5:37 तक, लाभ 5:37 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:20

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

गांव, गरीब, किसान व मजदूर के सशक्त होने से देश की तरक्की संभव : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दूदू के ग्राम बिचून में किया पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े का शुभारंभ

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को दूदू तहसील स्थित बिचून ग्राम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय संबल पखवाड़े का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अंत्योदय के सिद्धांत के अनुसार गांव, गरीब, किसान, मजदूर के सशक्त होने से ही देश की तरक्की संभव है। इस दर्शन को साकार करने के लिए राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े के माध्यम से समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आव्हान किया कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें। शिविरों में जाएँ, अपने लंबित कार्य पूरे करवाएँ, और दूसरों को भी प्रेरित करें।

- **मुख्यमंत्री ने पखवाड़े के तहत आयोजित शिविर का अवलोकन भी किया और पात्र व्यक्तियों को प्रमाण पत्र, स्वीकृति पत्र, पट्टे देकर विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया**

उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय एक ऐसे महान विचारक थे, जिन्होंने अपने जीवन को समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उनका सपना था कि भारत का हर गांव और हर व्यक्ति आत्मनिर्भर बने। इस पखवाड़े के माध्यम से हम विकास के उजियारे को हर जरूरतमंद तक पहुंचाने का संकल्प पूरा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को दूदू तहसील में पंडित दीनदयाल उपाध्याय संबल पखवाड़े का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पखवाड़े में विभिन्न शिविरों में भूमि-संबंधी विवादों का समाधान और आपसी सहमति से बंटवारे, पं. दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना में 10 हजार गाँवों में बीपीएल परिवारों का सर्वे कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही, स्वामित्व पट्टे बनाने एवं वितरण करने जैसे कार्यों से ग्रामीण बिना कानूनी अड़चनों के अपनी जमीन का स्पष्ट स्वामित्व प्राप्त कर सकेंगे।

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों में पानी की टंकियों की सफाई, लंबित नल कनेक्शनों का प्रावधान, लीकेज की मरम्मत, नहरों की सफाई जैसे प्रकरण भी शामिल होंगे, जिससे गांवों में स्वच्छ पेयजल और बेहतर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसी तरह नर्सरियों से पौधों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण, और मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किसानों को वैज्ञानिक खेती करने में सहायता करेगा। उन्होंने कहा कि शिविरों में मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण जैसे कार्यों से पशुपालकों को आर्थिक सुरक्षा मिल सकेगी। पखवाड़े के दौरान आयुष्मान कार्ड वितरण, एनएफएसए के लंबित प्रकरणों का निस्तारण, विद्यालयों में प्रवेशोत्सव से बच्चों का नामांकन तथा झूलते तारों और विद्युत पोलों की मरम्मत जैसे कार्यों से सीधे तौर पर गरीब और वंचित वर्ग का जीवन सुगम होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के समय प्रदेश हर क्षेत्र में पिछड़ गया था। हमने आते ही इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया हमारी सरकार ने बिजली उधार लिए बिना ही रबी सीजन में किसानों को इसकी निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की।शर्मा ने कहा कि हमारे संकल्प और मेहनत से पिछले डेढ़ साल में राजस्थान फिर से विकास की पटरी पर दौड़ने लगा है और हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान न केवल भारत का अग्रणी राज्य बने, बल्कि हर नागरिक का जीवन समृद्ध और सशक्त हो।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित कर रही है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने बिचून से जयपुर लौटते समय रास्ते में काफिला रूकवाकर बारिश की फुहारों के बीच चाय का आनंद लिया।समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, जयपुर जिला प्रमुख रमा चोपड़ा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

रेजीडेंट डॉक्टर्स का दो घंटे कार्य बहिष्कार जारी, मरीज परेशान

जयपुर। उदयपुर में रेजिडेंट डॉक्टर रवि शर्मा की करंट से मौत की घटना के बाद प्रदेशभर के चिकित्सक संगठनों में रोष है। जयपुर रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन जाई से जुड़े रेजिडेंट डॉक्टर्स ने मंगलवार को दूसरे दिन भी सुधा से 10 बजे तक दो घंटे पेन डाउन हड़ताल की। इससे अरपताल में मरीजों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। रेजीडेंट डॉक्टर्स का कहना है कि जब तक मांगे नहीं मानी जाएगी तब तक ये दो घंटे को हड़ताल अनिश्चितकाल तक जारी रहेगी। इस बोध जार्ड के पदाधिकारियों ने मामले को लेकर चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार से भी मंगलवार की मुलाकात की और उन्हें मांगों का ज्ञापन सौंपा।दोनों चिकित्सक संगठनों का कहना है कि लापरवाही के कारण चिकित्सक की मौत हुई, लेकिन अभी तक कॉलेज प्रशासन और सरकार दोषियों पर कार्रवाई नहीं कर पाई। वहीं दूसरी ओर राजस्थान के मेडिकल

- **उदयपुर में रेजिडेंट डॉ. रवि शमी की करंट से मौत मामला**
- **चिकित्सा शिक्षा सचिव को ज्ञापन भी सौंपा**

टीचर्स ने जोधपुर में डॉ. राकेश विश्नोई आत्महत्या प्रकरण में डॉ. राजकुमार राठौड़ को एपीओ किए जाने का विरोध शुरू कर दिया है।

तस्मान मेडिकल कॉलेज टीचर्स एवंसिएशन एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर की एक बैठक मंगलवार को आयोजित हुई। बैठक में डॉ. राठौड़ को बिना किसी जांच के एपीओ करने पर घोर विरोध जताया है। अध्यक्ष डॉ. धीरत जैफ ने बताया कि सरकार से मांग की गई है कि उनके पूर्व पद पर ससम्मान पुर्नस्थापित किया जाए।

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की मुंबई में मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात हुई। इस दौरान विभिन्न मुद्दों पर उनसे राज्यपाल का संवाद भी हुआ। राज्यपाल बागडे और मुख्यमंत्री फडणवीस की यह शिष्टाचार भेंट थी।

'आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत पर 50 करोड़ रु. व्यय होंगे, कार्यकर्ताओं का मानदेय भी बढ़ेगा'

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में आज सचिवालय में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला अधिकारियों और निदेशालयों की मौजूदगी में विभाग की विभिन्न योजनाओं और बजट घोषणाओं की प्रगति पर गहन चर्चा की गई।

- **आंगनबाड़ी में पोषण आहार में दूध की मात्रा भी बढ़ायेगी राज्य सरकार**

बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 10 प्रतिशत वृद्धि, पोषण आहार में दूध की मात्रा बढ़ाने, और आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपये व्यय करने जैसे महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर निर्णय लिए गए। 3688 भवनों की मरम्मत के लिए समग्र शिक्षा अभियान से समन्वय का सुझाव भी दिया गया।

उपमुख्यमंत्री एवं महिला बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने सचिवालय में विभागीय समीक्षा बैठक ली।

उप मुख्यमंत्री ने 'अमृत आहार योजना' के अंतर्गत सप्ताह में 5 दिन वितरित किये जा रहें दूध को सैम बच्चों को मात्रा बढ़ाकर वितरित किये जाने पर आवश्यक निर्देश दिए। राज्य द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में किए गए उल्लेखनीय प्रदर्शन की भी सराहना की गई। जिसमें राजस्थान अव्वल नंबर पर आया है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभागीय कार्यक्रमों की सार्वजनिक जागरूकता के लिए मीडिया और सोशल मीडिया पर नियमित प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि "अच्छे कामों को सिर्फ कागज़ों में नहीं, जनता तक भी पहुँचना चाहिए।"

पोषण ट्रैकर,आंगनबाड़ी केंद्र, हाई-प्रोफाइल आंगनबाड़ी, सखी केंद्र, उड़ान योजना, नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, कौशल सामर्थ्य योजना, और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना जैसे कार्यक्रमों की भी गहन समीक्षा की गई।

80 करोड़ की लागत से बनेगा प्रदेश कांग्रेस भवन

जयपुर। मानसरोवर के शिप्रा पथ पर करीब 6000 वर्ग जमीन पर बनने वाले राजस्थान कांग्रेस के बहुमंजिला भवन ,जो आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा, का निर्माण कार्य आगामी जुलाई माह के पहले सप्ताह में शुरू हो सकता है।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रभारी महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा के साथ कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन से दिल्ली में मुलाकात की थी। इसके साथ ही इसे लेकर फैसला हुआ है। यही कारण है कि 3 जुलाई को जयपुर में भवन निर्माण समिति की बैठक प्रस्तावित है। एआईसीसी से स्वीकृति के बाद भवन निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। हाल ही में भवन निर्माण को लेकर प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अध्यक्ष अजय माकन से भी मिले थे। भवन निर्माण के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में अलग अलग बैंक खाते भी खोले गए हैं, जिसमें तमाम

- **निर्माण कार्य आगामी जुलाई माह के पहले सप्ताह में शुरू होगा**

सहयोग राशि एकत्रित की जा रही है। भवन निर्माण का पूरा काम एआईसीसी की देखरेख में ही पूरा होगा।

प्रदेश कांग्रेस के नए भवन के लिए गहलोत सरकार में मानसरोवर की शिप्रापथ के पास 6000 वर्ग गज जमीन खरीदी गई थी। 23 सितंबर 2023 को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शिलान्यास किया था। प्रदेश कांग्रेस का नया भवन चार मंजिला होगा, जिसकी लागत 80 करोड़ रुपए से ज्यादा बताई गई है। इस भवन में गाड़ियों के लिए अंडरग्राउंड पार्किंग, कैंटीन, कॉन्फ्रेंस हॉल, जिम और स्विमिंग पूल जैसी सुविधाएं भी होंगी। आधुनिक सुविधाओं से लैस कमरे बनाए जाएंगे। यही नहीं, कांग्रेस के अग्रिम संगठनों महिला कांग्रेस युवा कांग्रेस और सेवादल सहित विभिन्न विभाग प्रकोष्ठों को भी इसी भवन में अलग-अलग दफ्तर दिए जाएंगे।

मदन राठौड ने पुण्यतिथि पर की पुष्पांजलि अर्पित

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने मंगलवार को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. मदनलाल सैनी की पुण्यतिथि पर भाजपा प्रदेश मुख्यालय में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। राठौड ने सैनी के कार्यों और उनके द्वारा पार्टी व समाज की भलाई के लिए प्रदर्शित अदम्य ऊर्जा की भूरि भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि स्व. सैनी ने न केवल अपने समर्पित नेतृत्व से पार्टी को सशक्त किया, बल्कि कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर एक ऐसे वैश्विक वटवृक्ष को पोषित किया, जिसकी शाखाएँ आज भी न सिर्फ मजबूती से फैली हुई हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनी हुई हैं। राठौड़ ने सभी को उनके पदचिन्हों पर चलने की प्रेरणा देकर कार्य के प्रति निष्ठा और ईमानदारी का संदेश दिया।

इस मौके पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, नाहर सिंह जोधा, भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, अजीत मांडण, पूर्व भाजपा प्रदेश महामंत्री जगवीर छाबा, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सहप्रभारी भवानी शंकर शर्मा, रजनीश चनाना, तथा अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भूखंड बुक करने के बाद आवंटन करने से इनकार, कोर्ट ने मामला दर्ज करने के दिए आदेश

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-10 महानगर प्रथम ने भूखंड बुक करने के बाद उसका आवंटन नहीं करने के मामले में यूबी बिल्डर के अजयपाल सिंह, ड्रीम प्लस के सुरेन्द्र सहित अन्य के खिलाफ मानसरोवर थाना पुलिस को मामला दर्ज करने के आदेश दिए हैं। पीठासीन अधिकारी मनीष शर्मा ने यह आदेश पुलिस निरीक्षक गायत्री अलवरिया के परिवाद पर दिए।

परिवाद में अधिवक्ता बाबूलाल बैरवा ने अदालत को बताया कि परिवादी ने जून, 2024 में बगरू टोल प्लाजा के पास आरोपी बिल्डर की यूनिक सिटी एक्सटेंशन में 22950 रुपए प्रति वर्गगज में दो प्लॉट बुक कराए थे। जिसका भुगतान अजयपाल सिंह के खाते में किया गया। आरोपियों ने रेरा रजिस्ट्रेशन के बाद शेष राशि अदा कर विक्रय पत्र पंजीयन कराने के लिए कहा। परिवाद में कहा गया कि रेरा रजिस्ट्रेशन होने के बाद जब परिवादी ने बिल्डर से विक्रय पत्र देने के लिए कहा, लेकिन बिल्डर ने बुकिंग के समय तय की गई

- **भूखंड बुक करने के बाद उसका आवंटन नहीं करने के मामले में यूबी बिल्डर के अजयपाल सिंह, ड्रीम प्लस के सुरेन्द्र सहित अन्य के खिलाफ मानसरोवर पुलिस को मामला दर्ज करने के आदेश दिए**

राशि में प्लॉट देने से इनकार कर दिया। जब परिवादी ने इसका विरोध किया तो बिल्डर ने प्रति वर्ग गज 35 हजार रुपए की मांग की। परिवाद में कहा गया कि अपने साथ हुई ठगी को लेकर वह मानसरोवर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने गई, लेकिन आरोपियों की पहुंच होने के कारण पुलिस ने भी मामला दर्ज नहीं किया। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच के आदेश दिए हैं।

साले ने की थी जीजा की हत्या

जयपुर। जयसिंहपुरा इलाके में प्रेम विवाह से नाराज साले ने दिनदहाड़े पत्थर से सिर कुचलकर अपने जीजा की हत्या कर दी। ऑनर किलिंग के मामले में पुलिस ने मृतक गोविंद प्रजापत (27) के साले समेत तीन आरोपियों को डिटेन किया है। गोविंद ने आरोपी युवक की बहन से लव मैरिज की थी। इससे आरोपी गुस्सा था। इसके चलते उसने प्लानिंग बनाकर गोविंद की पत्थर से सिर कुचल कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि गोविंद ने पायल सैनी से लव मैरिज की थी। युवती के परिजन इस रिश्ते से नाराज थे। गोविंद को जान से मारने की धमकी भी दे चुके थे। 21 जून को सुबह करीब 10 बजे गोविंद काम पर जा रहा था। पशु हटवाड़ा चौकी के पास पायल के परिवार के लोगों ने उस पर हमला कर दिया। सिर पर पत्थर मारकर हत्या कर दी। गंभीर हालत में गोविंद को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोविंद के परिवार ने रिपोर्ट में हनुमान राम, अजय और अन्य पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।गोविंद के पिता मनसुख ने बताया कि डेढ़ साल पहले इकलौते बेटे गोविंद ने पायल सैनी से लव मैरिज की थी।

सामान्य से कम अंक लाने वाले ओबीसी अभ्यर्थी को भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने चिकित्सा अधिकारी भर्ती-2024 में ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थी के सामान्य वर्ग की कट ऑफ से अधिक अंक आने के बावजूद उसे चयन प्रक्रिया से बाहर करने के मामले में प्रमुख चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक और आयूएचएस से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को चयन प्रक्रिया में शामिल करने को कहा है। जस्टिस आशुतोष कुमार की की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश नेहा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने अदालत को बताया कि आरयूएचएस ने 9 सितंबर 2024 को चिकित्सा अधिकारी के 1220 पदों पर भर्ती निकाली थी। वहीं बाद में पदों की संख्या 1700 कर दी गई। भर्ती परीक्षा 27 अप्रैल 2025 को हुई और इसमें याचिकाकर्ता ने ओबीसी वर्ग में हिस्सा लिया। इसके बाद आरयूएचएस ने दस्तावेज सत्यापन व पात्रता लिस्ट जारी की। इस सूची में याचिकाकर्ता का नाम

- **हाईकोर्ट ने चिकित्सा अधिकारी भर्ती-2024 मामले में आयूएचएस से जवाब तलब किया**

नहीं था, जबकि उसके सामान्य वर्ग की कट ऑफ से अधिक अंक थे। इसे चुनौती देते हुए कहा कि सामान्य वर्ग से अधिक अंक प्राप्त करने वाले आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी को चयन प्रक्रिया से बाहर नहीं किया जा सकता और उसे चयन प्रक्रिया के अलग चरण में बुलाया जाना जरूरी है। याचिकाकर्ता के सामान्य वर्ग से अधिक अंक आए हैं। ऐसे में उसे आरक्षण का अधिकार होने के बावजूद चयन प्रक्रिया से बाहर किया गया है। उसे दस्तावेज सत्यापन व पात्रता जांच के लिए नहीं बुलाना संविधान के प्रावधानों के विपरीत है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित पक्षकारों से जवाब तलब करते हुए याचिकाकर्ता को चयन प्रक्रिया में शामिल करने को कहा है।

देवनानी ने बर्लिन में निर्माणाधीन गणेश मंदिर का दौरा किया

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को जर्मनी यात्रा के दौरान बर्लिन में निर्माणाधीन गणेश मंदिर का अवलोकन किया। देवनानी ने बर्लिन में बन रहे मंदिर पर प्रसन्नता जाहिर की। देवनानी ने मंदिर में स्थापित प्रतिमाओं के दर्शन किए और पूजा अर्चना कर देश और प्रदेश की खुशी की कामना की। देवनानी ने मंदिर परिसर का अवलोकन किया। मंदिर में स्थापित होने वाली मूर्तियां और अन्य निर्माण की भी देवनानी ने जानकारी ली।

देवनानी ने मंदिर के ट्रस्टी श्री विल्वनाथन कृष्णामूर्ति से मंदिर निर्माण के बारे में चर्चा की। देवनानी को मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी ने बताया कि बर्लिन में श्री गणेश मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। मंदिर की स्थापना सन 2006 में की गई थी।

बर्लिन में सनातन परंपरा के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। यह मंदिर पूजा, विवाह समारोह, गृह प्रवेश और अन्य आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए स्थान भी उपलब्ध कराएगा। देवनानी को बताया कि यह मंदिर जर्मनी का सबसे बड़ा मंदिर होने का गौरव रखता है।

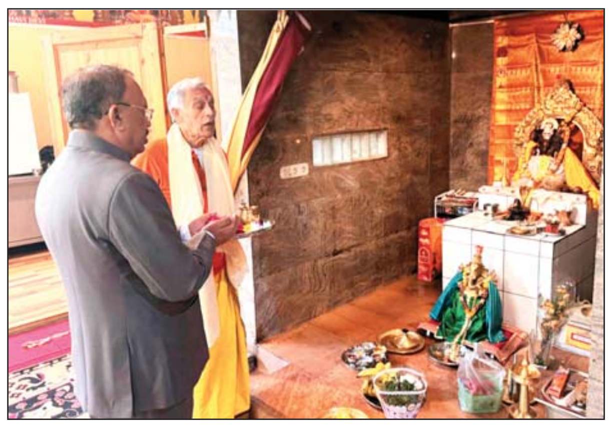

देवनानी ने मंदिर परिसर में प्रतिमाओं के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

मंदिर का निर्माण 2005 में शुरू हुआ था और 2023 में इसका निर्माण पूर्ण होनेकी उम्मीद है। मंदिर का निर्माण सनातन, आध्यात्मिक, पारंपरिक, वैदिक और आगम शास्त्रों के अनुसार किया गया है। यह भारतीय संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करता है।

मंदिर ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने श्री देवनानी को बताया कि मंदिर का निर्माण श्री विल्वनाथन कृष्णमूर्ति के प्रयासों का परिणाम है, जिन्होंने 50 साल पहले बर्लिन में आकर मंदिर बनाने का सपना देखा था। दी क्विट मंदिर का निर्माण पूरी तरह से जन सहयोग से किया गया है। इसमें किसी भी सरकारी सहायता का उपयोग नहीं किया गया है।यह ऐतिहासिक मंदिर पारंपरिक वैदिक एवं आगम शास्त्रों के अनुसार निर्मित किया जा रहा है। यह मंदिर न केवल आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए एक पवित्र स्थल है, बल्कि यह जर्मनी में बसे भारतीय एवं विशेष रूप से तमिल मूल के लोगो के लिए एक जीवंत सांस्कृतिक केंद्र भी बन गया है।

- **मंदिर ट्रस्ट प्रतिनिधियो से देवनानी का हुआ संवाद**

देवनानी ने मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना की एवं मंदिर की स्थापत्य कला तथा अन्य गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा किए जा रहे सांस्कृतिक व सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा, "यह मंदिर भारत की सनातन संस्कृति, अध्यात्म और आस्था का अद्भुत प्रतीक है।

यह जर्मनी की धरती पर भारतीय मूल्यों की एक सजीव उपस्थिति है।" उन्होंने कहा कि यह मंदिर भारत और जर्मनी के बीच सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने मंदिर निर्माण में लगे सभी कार्यकर्ताओं एवं सहयोग करने वाले लोगों को शुभकामनाएँ दीं।

मृतक आश्रितों व सेवानिवृतों को मिलेगी पेंशन

जयपुर। प्रदेश की पिछली गहलोत सरकार के द्वारा निगमों/बोर्डों में जीपीएफ लिंक्ड पेंशन स्कीम पेंशन लागू किये जाने के निर्णय के बाद जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज (जेसीटीएसएल) में भी जेसीटीएसएल एम्पलाईज-एटक की मांग पर राजस्थान सिविल सर्विसेज (पेंशन) रूल्स,1996 के अनुसार इसे 1 जून 2023 को जीपीएफ लिंक्ड पेंशन स्कीम लागू की गई थी। यूनियन के अध्यक्ष विपिन ने बताया कि उसके बाद से ही यूनियन लगातार मृत कार्मिकों के आश्रितों एवं सेवानिवृत कार्मिकों को पेंशन शुरू करने की मांग कर रही है। परंतु जेसीटीएसएल में पेंशन भुगतान अधिकारी, पेंशन स्वीकृत अधिकारी एवं पेंशन अधिकृत अधिकारी की जिम्मेदारी तय नहीं होने के कारण पेंशन शुरू नहीं हो पा रही थी। इसी माह 18 जून 2025 को जेसीटीएसएल एम्पलाईज यूनियन-एटक एवं प्रबंधन के बीच इस संबंध में सकारात्मक वार्तालाप हुई थी। मंगलवार को जेसीटीएसएल द्वारा इस संबंध में आदेश जारी करने के बाद पिछले 2 साल से पेंशन का इंतज़ार कर रहे मृत कार्मिकों के आश्रितों एवं सेवानिवृत कार्मिकों को पेंशन शुरू होने की उम्मीद जगी है।

जयपुर में हुई सप्त शक्ति कमांड फॉर्मेशन कमांडर्स कॉन्फ्रेंस

जयपुर। राजधानी जयपुर में सप्त शक्ति कमांड फॉर्मेशन कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन 23 व 24 जून को हुआ। सप्त शक्ति कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता की।

इस दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस के दौरान वर्तमान सुरक्षा स्थिति तथा सामरिक और तकनीकी क्षेत्रों में इसके विभिन्न प्रभावों की समीक्षा करते हुए भावी दिशा और बेहतर ऑपरेशनल तैयारियों पर विचार किया गया। कॉन्फ्रेंस में

- **इस कॉफ्रेंस में वर्तमान सुरक्षा स्थिति, सामरिक व तकनीकी क्षेत्रों में इसके विभिन्न प्रभावों की समीक्षा की गई। साथ ही भावी दिशा और बेहतर ऑपरेशनल तैयारियों पर भी विचार किया**

आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने जयपुर में सप्त शक्ति कमांड फॉर्मेशन कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने, आधुनिकीकरण, साइबर सुरक्षा तथा क्षमता एवं दक्षता विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष बल दिया गया। ऑपरेशनल तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए तकनीक आधारित समाधान और उपकरणों एवं तकनीकों के उपयोग में इनोवेटिव एप्रोच अपनाने पर बल दिया। सभी फॉर्मेशन्स को अपनी ऑपरेशनल तैयारियों में अधिक सक्रियता के लिए प्रेरित किया।

आर्मी कमांडर ने सभी रैंकों और फॉर्मेशन्स द्वारा ऑपरेशन सिंदूर में किए गए सफल, निर्णायक एवं उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की। साथ ही उन्होंने फॉर्मेशन्स को ऑपरेशनल दक्षता में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपने प्रयासों को इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

दिनदहाड़े शराब कारोबारी की गोली मारकर हत्या, हमलावर फरार

वारदात के बाद हमलावरों ने सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल किया

मृतक का फाइल फोटो।

- वीडियो में वारदात को स्वीकारते हुए कई अन्य लोगों को भी जान से मारने की धमकी दी
- बानसूर की इस घटना के वीडियो वायरल होने के बाद लोगों को उदयपुर में हुए कन्हैयालाल हत्याकांड की याद दिला दी

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के बानसूर कस्बे के बायपास पर में दिनदहाड़े एक शराब कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। अचानक हुए इस घटनाक्रम से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वहीं पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में नाकाबंदी करवाई है। वारदात के बाद हमलावरों ने सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल किया, जिसमें वह वारदात को स्वीकारते हुए कई अन्य लोगों को भी जान से मारने की धमकी दे रहा है।

पुलिस ने बताया कि मृतक युवक की पहचान बालावास गांव सुनील उर्फ टुल्ली के रूप में हुई है। वह क्षेत्र में एक शराब ठेके का संचालन करता था। जानकारी के अनुसार बायपास पर वह टेलर की दुकान पर कपड़े लेने आया था। इसी दौरान वहां तीन बाइक पर आए हमलावरों ने अचानक फायरिंग कर दी। वारदात के बाद घायल सुनील को तुरन्त जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार सुनील शराब ठेके का संचालन करता था। जिसके चलते उसकी कई लोगों से रंजिश थी। उस पर पहले भी दो बार फायरिंग हो चुकी थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वारदात के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। लगभग दो मिनट के वायरल वीडियो में एक व्यक्ति कार में बैठा नजर आ रहा है। इस व्यक्ति की पहचान कृष्ण यादव उर्फ पहलवान के रूप में की गई है। वह कह रहा है बानसूर में जो आज गोलीकांड हुआ है, वो हमने कराया है। वह हमारे विरुद्ध था और जो भी हमारा विरोध करेगा उन सबको मारेंगे। वह बोल रहा है कि मरने वाले से हमारी पर्सनल लड़ाई थी, जो बार पहले गोली मारी थी और अब की बार मार ही दिया है। इसके अलावा वह कह रहा है किसी को दिक्कत हो तो वह मैसेज कर दें। हम उसे भी मार देंगे। एक को भी नहीं छोड़ेंगे। वीडियो में वह काफी अपशब्दों का प्रयोग कर रहा है।

बानसूर की इस घटना के वीडियो वायरल होने के बाद लोगों को राजस्थान के उदयपुर में हुए कन्हैयालाल हत्याकांड की याद दिला दी। जून, 2022 में उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल का गला रेत कर आरोपियों ने वीडियो वायरल किया था। बाद में आरोपियों का गिरफ्तार कर लिया गया था।

पांच हजार की रिश्वत लेते ग्राम विकास अधिकारी को पकड़ा

प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि खाते में डलवाने के लिए रिश्वत ली

- आरएएस प्री.परीक्षा पास होने के बाद मेन का एग्जाम दिया था, एक माह बाद परिवीक्षा काल खत्म हो रहा था

डूंगरपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टीम ने मंगलवार को ग्राम पंचायत वागदरी में कार्रवाई करते हुए सचिव को पांच हजार की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है।

ग्राम विकास अधिकारी (सचिव) रीतिक पटेल ने प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृत राशि खाते में डलवाने के लिए रुपये मांगे थे। इसके लिए 15 हजार की रिश्वत मांगी गई थी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कार्यालय डूंगरपुर की ओर से ग्राम विकास अधिकारी वागदरी के रितिक पटेल को पांच हजार की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। एसीबी के प्रभारी अधिकारी रतनसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में कार्रवाई की गई।

पुलिस निरीक्षक राजेंद्रसिंह ने बताया कि परिवादी भेरा डामोर ग्राम पंचायत वागदरी का रहने वाला था। उसके प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम आया था। इसके बाद परिवादी को पहली किश्त के रुप में खाते में 15 हजार रुपए भी आए थे। इसके बाद उसकी दूसरी और तीसरी किश्त के लिए ग्राम विकास अधिकारी रितिक पटेल ने रिश्वत की मांग की थी। इसके लिए रिश्वत की राशि 15 हजार तय की गई थी। जिसमें पांच हजार एडवांस और 10 हजार की राशि दूसरी और तीसरी किश्त आने के बाद तय की गई थी। इस पर परिवादी ने एसीबी में शिकायत की थी। एसीबी की टीम ने रणनीति के तहत तय नियमों के अनुसार वागदरी ग्राम पंचायत में पहुंची, जहां पर ग्राम विकास अधिकारी रितीक पटेल पांच हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

एसीबी ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए रिश्वत की राशि भी रितीक पटेल से प्राप्त कर ली। भ्रष्टाचारी रितिक पटेल की नियुक्ति वर्ष 2023 में हुई थी। उसके एक माह बाद परिवीक्षा काल पूर्ण होने वाला था। प्रोबेशन काल में ही रिश्वत लेते हुए पकडा गया। मूलतः बिछीवाडा पंचायत समिति के ओडा छोटा गांव का रहने वाला है। उसने आरएएस प्री. परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी। इसी माह आरएएस मुख्य परीक्षा दी थी।

कपड़े की बंद दुकान में आग लगी

श्रीमाधोपुर, (निसं)। शहर के सुराणी बाजार में स्थित एक बंद कपड़े की दुकान में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि दुकान में रखी एलईडी के अचानक फटने से आग भड़की, जिससे आसपास रखे कपड़े और साड़ियां जलकर राख हो गई। अलसुबह आगजनी की यह घटना उस समय सामने आई जब एक राहगीर ने दुकान से धुआं निकलता देखा और तुरंत दुकान मालिक को सूचना दी। मालिक मौके पर दौड़ते हुए पहुंचा और दुकान का शटर खोलते ही अंदर घना धुआं फैला हुआ मिला। एलईडी पूरी तरह जली हुई थी और उसके आसपास रखे कई कपड़े अधजले मिले। तत्काल पानी डालकर आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

करंट से डॉ. रवि शर्मा की मौत का मामला: मानवाधिकार आयोग ने नोटिस जारी किया

कॉलेज प्रशासन ने चीफ वार्डन सहित तीन कर्मचारियों को पद से हटाया

उदयपुर, (कासं.)। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के पीजी हॉस्टल में रेजिडेंट डॉक्टर रवि शर्मा की मौत मामले में कॉलेज प्रशासन ने चीफ वार्डन सहित तीन कर्मचारियों को पद से हटा दिया है, लेकिन रेजिडेंट डॉक्टरों का आक्रोश कम नहीं हुआ है। उनका कहना है कि यह मात्र प्रशासनिक खानापूर्ति है और निलंबन जैसी ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है। वहीं घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए राजस्थान मानवाधिकार आयोग ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। आयोग ने आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल, एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर के प्रिंसिपल, उदयपुर जिला कलेक्टर नमित मेहता, एसपी योगेश गोयल और राजस्थान मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार को नोटिस जारी कर तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। अब ये सभी अधिकारी आयोग को पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी देंगे।

प्रकरण को लेकर कॉलेज प्राचार्य डॉ. विपिन माथुर ने सोमवार देर रात आदेश जारी कर हॉस्टल चीफ वार्डन नरेंद्र बंसल, वरिष्ठ सहायक हीरालाल पालीवाल और कर्मचारी वीरेंद्र को उनके पदों से हटाते हुए प्रशासन भवन में उपस्थिति देने का निर्देश दियाद्ध लेकिन रेजिडेंट्स का आरोप है कि इतनी गंभीर घटना के बाद भी ये सिर्फ पोस्टिंग बदलना मात्र है न कि कोई दंडात्मक कार्रवाई। रेजिडेंट्स की हड़ताल मंगलवार को छठे दिन में प्रवेश कर गई है। इस दौरान उन्होंने कॉलेज परिसर में शोक सभा का आयोजन किया, जिसमें डॉ.रवि शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रेजिडेंट यूनियन के संयुक्त सचिव डॉ. आशीष महंत के अनुसार प्रशासन ने अब तक अपनी गलती स्वीकार नहीं की। रवि की मौत सिर्फ हादसा नहीं सिस्टम की विफलता है। शोक सभा के बाद रेजिडेंट्स ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर पूरे घटनाक्रम को जन सामान्य के सामने लाने का प्रयास किया। इसके साथ ही उन्होंने भूख हड़ताल शुरू करने की भी घोषणा की है।

महिला से दुष्कर्म

जोधपुर, (कासं)। बालोतरा से जोधपुर आ रही महिला से नजदीकी रिश्तेदार द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि उसके नजदीकी रिश्तेदार द्वारा कार में नशीला पदार्थ पिलाया गया, फिर कार में दुष्कर्म किया गया।

पीड़िता के साथ घटना तकरीबन डेढ़ महिने पहले हुई। जिस पर महिला कल पुलिस थाने पहुंची और केस दर्ज करवाया। उसका मेडिकल करवाए जाने के साथ बयान लिए गए। आरोपी समधि परिवार से बताया जाता है। पुलिस निरीक्षक ने बताया कि एक महिला ने रिपोर्ट दी है। उसका कहना है कि वह मई महिने में अपने एक नजदीकी रिश्तेदार के साथ बालोतरा से जोधपुर आ रही थी। तब रिश्तेदार द्वारा चलती कार में उससे दुष्कर्म किया गया। उसे नशीला पदार्थ पिलाया गया था।

सड़क हादसे में महिला व अधेड़ की मौत

पावटा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 स्थित ग्राम आंतेला व भाबरू में मंगलवार को तेज रफ्तार वाहनों ने सड़क पार कर रही महिला व अधेड़ व्यक्ति को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला व अधेड़ व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। आंतेला सड़क हादसे में मृतका की पहचान 60 वर्षीय सूरजी देवी निवासी आंतेला केरली के रूप में हुई है। वहीं भाबरू सड़क हादसे में मृतक की पहचान 50 वर्षीय गुल्लू खान निवासी भाबरू के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार सूरजी देवी निवासी आंतेला केरली सुबह करीब नौ बजे सड़क पार कर निहार के लिए जा रही थी। तभी एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

इधर आंतेला केरली मोड पर एक तेज गति वाहन ने सड़क पार कर रहे राहगीर गुल्लू खान ज्यो कि एक होटल से सड़क पार कर अपने घर लौट रहा था उसे टक्कर मार दी जहां मौके पर ही उसकी मौत हो गई। दोनों शवों को भाबरू थाना पुलिस ने उपजिला अस्पताल पावटा में रखवाया, जहां परिजनों की उपस्थिति में उनका पोस्टमार्टम करवाकर शवों को परिजनों के सुपुर्द किया।

चार लाख की स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

सीमलिया पुलिस टीम ने स्मैक सहित आरोपी को पकड़ा।

कोटा, (निसं)। सीमलिया पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 20 ग्राम स्मैक सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई स्मैक का अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब चार लाख रूपये है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी एवं तस्करों की धरपकड़ के लिये पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाये जा रहे हैं। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस उप अधीक्षक राजेश ढाका के सुपरविजन में सीमलिया थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी सुरेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम का गठन कर अवैध मादक पदार्थ तस्करी एवं लिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया हुआ था। ग्रामीण एसपी ने बताया कि सीमलिया थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी सुरेश कुमार शर्मा मय जाब्ता इलाके में गश्त के दौरान सीमलिया बायपास गुरूद्वारे के पास पहुंचे तो एक व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिस पर संदेह होने पर पुलिस टीम ने घेरकर डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 20 ग्राम स्मैक बरामद की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए सीमलिया निवासी बृजमोहन उर्फ बिरजू (40) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी से स्मैक की खरीद-फरोख्त के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है।

मंत्री दिलावर की रिपोर्ट पर बीडीओ शाजिया और एईएन पूनिया निलंबित

- दो महीने पहले शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जब बीकानेर आए तो उन्होंने नौरंगदेसर समेत कई गांव में स्वच्छता निरीक्षक किया था
- इस दौरान ग्रामीणों ने एकजुट होकर सफाई न होने की शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से शिकायत की थी

बीकानेर, (निसं)। करीब दो महीने पहले यहां आए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की रिपोर्ट पर जिले की चर्चित बीडीओ और एक सहायक अभियंता को निलंबित कर दिया गया है। आदेश शासन सचिव जोगाराम ने जारी किए।

जानकारी के अनुसार दो महीने पहले शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जब बीकानेर आए तो उन्होंने नौरंगदेसर समेत कई गांव में स्वच्छता निरीक्षक किया था। ग्रामीणों ने एकजुट होकर सफाई न होने की मंत्री से शिकायत की थी। यह वही प्रकरण है जिसमें सरपंच को भी निलंबित किया जा चुका है, लेकिन बीडीओ शाजिया तबस्सुम को बचाने की कोशिश हो रही थी। सरकार कांग्रेस की रही हो या भाजपा की मगर शाजिया तबस्सुम हमेशा राजनीतिक संरक्षण में ही रही है। वे लंबे समय तक बीकानेर में ही पद स्थापित रही है। बीकानेर पंचायत समिति के सहायक अभियंता मनीष पूनिया पर भी ग्रामीण क्षेत्र में सफाई न करने का आरोप था। मंत्री दिलावर के एक्शन के बाद सरपंच को तो निलंबित कर दिया लेकिन सरकारी अधिकारियों को बचाने की कोशिश हो रही थी, मगर मंत्री की रिपोर्ट के आधार पर इन दोनों को निलंबित कर दिया गया।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल ने बताया कि इन दोनों के पदों का चार्ज दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से जिला परिषद में शिकायतों का अंबार बीकानेर से लेकर सरकार तक पहुंचा है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई पर एक कैबिनेट मंत्री की रिपोर्ट के आधार पर सरकार को एक्शन लेना पड़ा।

महिला की मौत, चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप

- महिला मरीज के परिजनों ने हंगामा किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित एक हॉस्पिटल में चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए एक महिला मरीज के परिजनों ने हंगामा खड़ा कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। समझाइश के प्रयास शुरू किये, देर रात समझौता नहीं होने पर वाल्मीकि समाज का प्रदर्शन मंगलवार को सवेरे भी जारी रहा।

जानकारी के अनुसार सीमा देवी (27) पत्नी बनवारीलाल निवासी सांगानेर को प्रेगनेंसी के चलते दर्द होने पर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। परिजनों का आरोप है कि डिलीवरी के दौरान इलाज में लापरवाही के चलते उसकी मौत हो गई। लापरवाही का आरोप लगाकर परिजनों ने अस्पताल में हंगामा खड़ा कर दिया। हंगामे की सूचना पर सुभाष नगर थाना अधिकारी शिवराज गुर्जर जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और समझाइश के प्रयास शुरू किये। लेकिन देर रात तक भी समझौता नहीं बन पाया। जिसके चलते विरोध मंगलवार को सवेरे फिर शुरू हुआ, जिसे पुलिस और हॉस्पिटल प्रबंधन ने समझाइश कर शांत करवाया।

खदान में डूबने से बालक की मौत

भीलवाड़ा/रायला, (निसं)। लांबिया खुर्द पंचायत के गांव में खदान में डूबने से एक बालक की मौत हो गई। बालक सुबह बकरियां चराने गया था। इस दौरान माल का खेड़ा के पास एक खदान में डूबने से मौत हो गई। मृतक कालू लाल (14) पिता नंदराम बैरवा निवासी लांबिया खुर्द एक दो साथी के साथ पास में खदान में नहाने उतरे थे। उसी दौरान पैर फिसलने के कारण खदान गहरी होने के कारण अंदर डूब गया, जिससे आसपास के ग्रामीण व परिजनों और पुलिस द्वारा खदान में उतरकर उसे बाहर निकाला गया और बनेड़ा सीएचसी पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया।

सगाई से नाराज कोरियोग्राफर ने प्रेमिका की हत्या कर खुद की हाथ की नसें काटी

हत्या के 12-14 घंटे बाद मंगलवार सुबह कमरे में सफाई वाला पहुंचा तो खुलासा हुआ

- प्रेमी युवक ने युवती का सिर दीवार पर मारा, दीवार से टकराने से युवती के सिर में चोट लगी और मौत हो गई
- घटना के बाद युवक युवती की लाश को कमरे में छोड़कर होटल से भाग गया और हॉस्पिटल में जाकर भर्ती हो गया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के हिरणमगरी इलाके में इंस्टाग्राम पर शुरू हुई प्रेम कहानी का मंगलवार को दुखद अंत हुआ है। प्रेमिका की सगाई से नाराज प्रेमी युवक ने युवती को परशुराम चौराहा स्थित होटल में मिलने बुलाया। होटल के कमरे में दोनों के बीच कहासुनी हुई तो प्रेमी युवक ने युवती का सिर दीवार पर मारा। झटके से दीवार से टकराने से युवती के सिर में गहरी चोट लगी और उसकी होटल के कमरे में ही मौत हो गयी। युवती को मरा देख घबराए युवक ने ब्लैड से खुद के हाथ की नस काटकर आत्महत्या का प्रयास किया, लेकिन ब्लैड के कट से हुए दर्द ने उसे मरने नहीं दिया। घटना के बाद युवक युवती की लाश को कमरे में छोड़कर होटल से भाग गया और हॉस्पिटल में जाकर भर्ती हो गया। हत्या के करीब 12-14 घंटे बाद मंगलवार सुबह होटल के कमरे में सफाई वाला पहुंचा तो मामले का खुलासा हुआ।

हत्या की सूचना पर डीएसपी छगन पुरोहित, थानाधिकारी भरत योगी मय जाब्ता परशुराम चौराहा स्थित होटल पहुंचे। एफएसएल टीम बुलाकर कमरे से सैंपल एकत्रित किए गए और युवती की लाश को मोर्चरी शिफ्ट कर परिजनों को सूचना दी गयी। थानाधिकारी भरत योगी ने बताया कि ऋषभदेव हाल हिरणमगरी निवासी निकिता (22) पुत्री ओमप्रकाश त्रिवेदी की मौत हुई है, जबकि सेक्टर 3 निवासी आरोपी युवक विजय भोई (27) पुत्र ओंकार भोई हॉस्पिटल में भर्ती है। युवक ने जब खुद की नस काटने का प्रयास किया तो खून निकलता देख युवक होटल से भागकर उसके परिजनों तक पहुंचा। परिजनों से चोट लगने की बात कहकर झूठ बोला। परिजनों ने उसे हिरणमगरी सेक्टर 3 स्थित निजी हॉस्पिटल में भर्ती करवा दिया। हॉस्पिटल में भर्ती हुए युवक ने किसी को नहीं बताया कि उसकी प्रेमिका की लाश होटल के कमरे में पड़ी है और वह हत्या करके आया है। करीब 12 से 14 घंटे बाद मंगलवार सुबह होटल में सफाई के लिए आए लड़के ने जब दरवाजा हल्का खुला देखा तो उसने आवाज लगायी और जब दरवाजा पूरा खोला तो फर्श पर बिखरा खून और युवती की लाश देखकर उसने तत्काल होटल प्रबंधन को बताया और उसके बाद सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। सीसीटीवी फुटेज और आईडी से पुलिस आरोपी युवक तक पहुंची तो वह हॉस्पिटल में भर्ती मिला।

जानकारी के अनुसार ऋषभदेव निवासी युवती निकिता उदयपुर में प्राइवेट कॉलेज से नर्सिंग कर रही थी और भाई के साथ हिरणमगरी में ही किराए के मकान में रहती थी। इसी बीच उसकी हिरणमगरी के ही विजय भोई से इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती हुई और कहानी प्रेम में तब्दील हो गयी। विजय भोई डांसर है और इवेंट्स में डांस परफोर्म करता है। दोनों अक्सर मिलने लगे तो निकिता के घर वालों को इनकी प्रेम कहानी की भनक लग गयी। परिजनों ने निकिता को समझाया और गांव ऋषभदेव वापस बुला लिया। परिजनों ने निकिता की कहीं और सगाई कर दी।

निकिता ने सगाई के बाद नए रिश्ते को अपना लिया और विजय भोई से दूरी बना ली। यही बात विजय भोई को नागवार गुजरी। सब कुछ ठीक चलता देखकर निकिता के परिजनों ने उसे पढ़ाई पूरी करने के लिए भाई के पास दोबारा ऋषभदेव से उदयपुर शहर भेज दिया। निकिता के उदयपुर आते ही विजय ने एक आखिरी बार निकिता से मिलने की इच्छा जाहिर की और उसे मिलने बुलाया। विजय ने परशुराम चौराहा स्थित एक होटल में कमरा बुक किया और निकिता को साथ लेकर गया, जहां दोनों में कहासुनी हुई।

कार्यालय अधीक्षण एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, सलुम्बर

क्रमांक : एफ()/निविदा/PMKSY 2.0 / 2025-26/220 दिनांक : 16.06.2025

ई निविदा सूचना 03-10/2025-26

पीएमकेएसवाये 2.0 (एनआरएम / उत्पादन मद) परियोजना क्षेत्र के अंतर्गत लसाड़िया (कुल 8 पैकेज) में जलग्रहण विकास कार्य / चारागाह विकास कार्यों के लिए बीड, अनुमानित मूल्य 648.95 लाख रूपये दिनांक 27.06.2025 को सांय 5.00 बजे तक इच्छुक बोलीदाताओं से आमंत्रित की जाती हैं। बोलियों से संबन्धित विस्तृत विवरण राज्य सरकार के पोर्टल (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in) पर देखे जा सकते हैं।

यूबीएन संख्या : WSC2526WSOB00536, WSC2526WSOB00537, WSC2526WSOB00538 WSC2526WSOB00539, WSC2526WSOB00540, WSC2526WSOB00541 WSC2526WSOB00542, WSC2526WSOB00543

अतिरिक्त अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर सलुम्बर

DIPR/C/8380/2025

SE & PM WCDC Zila Parisha Tonk Rajasthan

File No. :- ( )/703 Date :- 19/06/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No. 06 YEAR 2025-26

Bids for (01 Packages) Construction Sunken Pond (Works 29) in Non Arable land PMKSY- 2.0 in Tonk District work [Name(s) of work(s) of Procurement] of estimated value 41,39,846.00 are invited from interested bidders up to 25-06-2025[time], 06.00 PM [date]. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, UBN No. : WSC2526WSOB00594

SE & PM, WCDC, ZILA PARISHAD, TONK

Raj.Samwad/C/25/4841

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबन्ध शाखा) नया पावर हाऊस परिसर, हैवी इडस्ट्रीयल एरीया, जोधपुर- 342003 दूरभाष :- 0291-2742223, फैक्स :- 0291-2746539

ई-निविदा सूचना

33 के.वी. सी.टी. पी.टी. सेट्स विभिन्न रेशियों TN-2063 (UBN JVV2526GLOB00244), एवं 11 के.वी. सी.टी. पी.टी. सेट्स विभिन्न रेशियो TN-2062 (UBN JVV2526GLOB00243) की खरीद हेतु ई–निविदा आंमत्रित की जाती हैं।

अन्य विवरण जैसे निविदा मूल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं।

राज.संवाद/सी/25/4829 अधीक्षण अभियंता (पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबंध)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, बीदासर (चूरू) राज0

E-Mail :nagarpalikabidasar@gmail.com Phone No. : 01560 – 262028

क्रमांक–नपाबी / 2025–26 / 775 दिनांक–19.06.2025

ई–निविदा सूचना सख्यां 02/2025–26

नगरपालिका बीदासर में निम्नलिखित निर्माण कार्यो के लिये नियमों के अन्तर्गत नगर निगम बीकानेर/ नगरपालिका बीदासर में पंजीकृत व अन्य विभागों के 'A' एवं 'AA' श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रकिया से निविदा से कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य दिनांक 20.06.2025 को 17:00 बजे से तथा दिनांक 07.07.2025 समय 18.00 बजे तक ऑनलाईन निविदा जमा करवाई जा सकती है। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eprco.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB Code- DLB2526A2725
UBN NO.- DLB2526SLOB08621

अध्यक्ष नगरपालिका, बीदासर — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका, बीदासर

राज.संवाद/सी/25/4818

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, दूनी (टोंक - राज.)

क्रमांक :- कृ.उ.म.स.दू./मण्डी निविदा/2025-26/89-94 दिनांक :- 19/06/2025

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि कृषि उपज मण्डी समिति, दूनी में वित्तीय वर्ष 2025–26 (दिनांक 01.07.2025 से 30.06.2026 तक) की निम्न सुविधा मदों/अन्य मदों हेतु (क्र.सं. 1 से 8) खुली द्विकर्मी बोली पद्धति के माध्यम से मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 19.06.2025 को सांय 04:00 बजे से दिनांक 26.06.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक विक्रय किये जाऐगें।

क्र. सं.	मदों का नाम	अनु. राशि (लाखों में)	निविदा शुल्क राशि (रु. में)	निविदा प्रतिभूति राशि (रु. में)	निविदा फार्म विक्रय करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा खोले जाने की तिथि एवं समय
1	चौकीदारी व्यवस्था ठेका	9.50	590/–	19000/–	26.06.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक	26.06.2025 को सांय 04:00 बजे तक	27.06.2025 को प्रातः 11:00 बजे
2	जलवाहक व्यवस्था ठेका	4.50	590/–	9000/–			
3	जल आपूर्ति ठेका (टेंकर सप्लाई)	1.50	590/–	3000/–			
4	सफाईकर्मी उपलब्ध करवाने तथा एकत्रित कचरे को ट्रेक्टर –ट्रॉली/डम्पर से उठवाकर मण्डी प्रांगण से बाहर डालने के संयुक्त कार्य का ठेका।	5.00	590/–	10000/–			
5	कम्प्यूटर संबंधी कार्यो हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर(मशीन विथ मैन)	9.50	590/–	19000/–			
6	लेखन मुद्रण कार्यालय	0.20	236/–	400/–			
7	लेखन स्टेशनरी कार्यालय	0.30	236/–	600/–			
8	लेखन मुद्रण व्यापारी	0.50	236/–	1000/–			

UBN No. : DAM2526SSOB00369, DAM2526SSOB00370, DAM2526SSOB00371, DAM2526SSOB00372, DAM2526SSOB00373, DAM2526SSOB00374, DAM2526SSOB00375, DAM2526SSOB00376,

NIB No. :- DAM2526A0211

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in व विभागीय पोर्टल agriculture.rajasthan.gov.in/mandi/ पर भी देखा जा सकता है। सशर्त निविदा स्वीकार नही होगी। वेबसाईट से निविदा प्रपत्र डाउनलोड़ करने पर निविदा प्रपत्र का मूल्य दिनांक 26/06/2025 को दोपहर 12:00 बजे तक कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य होगा एंव निविदा प्रतिभूति राशि के डी.डी./बैंकर्स चैक जो कि सचिव, कृषि उपज मण्डी समिति, दूनी के नाम से देय हो निविदा के साथ निर्धारित दिनांक व समय तक कार्यालय में प्रस्तुत करवायी जानी अनिवार्य होगी, सलंग्न नही किये जाने पर निविदा निरस्त कर दी जावेगी।

प्रशासक कृषि उपज मण्डी समिति, दूनी (टोंक) — सचिव कृषि उपज मण्डी समिति, दूनी (टोंक)

राज.संवाद/सी/25/4843

‘डुप्लीकेट टैग से भुगतान उठाना नहीं होगा मुमकिन’

गौ-पालन विभाग ने अपनी ‘मोबाइल एप’ में किया अपग्रेडेशन

जयपुर । प्रदेश की गौशालाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ अनुदान राशि का भुगतान समय पर मिले इसके लिए गोपालन विभाग ने अपनी ‘एप’ में आमूलचूल परिवर्तन किया है।

इस परिवर्तन के साथ डुप्लीकेट टैग के जरिए भुगतान उठाने की आशंका पूरी तरह से खत्म हो गई है। इस एप में अपडेग्रेडेशन के बाद राज्य सरकार को करीब 29 करोड़ रुपए की राशि की बचत हुई है।

यह बात गोपालन, डेयरी, पशुपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने एक प्रेस वार्ता में कही।

जोराराम कुमावत ने कहा कि तत्कालीन सरकार के समय गौवंश की संख्या अधिक बताकर करोड़ों रुपए का फर्जी भुगतान उठाने का मामला सामने आने पर उसकी जांच करवाई गई। जांच के बाद अकेले जैसलमेर जिले में 28 गौशालाओं को दोषी पाए जाने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट करते हुए वर्ष-2024-25 के दूसरे चरण का भुगतान रोक दिया। इन गौशालाओं की विस्तृत व प्रभावी तरीके से जांच के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को जांच सौंपी गई है। इसके अलावा पिछले कुछ समय से गौवंश के डुप्लीकेट टैग लगाकर उनकी संख्या अधिक दिखाकर भुगतान उठाने के मामले भी गोपालन विभाग ने पकड़े हैं। इस जांच में 49 हजार 314 फर्जी गौवंश का भंडाफोड़ करते हुए संबंधित गौशालाओं की अनुदान राशि रोकी गई है। इससे गोपालन विभाग ने 29 करोड़ 58 लाख 84 हजार रुपए की राशि की बचत की है।

गौपालन, डेयरी, पशुपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को प्रैस कॉफ्रेंस की।

- **सरकार की 29.58 करोड़ रु. की राशि की बचत : मंत्री जोराराम कुमावत**
- **811 करोड़ के लिए भौतिक सत्यापन कराया : मंत्री**

गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि गौशालाओं को समय पर अनुदान राशि का भुगतान हो इसके लिए गोपालन विभाग की एप में अपग्रेडेशन किया गया है। इसके बाद नवंबर, दिसंबर-2024, जनवरी, फरवरी व मार्च-2025 तक के 150 दिन की बकाया करीब 811 करोड़ रुपए की राशि जल्द ही जारी की जाएगी। इसके लिए विभागीय स्तर पर भौतिक सत्यापन का कार्य पूरा कर लिया गया है।

मंत्री कुमावत ने पशुपालकों के लिए चलाई जा रही मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, नस्ल सुधार के लिए गिर गाय में ब्राजील के उन्नत नस्ल के गिर सांड का सीमन लगाने, सैक्स सोर्टेड तकनीक, मोबाइल वेटेनरी वैन, गोपालक क्रेडिट कार्ड योजना की प्रगति के बारे में जानकारी दी।

कुमावत ने कहा कि पशुपालकों को उनके द्वार पर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराए जाने हेतु मेडिकल सेवा-108 की तर्ज पर 1962 मोबाइल वेटेरिनरी सेवाएं प्रारंभ की गई है। 536 मोबाइल वाहनों द्वारा अब तक 48 लाख पशुओं का उपचार कर 11.92 लाख से अधिक पशुपालकों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री मंगला पषु बीमा योजना के तहत 400 करोड़ का व्यय कर गाय, भैंस, भेड-बकरी एवं ऊँट सहित 21 लाख पषुओं का निःशुल्क बीमा किये जाने के लिए ऑनलाईन पंजीकरण 13 दिसम्बर, 2024 से प्रारम्भ कर 8.95 लाख पषुपालकों के 20.30 लाख पशुओं का पंजीकरण किया गया। योजना के तहत अब तक 337134 परिवार के 6.57 लाख पशुओं की निःशुल्क बीमा पॉलिसी जारी की है। 2025-26 के दौरान 42 लाख पशुओं का बीमा निःशुल्क किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गौवंश की चिंता करते हुए दो बार में करीब 25 फीसदी तक प्रति गौवंश की अनुदान राशि में बढोतरी की है। इससे प्रदेश की तीन हजार से ज्यादा गौशालाओं के 13 लाख 80 हजार गौवंश को चारा, पानी इत्यादि उपलब्ध होगा।

मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि नंदियों की उचित देखभाल, चिकित्सा व चारे इत्यादि के प्रभावी क्रिन्यावयन के लिए राजस्थान सरकार संवेदनशील है। इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पंचायत समिति स्तर पर नंदीशाला खोलने के लिए एक करोड़ 57 लाख रुपए देने का प्रावधान किया। इसी का परिणाम है कि 109 नंदीशाला बनाने की स्वीकृति दी गई है, जिनमें से 65 नंदीशालाओं का कार्य प्रगति पर है। इनमें से 10 नंदीशाला का कार्य पूरा होने पर उनमें कुल 4708 नंदियों को आवासित कर दिया गया है। इसके अलावा 34 नंदीशालाओं का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि नंदीशालाओं के विकास कार्यों के लिए 2740 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

जोराराम कुमावत ने कहा कि गौमाता के नाम पर किसी भी तरह का गलत भुगतान उठाने की किसी को भी इजाजत नहीं दी जाएगी। जो भी ऐसा करता पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

दुष्कर्म के आरोपी हैड कांस्टेबल की जमानत मंजूर की हाईकोर्ट ने

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने दुष्कर्म और देहशोषण के आरोपी प्रताप नगर थाने के हैड कांस्टेबल को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए है। ज्ञात रहे कि आरोपी के खिलाफ एक युवती ने जुलाई 2024 में एफआईआर दर्ज करवायी थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे 30 जनवरी 2025 को गिरफ्तार कर लिया था। अब 23 जून को राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ में न्यायाधीश आशुतोष कुमार ने आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए उसे रिहा करने के आदेश दिए है। आरोपी की ओर से अदालत में अधिवक्ता डॉ. विभूतिभूषण शर्मा ने पैरवी की।

डॉ. शर्मा ने बताया कि जुलाई 2024 को दर्ज एफ.आई.आर. में युवती का आरोप था कि आरोपी पुलिस हैड कांस्टेबल सुरेन्द्र शर्मा ने वर्ष 2011 में मुझे कुछ पिलाकर बलात्कार किया और विडियो फोटो बना लिये और 2023 तक मेरा यौन शोषण किया। मेरे जमीन के कागजात और पैसे हड़प लिए। इस मामले में पुलिस ने 30 जनवरी को सुरेन्द्र शर्मा को गिरफ्तार किया था।

अधिवक्ता डॉ. विभूतिभूषण शर्मा का कहना है कि, युवती ने आरोपी को गलत फंसाया है उसने आरोपी से लाखों रूपये हड़पे हैं, जमीन के कागज उसने प्लॉट बिकवाने के लिये दिये थे, जो आरोपी से गुम हो गये थे। इस विषय पर दोनों पक्षों के बीच एक समझौता पत्र मई 2024 में हुआ। आरोपी समझौते के पत्र के अनुसार एक महीने में जमीन के कागज या जमीन की कीमत अदा नहीं कर पाया तो पीडिता ने जुलाई 2024 में बलात्कार और ब्लैकमेलिंग की झूठी एफ.आई.आर. दर्ज करवा दी। मोबाईल की फोरेंसिक जांच रिपोर्ट में कोई फोटो और विडियो बनना नहीं मिला, पुलिस जांच में भी किसी तरह का कोई विडियो या फोटो वायरल होने के तथ्य सामने नहीं आए.. न ही पीडिता से ब्लैकमेलिंग साबित हुई। बल्कि आरोपी के खाते से युवती के खाते में पैसे भेजे जाने का विवरण उपलब्ध है। अधिवक्ता ने अदालत में ददील दी कि, अगर पीड़िता के साथ कोई दुष्कर्म हुआ था तो वह बालिग थी और पूर्व में भी इस संदर्भ में रिपोर्ट दर्ज करवा सकती थी। इसलिए आरोपी की जमानत याचिका मंजूर की जाए। पूरा मामला सुनने के बाद राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ ने आरोपी हैडकांस्टेबल सुरेन्द्र शर्मा की जमानत याचिका मंजूर करते हुए 50 हजार रु. का बॉण्ड पत्र और 25-25 हजार रुपये की दो प्रतिभूतियां जमा करवाने के आदेश दिए।

हृदय प्रत्यारोपण की मिसाल बनीं धोली देवी का सम्मान

जयपुर । एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर के कार्डियक थोरैसिक सर्जरी विभाग द्वारा अंगदान को लेकर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन जेएमए सभागार में किया गया। यह संगोष्ठी हृदय प्रत्यारोपण रिसिपिएंट धोली देवी के सफल ऑपरेशन के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई। धोली देवी, जिनका हृदय प्रत्यारोपण वर्ष 2022 में सफलतापूर्वक किया गया था, अब न केवल स्वास्थ्यपूर्ण जीवन जी रही हैं बल्कि अंगदान के प्रति लोगों को प्रेरित भी कर रही हैं। कार्यक्रम संयोजक एवं कार्डियक ट्रांसप्लांट सर्जन कार्यक्रम में डॉ. रामगोपाल यादव ने कहा कि हमें समाज में अंगदान को लेकर संवाद बढ़ाना होगा। संगोष्ठी में एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, नोडल अधिकारी डॉ. मनीष अग्रवाल, सीटी सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल शर्मा, एडिशनल अधीक्षक डॉ. अजीत सिंह, नर्सिंग अधीक्षक सुरेश मीणा, नर्सिंग इंचार्ज रोशन, डॉ. चित्रा सिंह सहित बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

सार-समाचार

एस.पी.जी. की शैक्षणिक यात्रा संपन्न

जयपुर । सोसायटी फॉर पब्लिक ग्रिवांस (एसपीजी) इंडिया द्वारा छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए आयोजित आठ दिवसीय शैक्षणिक एवं साहसिक यात्रा थाईलैंड में सफलता के साथ सम्पन्न हो गई। प्रतिनिधिमंडल के सभी 27 प्रतिभागी ज्ञान, अनुभव और मधुर स्मृतियों के साथ भारत लौट आए है। एसपीजी इंडिया के अध्यक्ष बी. डी. रावत एवं सचिव डॉ. गोविंद रावत (एडवोकेट) ने बताया कि यह यात्रा छात्रों की गर्मी की छुट्टियों को रचनात्मक और ज्ञानवर्धक बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों को वैश्विक संस्कृति, इतिहास, तकनीक और प्रकृति के विविध आयामों से रूबरू होने का अवसर प्राप्त हुआ। महिला विंग की अध्यक्ष गिर्राज देवी ने बताया कि थाईलैंड का चयन विशेष रूप से उसकी गर्मजोशी भरी संस्कृति, ऐतिहासिक समृद्धि और ‘मुस्कान की भूमि’ के रूप में उसकी पहचान के कारण किया गया। थाईलैंड न केवल एशिया का एक प्रमुख सांस्कृतिक केंद्र है, बल्कि यह अपने अतुलनीय प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए भी प्रसिद्ध है। इस मौके पर यात्रा समन्वयक हर्षित कट्टा एवं सीए प्रियंका, संयुक्त सचिव सोनल पटोदिया एवं डॉ. गुंजन, उपाध्यक्ष प्रेमकांत, विजय लक्ष्मी एवं अनुज पटोदिया भी मौजूद थे। ‘ड्रॉ योर ड्रीम डेस्टिनेशन’ प्रतियोगिता में दर्श ने प्रथम, त्रिशका ने द्वितीय और श्रीयान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अन्य 10 प्रतिभागियों को विशेष प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

बच्चों को एक्टिवा और टेबलेट बांटे

जयपुर । आमेर रोड पर गोविंद नगर पश्चिम स्थित शिवम पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने शत प्रतिशत परिणाम देकर जयपुर में परचम फहराया। बोर्ड परीक्षा में 75 से 98 प्रतिशत तक अंक लाने वाले प्रतिभावान 3 बच्चों को स्कूल की ओर से एक्टिवा स्कूटर, 8 बच्चों को टेबलेट और अन्य 62 बच्चों को चेक के माध्यम से पुरस्कृत किया। यह समारोह जयपुर हैरिटेज होटल में हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि उप पुलिस अधीक्षक कमल नयन, जयसिंहपुरा खोर व सुभाष चौक थाना प्रभारी, समाजसेवी अमर अग्रवाल मौजूद रहे। शिक्षकों का सम्मान सचिव जी.एस. गर्ग ने किया।

एसुस के नए गेमिंग लैपटॉप्स लॉन्च

जयपुर । एसुस इंडिया ने छात्र, कैज़ुअल गेमर, क्रिएटर और हार्डकोर गेमर्स के लिए ऑल-न्यू टीयूएफ गेमिंग एफ16 के साथ आरओजी स्ट्रिक्स जी16 को लॉन्च किया है, जो एनवीआईडिया जीफोर्स आरटीएक्स-टीएम 5050 ग्राफिक्स से लैस है। इसके साथ ही, एसुस आरओजी ने अपने मौजूदा 2024 आरओजी स्ट्रिक्स जी16 (जी614) लाइनअप को भी अपग्रेड करते हुए नया आरटीएक्स-टीएम 5050 जीपीयू शामिल किया है, जो अलग-अलग कीमत की श्रेणियों में हाई-परफॉर्मेंस गेमिंग देने की इसकी प्रतिबद्धता को और भी मजबूत करता है। यह जानकारी अर्नोल्ड सू, वाइस प्रेसिडेंट, कंज़्यूमर और गेमिंग पीसी, एसुस इंडिया ने दी है।

एसीएमई को 1072 करोड़ की रि-फंडिंग

जयपुर । भारत की लीडिंग रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी और एसीएमई ग्रुप का हिस्सा, एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने अपनी 100 प्रतिशत सब्सिडियरी कंपनी एसीएमई अकलेरा पावर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के जरिए 1072 करोड़ की घरेलू प्रोजेक्ट फाइनेंस सुविधा प्राप्त की है। यह फंडिंग राजस्थान स्थित 250 मेगावॉट के चालू प्रोजेक्ट के लिए ली गई है, ताकि पुराने कर्ज का पुनर्भुगतान किया जा सके और वित्तीय लागत को 95 बेसिस प्वाइंट घटाकर सालाना 8.5 प्रतिशत तक कम किया जा सके। यह प्रोजेक्ट लगभग 18 महीनों से चालू है और वित्त वर्ष-25 में इसने 29.3 प्रतिशत की सीयूएफ हासिल की है। इस प्रोजेक्ट के लिए 18 वर्षों की अवधि वाली री-फाइनेंसिंग की गई है, जो बैंक ऑफ़ अमेरिका और स्टैण्डर्ड चार्टर्ड बैंक जैसी संस्थाओं के नेतृत्व वाले एक समूह से प्राप्त हुई है।

सचिवालय का अनुभाग अधिकारी गिरफ्तार

जयपुर । अशोक नगर थाना पुलिस ने दो साल से फरार पुनर्वास विभाग शासन सचिवालय जयपुर के अनुभाग अधिकारी गिरधारी लाल मीणा निवासी बरौनी जिला टोंक हाल गांधीनगर टोंक फाटक को गिरफ्तार किया है। उसने राजस्व (ग्रुप-10/पुनर्वास) विभाग सचिवालय जयपुर के कार्मिको की एसएसओ आईडी व पासवर्ड हैक करके ई-ऑफिस से कतिपय प्रकरणों से संबंधित ई-फाईल को उपयोग में लिया था।

ग्रेटर कमिश्नर ने सुबह दो घंटे फील्ड में घूमकर जांची सफाई

ग्रेटर नगर निगम कमिश्नर गौरव सैनी ने मंगलवार सुबह निरीक्षण किया।

जयपुर । नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने पदभार ग्रहण करने के दूसरे दिन मंगलवार को सुबह 7 बजे फील्ड में जाकर शहर की सफाई व्यवस्था, नालों की स्थिति, पार्कों की स्थिति, फायर स्टेशन, बाढ़ नियत्रंण केन्द्रों, प्रगतिरत विकास कार्यो का जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त (स्वास्थ्य) ओम प्रकाश थानवी, अधीक्षण अभियन्ता नितिन शर्मा, उपायुक्त गैराज करणी सिंह, संबंधित जोन उपायुक्त एवं अधिकारी मौजूद रहे।

करीब 2 घंटे से अधिक समय तक चले निरीक्षण में आयुक्त ने मानसरोवर एवं सांगानेर जोन क्षेत्राधिकार की सफाई व्यवस्था, प्रगतिरत विकास कार्यो को देखा। सबसे पहले आयुक्त सांगानेर पुलिया पहुंचे वहां सीएसआई, एसआई को निर्देश दिये कि सडकों पर से कचरा निरन्तर उठना चाहिए। जहां डस्टबिन टूट गये है उन्हें ठीक किया जाये या बदला जाये।

रवि जैन ने ली अफसरों की बैठक

जयपुर (कासं)। स्वायत्त शासन विभाग के नव नियुक्त शासन सचिव रवि जैन ने मंगलवार को मुख्यालय के सभागार में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पहली समीक्षा बैठक की। बैठक का उद्देश्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों, योजनाओं एवं चुनौतियों की व्यापक जानकारी प्राप्त करना तथा भविष्य की कार्ययोजना को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में मार्गदर्शन देना था।

जैन ने अधिकारियों से कहा कि शहरी जनजीवन से जुड़ी योजनाओं जैसे स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), अमृत योजना, अन्नपूर्णा रसोई योजना, शहरों की साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन, नालों की सफाई, स्मार्ट सिटी परियोजनाएं आदि पर धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान उन्होंने प्रमुख चुनौतियों जैसे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जलभराव, स्ट्रीट वेंडर ज़ोन का सुव्यवस्थित संचालन, राजस्व वृद्धि एवं नगरीय निकायों में ई-गवर्नेंस को विस्तार देने की दिशा में अधिकारियों से फीडबैक लिया।

‘राजस्थान के चटकीले रंग करते हैं आकर्षित प्रभावी मार्केटिंग होगी पर्यटन ब्रांडिंग में अहम’

जयपुर । प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव ने मंगलवार को पर्यटन विभाग की पहली समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं हैं। राजस्थान में कई क्षेत्रों में पर्यटन विकास किया जा सकता है, इसके लिए योजनाबद्ध कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान के चटकीले रंग करते हैं आकर्षित, यहाँ कि शानदार कला संस्कृति और शौर्यपूर्ण इतिहास भी पर्यटकों के लिए आकर्षित करने वाले, प्रभावी मार्केटिंग भी प्रदेश की पर्यटन ब्रांडिंग में बहुत अहम है। यह प्रदेश देश और पूरी दुनिया में अद्वितीय स्थान रखता है।

प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव ने मंगलवार को पर्यटन विभाग की पहली समीक्षा बैठक ली।

प्रमुख सचिव ने कहा कि राजस्थान में विपुल पर्यटन आकर्षण स्थल हैं जिनके आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के कार्यों के प्रोजेक्ट तैयार किए जाने चाहिए। राज्य में आगन्तुक पर्यटकों के आगमन का डेटा व्यवस्थित रूप से संकलित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया । उन्होंने कहा कि इसके लिए कोई सॉफ्टवेयर अथवा मोबइल ऐप भी विकसित किया जा सकता है।

आयुक्त रुक्मणि रियार ने कहा कि पर्यटन को 360 डिग्री बढ़ाने के लिए काम किया जाएगा। हमारे यहां ऐसे मेले प्रदर्शनियां आयोजित की जाएं जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नए ब्रांड के रूप में उभरे जिसमें कला प्रदर्शन के साथ ही कला उत्पादों की बिक्री भी बड़े स्तर पर हो सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भारत सरकार की पर्यटन सम्बंधित योजनाओं का तत्परता और नियोजित रूप से क्रियान्वयन किया जाए। बैठक में अतिरिक्त निदेशक पर्यटन आनंद त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक पर्यटन राजेश शर्मा, संयुक्त निदेशक मेले त्योहार पुनीता सिंह, संयुक्त निदेशक मार्केटिंग दलीप सिंह, उप निदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत मौजूद थे।

दुपहिया वाहन चुराने वाली गैंग के दो बदमाश दबोचे

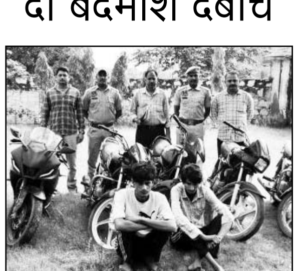

जयपुर । ब्रह्मपुरी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाली गैंग के दो शातिर बदमाशों को धर-दबोचा है और उनके पा से तीन महंगी पावर बाइक सहित आठ चोरी के दुपहिया वाहन भी जब्त किए गए है। इसके अलावा एक बाल अपचारी को भी निरुद्ध किया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाली गैंग शातिर वाहन चोर सचिन मीणा पुत्र लल्लूराम मीणा और सचिन मीणा पुत्र छोटेलाल को गिरफ्तार किया है और दोनों ही आरोपी थानागाजी जिला अलवर के रहने वाले है। इसके अलावा इस वारदात में लिप्त एक बाल अपचारी को भी निरुद्ध किया है। जिनके पास से कई जगहों से चुराई गई तीन पावर बाइक सहित आठ दुपहिया वाहन जब्त किए गए है। पुलिस जानकारी में सामने में आया कि आरोपित कुछ समय के लिए जयपुर शहर में मकान किराए पर लेकर वारदात को अंजाम देते है और चोरी किए गए वाहनों को औने-पौने दामों में बेच कर अपने शौक पूरे कर वापस गांव चले जाते है।

सहकारी समितियों में 1 से 7 अक्टूबर के मध्य अनिवार्य रूप से हो आमसभा

पैक्स स्तर तक करें खाद-बीज की गुणवत्ता की जांच : मंत्री गौत्तम दक

जयपुर । सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी समितियों में ऑडिट और आमसभा की कार्यवाही समयबद्ध रूप से सम्पन्न होनी चाहिए। आमसभा केवल औपचारिकता नहीं हो, बल्कि इसमें लोगों के सुझाव प्राप्त करने और नवाचारों की जानकारी देने पर फोकस किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को अभियान चलाकर पैक्स स्तर तक खाद-बीज की गुणवत्ता की जांच करने तथा

- **‘सहकार से समृद्धि’ के अंतर्गत किए जा रहे नवाचारों में लाएं गति : सहकारिता मंत्री**

विभाग में मॉनिटरिंग सिस्टम को दुरूस्त करने के निर्देश दिए। दक मंगलवार को शासन सचिवालय के मंत्रालय भवन स्थित अपने कक्ष में ‘सहकार से समृद्धि’ के अंतर्गत किए जा रहे नवाचारों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम सेवा सहकारी समितियों की आमसभा आयोजित करने के लिए 1 से 7 अक्टूबर तक की समयावधि निर्धारित कर सुनिश्चित किया जाए कि उक्त अवधि में शत प्रतिशत पैक्स की आमसभा अनिवार्य रूप से सम्पन्न हो। साथ ही, पैक्स के सूचना पटल में वर्णित जमाओं व अन्य संबंधित जानकारियों के विवरण के साथ आमसभा के फोटो भी मंगवाए जाएं। इससे सहकारी समितियों के कामकाज में पारदर्शिता आएगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम सेवा सहकारी समितियों के पास खाद-बीज विक्रय के लाइसेंस हैं, उनका आगामी दिनों में अभियान चलाकर आवश्यक रूप से निरीक्षण करवाया जाए। निरीक्षण के दौरान खाद-बीज की गुणवत्ता की जांच कर सुनिश्चित किया जाए कि वे निर्धारित मानकों के अनुरूप हों। सहकारिता

सहकारिता मंत्री गौत्तम कुमार दक ने मंगलवार को सचिवालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर नवाचारों की समीक्षा की।

मंत्री ने पैक्स कम्प्यूटराइजेशन के कार्य में और गति लाने तथा गो-लाइव हो चुकी पैक्स को हैण्ड-होल्डिंग सर्टिफिकेट यथाशीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गो-लाइव हो चुकी पैक्स की ई-ऑडिट करवाई जाए। बैठक में अधिकारियों द्वारा बताया कि अब तक 5,301 पैक्स गो-लाइव हो चुकी है जबकि, 2,398 पैक्स को हैण्ड होल्डिंग प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि अब तक 713 पैक्स द्वारा ई-ऑडिट करवाई जा चुकी है। दक ने बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी एवं मत्स्य सहकारी समितियों के गठन में अपेक्षित प्रगति हासिल करते हुए एनसीडी पोर्टल पर डेटा अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने पैक्स विहीन ग्राम पंचायतों में पैक्स के गठन तथा निष्क्रिय सहकारी समतियों के अवसायन के कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए।

दक ने विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना के अंतर्गत निर्मित किए जा रहे गोदामों का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने तथा मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप इन्हें किराये पर देने की प्रक्रिया शुरु करने के निर्देश दिए। इससे पैक्स की आय में वृद्धि होगी। दक ने कहा कि पैक्स द्वारा जन औषधि केन्द्र का संचालन करने से पूर्व उसकी व्यवहार्यता परखी जाए। पैक्स द्वारा एफपीओ के साथ ही नये कस्टम हायरिंग सेंटर खोले जाने की दिशा में भी कार्य किया जाए। उन्होंने नये गठित होने वाले पैक्स के लिए भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड की सदस्यता अनिवार्य किए जाने पर भी जोर दिया। प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बताया कि जन औषधि केन्द्र के रूप में पैक्स हेतु 200 आवेदन हुए हैं जिनमें से 172 का प्रारम्भिक अनुमोदन कर दिया है। प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र के रूप में उर्वरक लाइसेंस प्राप्त पैक्स की संख्या 4030 एवं कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में कार्यरत पैक्स की संख्या 5209 है। राजपाल ने बताया कि राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लि. की 217, राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लि. की 185 एवं भारतीय बीज सहकारी समिति लि. की 2,516 समितियों द्वारा सदस्यता ली जा चुकी है।

11 साल का लापता बालक 10 दिन की मेहनत के बाद दस्तयाब

जयपुर । मालवीय नगर थाना पुलिस ने 11 साल के लापता बालक विकास मीना को 10 दिन की मेहनत के बाद दस्तयाब कर लिया। विकास 13 जून को बिना बताए घर से चला गया था। उसके पिता मलकेश मीना ने 17 जून को थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। मामला दर्ज होते ही पुलिस ने ऑपरेशन खुशी 2025 के तहत कार्रवाई शुरू की।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आशाराम चौधरी और सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य पूनिया के निर्देशन में जांच शुरू हुई। बालक पहले भी तीन बार घर से बिना बताए जा चुका था। पिछली बार 28 जुलाई 2024 को मामला दर्ज हुआ था। इस बार सूचना देर से मिलने के कारण सीसीटीवी फुटेज खंगालने में दिक्कत आई। फिर भी टीम ने मालवीय नगर सेक्टर 3, मॉडल टाउन और जगतपुरा रेलवे स्टेशन तक कैमरे चेक किए।

जांच में पता चला कि विकास 13 जून को ही जगतपुरा रेलवे स्टेशन से ट्रेन में बैठकर जयपुर से बाहर चला गया था। इसके बाद पुलिस ने बांदीकुई, अलवर, भरतपुर, गोवर्धन, वृंदावन और बयाना रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी कैमरे खंगाले। गोवर्धन और वृंदावन के मंदिरों के फुटेज भी देखे गए। आखिरकार 23 जून को विकास मीना को भरतपुर जिले के बयाना के गांव दादरैन से दस्तयाब किया गया। पुलिस ने बालक को सकुशल उसके पिता को सौंप दिया। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल लक्ष्मीचंद और कांस्टेबल रामजीलाल की विशेष भूमिका रही।

बारिश के बीच निगम आयुक्त पहुंची जल भराव वाली जगह

अलसुबह करीब छह बजे से किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

हैरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने क्षेत्र का दौरा किया।

जयपुर । नगर निगम हैरिटेज जयपुर आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने मंगलवार को निगम क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान निगम आयुक्त निधि पटेल शहर में हो रही लगातार बारिश के बीच निगम अधिकारियों के साथ जल भराव वाली जगहों पर पहुंची और लोागें को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए।

इससे पहले निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने हेरिटेज निगम मुख्यालय में निगम के विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की। जिसमें हेरिटेज निगम अधिकारियों के साथ वन टू वन बात की और चल रहे विकास कार्यों की प्रगति के बारे जाना। इस दौरान आयुक्त ने कहा कि वे लगातार फील्ड में निरीक्षण करेंगी। ऐसे में सभी अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में निरीक्षण करें। साथ ही बारिश के सीजन को देखते हुए जर्जर इमारत को चिह्नित कर जांच करें। बारिश में जलभराव की समस्या और सीवर ओवर फ्लो की शिकायत नहीं हों, इससे पहले ही ठोस प्लानिंग के साथ निस्तारण किया जाएं। निरीक्षण के दौरान हेरिटेज निगम अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र सिंह यादव, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवण कुमार वर्मा, उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, उपायुक्त युगांतर शर्मा और इंजिनियर विंग के अधिकारी मौजूद रहे।

इससे पहले निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने शहर की सफाई व्यवस्था को जानने के लिए औचक निरीक्षण किया। जिसमें आयुक्त निधि पटेल ने कलेक्ट्री सर्कल, बनीपार्क, सुभाष नगर, खासा कोठी, जय सिंह हाइवे आदि इलाकों में सफाई व्यवस्था देखी। इस दौरान निगम आयुक्त ने सड़क पर कचरा देख मौके पर ही स्वास्थ्य निरीक्षक को बुला सफाई कराई। आयुक्त ने वार्डो में भी डोर टू डोर कचरा संग्रहण की व्यवस्था देखी।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
25 June 2025
A-B

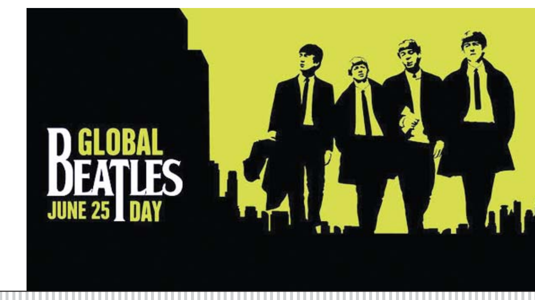

Global Beatles Day

It was in the year 1960, on a foggy island found Nor-Norwest of Spain that music history changed forever. Four young proto-gods came together to form what would be one of the most influential rock bands to ever come out of England, if not the entire world. We're speaking, of course, of the Beatles. Paul McCartney, George Harrison, John Lennon, and Ringo Starr. These four boys came together to change the world, one song at a time. Global Beatles Day is a yearly holiday that takes place to celebrate and honour the ideals of The Beatles. The day is celebrated with a number of events around the world and music that celebrates harmony and peace.

#ENVIRONMENT

They Aren't Recyclable

Think twice before throwing that in the bin.

We've all probably been guilty of this recycling no-no at least once, discarding a disposable coffee cup or food takeout container in our bin. While you may be thinking you're doing your part to help, your optimistic recycling may actually be hurting the process. Depending on where you live, there are some items that simply aren't recyclable, including varieties of paper, glass and plastic. Here's a list of items that generally are not recyclable, along with suggestions on how you can dispose or reuse them.

Aerosol Cans

Sure, they're metal. But since spray cans also contain propellants and chemicals, most municipal systems treat them as hazardous material.

Batteries

These are generally handled separately from both regular trash and curbside recycling.

Brightly Dyed Paper

Strong paper dyes work just like that red sock in your white laundry.

Ceramics and Pottery

This includes things such as coffee mugs. You may be able to use these in the garden.

Diapers

It is not commercially feasible to reclaim the paper and plastic in disposable diapers.

Hazardous Waste

This includes household chemicals, motor oil, antifreeze and other liquid coolants. Motor oil is recyclable, but it is usually handled separately from household items.

Household Glass

Window panes, mirror light bulbs and tableware are impractical to recycle. Bottles and jars are usually fine. Compact fluorescent lightbulbs (CFLs) are recyclable, but contain a small amount of mercury and shouldn't be treated as common household bulbs.

Juice Boxes and Other Coated Cardboard Drink Containers

Some manufacturers have begun producing recyclable containers. The rest are not suitable for reprocessing including many disposable coffee cups from your local coffee shop.

Medical Waste

Syringes, tubing, scalpels and other biohazards should be disposed as such.

Napkins and Paper Towels

Discouraged because of what they may have absorbed. Consider composting.

Plastic Bags and Plastic Wrap

If possible, clean and reuse the bags.

Plastic-Coated Boxes, Plastic Food Boxes, or Plastic Without Recycling Marks

Dispose off safely.

Styrofoam

They are the most difficult.

Takeout Containers

Plastic containers that contained food can't be recycled unless they are thoroughly rinsed out. Oily residue left on the containers makes them unrecyclable.

Tires

Many states require separate disposal of tires (and collect a fee at the point of sale for that purpose).

Tyvek Shipping Envelopes

These are the kind used by the post office and overnight delivery companies.

Did the US wipe out Iran's nuclear programme?

Darya Dolzikova, Senior Research Fellow at London's Royal United Services Institute for Defence and Security Studies, points out that 'If Fordow was indeed seriously damaged in the latest round of strikes, which remains unclear, that would certainly be a significant blow to Iran's ability to produce fissile material for a nuclear weapon. The Fordow Fuel Enrichment Plant (FFEP) has been key to Iran's nuclear programme, enriching uranium to 60%, more efficiently than at Natanz. Further attacks on Natanz and Isfahan, depending on the nature and extent of the damage, would have also helped set the program back further.' However, questions remain as to where Iran may be storing its already enriched stocks of HEU, as these will have almost certainly been moved to hardened and undisclosed locations, out of the way of potential Israeli or US strikes.

● Davide Castelvecchi

Many in the world woke to the news on 22 June that the United States had bombed nuclear sites in Iran, with the goal of destroying the nation's ability to produce nuclear weapons. The raids targeted Iran's uranium-enrichment facilities in Fordow and Natanz, and its nuclear research centre in Isfahan, using stealth bombers to drop massive 'bunker-busters,' and cruise missiles.

Although Iran says its nuclear programme is for peaceful purposes, experts have long assessed that Iran was close to having the capability of building nuclear weapons if it chose to do so. The US attacks followed a bombing campaign by Israel, which has since carried out further attacks on Iranian nuclear facilities. On 23 June, the International Atomic Energy Agency reported that 'very significant damage is expected to have occurred' at the underground Fordow site. Researchers at academic institutions and think tanks are also assessing the potential impacts of the attacks on Iran's nuclear capabilities. Analysts have said that the attacks probably set the nuclear programme back substantially, but not permanently. In particular, Iran could have moved stockpiles of highly-enriched uranium, and perhaps some enrichment centrifuges, elsewhere. David Albright, a nuclear policy specialist and president of the Institute for Science and International Security in Washington DC, spoke to Nature about what researchers know.

How do you assess the impact of the bombings on Iran's nuclear capabilities?

There aren't many researchers who are able to assess the impact of the bombings. We have decades of experience with the Iranian nuclear programme, so, we know their facilities and activities very well. And we have great access to satellite imagery, which we have to buy. We try to buy some every day. And we utilize analysts who have decades of experience to analyze these images. We also have lots of contacts with governments, and we have colleagues who also have contacts with governments. A lot of the damage is on the surface, so, it's a question of knowing what the building did (in terms of its role in the nuclear program). We rely on our repository of information about the sites that are attacked. So, it's pretty straightforward.

Obviously, more problematic is the underground sites. When we initially assessed Israel's bombing of Natanz, three days later, I saw a very small crater above the underground hall. I could work out and link it to a type of Earth-penetrator weapon that Israel is known to have. It would leave a really small crater when it went in, and the damage would be underground. The United States bombed it with a much more powerful Earth penetrator. So, damage is probably more extensive.

How and when will we know for sure the extent of the damage?

As nuclear experts, we'd like to see this done with diplomatic agreements, where Iran would allow intrusive inspections into its programme. If that does not happen, then, it's the job of US and Israeli intelligence to assess the damage. They're looking at communications intercepts, or trying to recruit people on the inside to reveal information.

#IRAN

Would there be radioactive materials detected outside Natanz, Isfahan and Fordow if the attacks were successful?

So far, the IAEA reports no such leaks. And it appears that Iran had moved the enriched uranium stockpiles in the days before the bombings. The United States has said that the target of its bombings was the facilities, so, they understand they are not getting at the nuclear material.

Reportedly, the B-2s dropped 14 GBU-57s on buried uranium-enrichment sites at Natanz and especially Fordow, which Trump described as the 'primary' target.

The Tomahawks struck Isfahan, a complex of facilities where Iran supposedly converts uranium metal into a gaseous compound and makes centrifuges to enrich the gas and store highly enriched uranium (HEU) for making bombs.

It may be noted that when uranium is mined, it is composed of two types of isotopes, Uranium-238 and Uranium-235.

Uranium-238 makes up about 99.3% of the material, while Uranium-235 makes up .7%. Uranium-235 is key to making nuclear weapons, but since there are such small amounts of it in the material's natural state, scientists increase the percentage of Uranium-235 in the material and separate it from Uranium-238. This is what is known as enriching uranium.

One only needs uranium to be enriched to about 3% to 5% for power plants (civilian use), but above 90% of this is needed for making nuclear weapons.

There are concerns that Iran could start making nuclear weapons grew, with the International Atomic Energy Agency (IAEA) suspecting that Iran has accumulated more than 400 kg (880 pounds) of uranium enriched to 60%, adequate for making ten bombs.

The IAEA reported on May 31 that Iran is in breach of the 2015 Joint Comprehensive Plan of Action it signed with several major countries, stating that it would not surpass the 3.67% uranium enrichment level limit.

It may also be noted that before June 22, Israel had already hit Natanz and Isfahan, and destroyed much of Iran's air-defence system, clearing the way for the Americans. But the site in Fordow, buried into a mountain, deep in about half a mile or 800 meters, was beyond the reach of Israeli bombs.

According to the Western strategists, 'massive ordnance penetrator' (MOP) alone could have obliterated Fordow. These can burrow through 60 metres of standard concrete, and repeatedly striking the same spot allows them to strike deeper. This was exactly what the Americans did by using B-2s and MOPs.

> In other words, if Iran has really moved or hidden the 400 kg of uranium enriched to 60%, to a secret place and quickly enriched them to above 90 per cent, the threshold required to manufacture an atomic bomb, the threat will continue, notwithstanding the latest U.S. strikes.

President Trump has claimed that all of Iran's nuclear infrastructure has been 'obliterated.'

But experts have doubts.

Reportedly. General Dan Caine, the Chairman of the Joint Chiefs of Staff, has been noticeably far less bullish in immediate assessments of the results of Saturday's raids than the President or Defense Secretary Pete Hegseth.

Darya Dolzikova, Senior Research Fellow at London's Royal United Services Institute for Defence and Security Studies, points out that 'If Fordow was indeed seriously damaged in the latest round of strikes, which remains unclear, that would certainly be a significant blow to Iran's ability to produce fissile material for a nuclear weapon. The Fordow Fuel Enrichment Plant (FFEP) has been key to Iran's nuclear programme, enriching uranium to 60%, more efficiently than at Natanz. Further attacks on Natanz and Isfahan, depending on the nature and extent of the damage, would have also helped set the program back further.'

"However, questions remain as to where Iran may be storing its already enriched stocks of HEU, as these will have almost certainly been moved to hardened and undisclosed locations, out of the way of potential Israeli or US strikes.

It is also unclear what secret facilities may exist inside Iran that Tehran could use for continued centrifuge production, enrichment, and weapons-relevant activities.

There is also currently no information on the state of the facility at Kolang Gaz La, not far from Natanz, which has been under construction inside a mountainside, reportedly deeper than the FFEP."

In other words, if Iran has really moved or hidden the 400 kg of uranium enriched to 60%, to a secret place and quickly enriched them to above 90 per cent, the threshold required to manufacture an atomic bomb, the threat will continue, notwithstanding the latest U.S. strikes.

Though it is the Natanz Enrichment Complex that is Iran's largest nuclear enrichment facility, experts agree that Israel's attacks earlier last week probably caused significant damage to the centrifuges, if they had been in operation at the time Israeli warplanes knocked out the electricity to the plant.

The same may have been the case with the Isfahan site, the oldest of Iran's established nuclear research centres that has been operational since the early 1980s. At least 3,000 scientists and engineers reportedly worked at the site, but there was no large-scale enrichment taking place at the facility, according to the IAEA officials. Of course, Iran has several other nuclear facilities spread across the country. Still, the largest and most crucial are the Bushehr nuclear power plant and the Bandar Abbas uranium production plant. Explosions have been reported near Bushehr in recent weeks, but it is not clear if the facility has been directly hit by Israeli warplanes.

Western reports suggest that radiation levels have not jumped, indicating that Israel may have been seeking to damage the infrastructure around the plant rather than the nuclear reactor itself.

Incidentally, on June 12, Mohammad Eslami, the head of Iran's Atomic Energy Organization, had said that Iran had completed the construction of a third enrichment facility in a secret location.

"The new site is fully constructed and located in a secure, invulnerable location," he said, according to the semi-official Mehr News Agency. "As soon as centrifuge installation and set-up are complete, enrichment will begin."

If one takes his claim seriously, then Iran's nuclear capacity, being obliterated, will always remain debatable.

All told, as Dolzikova says, "Besides the actual physical capabilities, Iran retains extensive expertise that will allow it to eventually reconstitute what aspects of the programme have been damaged or destroyed. The Iranian nuclear programme is decades old and draws on extensive Iranian indigenous expertise. The physical elimination of the programme's infrastructure, and even the assassination of Iranian scientists, will not be sufficient to destroy the latent knowledge that exists in the country." The point that, thus, emerges is that Iran's nuclear project has been much more extensive and dispersed than those that Iraq and Syria were suspected to have and bombed by Israel in 1981 and 2007, respectively. As Nicholas Miller, a non-proliferation expert at Dartmouth College in Hanover, New Hampshire, seems to suggest, unlike in Syria or, for that matter, Iraq, 'repeated intervention is required in Iran,' if the current regime continues to stay in power.

rajeshsharma1049@gmail.com

#WILD

Why Coyotes and Badgers Hunt Together

The two predators were photographed collaborating in Colorado, a fascinating example of interspecies teamwork.

Competition and cooperation aren't mutually exclusive. Just ask a coyote or a badger. Both are crafty carnivores, and since they often hunt the same prey in the same prairies, it would make sense for them to be enemies, or at least to avoid each other. But while they don't always get along, coyotes and badgers also have an ancient arrangement that illustrates why it can be smart for rivals to work together.

An example of that partnership unfolded on a Northern Colorado prairie, near the National Black-footed Ferret Conservation Center. And it was captured in photos, both by a wildlife camera trap and sharp-eyed photographers.

A field camera caught this amazing shot, which shows the coyote and badger trotting across the landscape with a prairie dog looking on in the foreground. While capturing such good photos of a hunt like this is relatively rare, the phenomenon is well-documented. It was familiar to many Native Americans long before Europeans reached the continent, and scientists have studied it for decades. Cross-species collaboration has been reported across much of Canada, the United States, and Mexico, typically with one badger hunting alongside one coyote. A study published in the journal *Mammology* reports that researchers at the National Elk Refuge in Wyoming found that 90% of all coyote-badger hunts featured one of each animal, while about 9% involved one badger with two coyotes. Just 1% saw a lone badger join a coyote trio.

A Mutually Beneficial Partnership

But why would these predators work together at all? When one of them finally catches something, they aren't known to share the spoils. So, what's the point?

Working together helps each species pursue prey more effectively. The point, apparently, is to improve the likelihood that at least one of the hunters will snag some prey. Even if one ends up empty-handed, the partnership seems to pay off for both species in the long run.

Each member of the hunting party has a distinct set of skills.

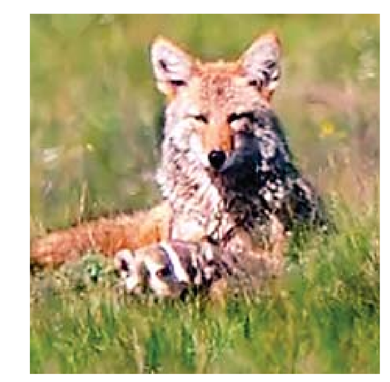

Coyotes are nimble and quick, so they excel at chasing prey across an open prairie. Badgers are slow and awkward runners by comparison, but they're better diggers than coyotes, having evolved to pursue small animals in underground burrow systems. So, when hunting prairie dogs or ground squirrels on their own, badgers usually dig them up, while coyotes chase and pounce. The rodents, therefore, use different strategies depending on which predator is after them. They often escape a digging badger by leaving their burrows to flee aboveground and evade coyotes by running to their burrows.

"Coyotes with badgers consumed prey at higher rates and had an expanded habitat base and lower locomotion costs," according to the authors of the National Elk Refuge study. "Badgers with coyotes spent more time below ground and active, and probably had decreased locomotion and excavation costs. Overall, prey vulnerability appeared to increase when both carnivores hunted in partnership."

Not Always Partners

Badgers and coyotes aren't always friendly, though. While most of their interactions 'appear to be mutually beneficial or neutral,' Ecology Online notes that they sometimes prey on each other. The two species have developed 'a sort of open relationship,' according to the U.S. Fish and Wildlife Service (FWS), since they tend to collaborate in warmer months and then drift apart as winter sets in.

"In the winter, the badger can dig up hibernating prey as it sleeps in its burrow," the FWS explains. "It has no need for the fleet-footed coyote." Not at the time, anyway. But winter eventually turns to spring, and these two hunters may start to need each other again. And, just as they have for thousands of years, they'll make peace, embrace their differences, and return to work.

THE WALL

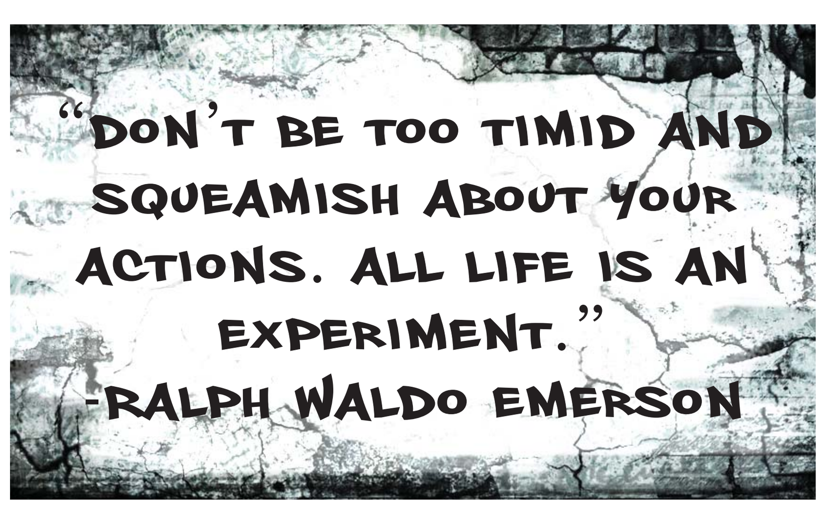

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

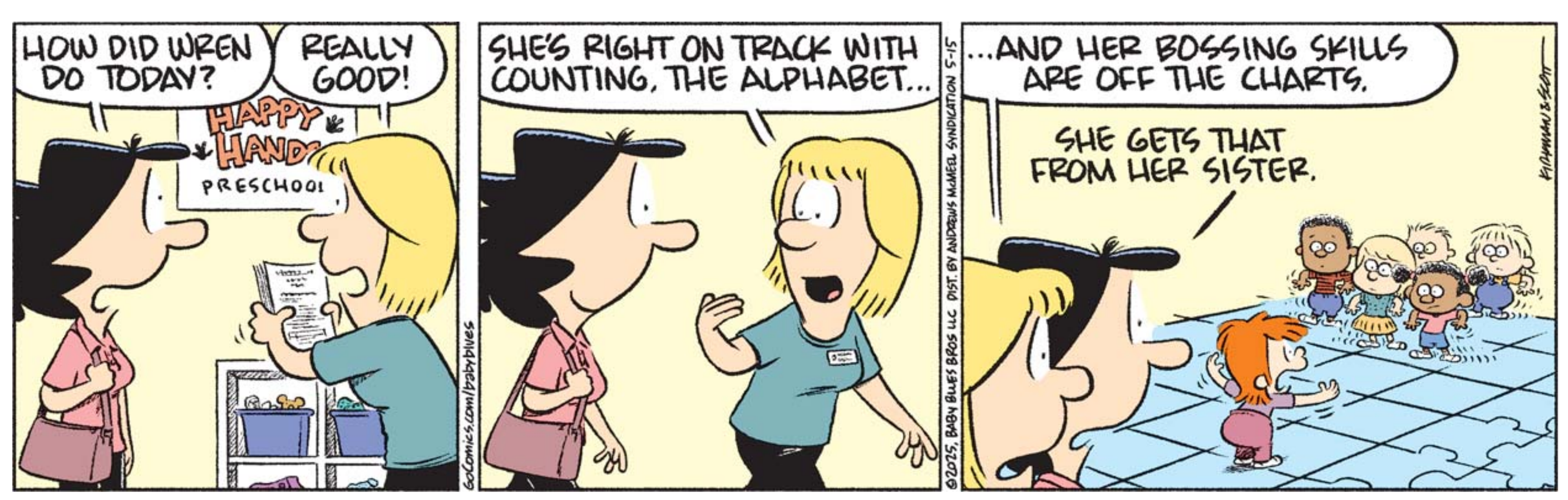

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

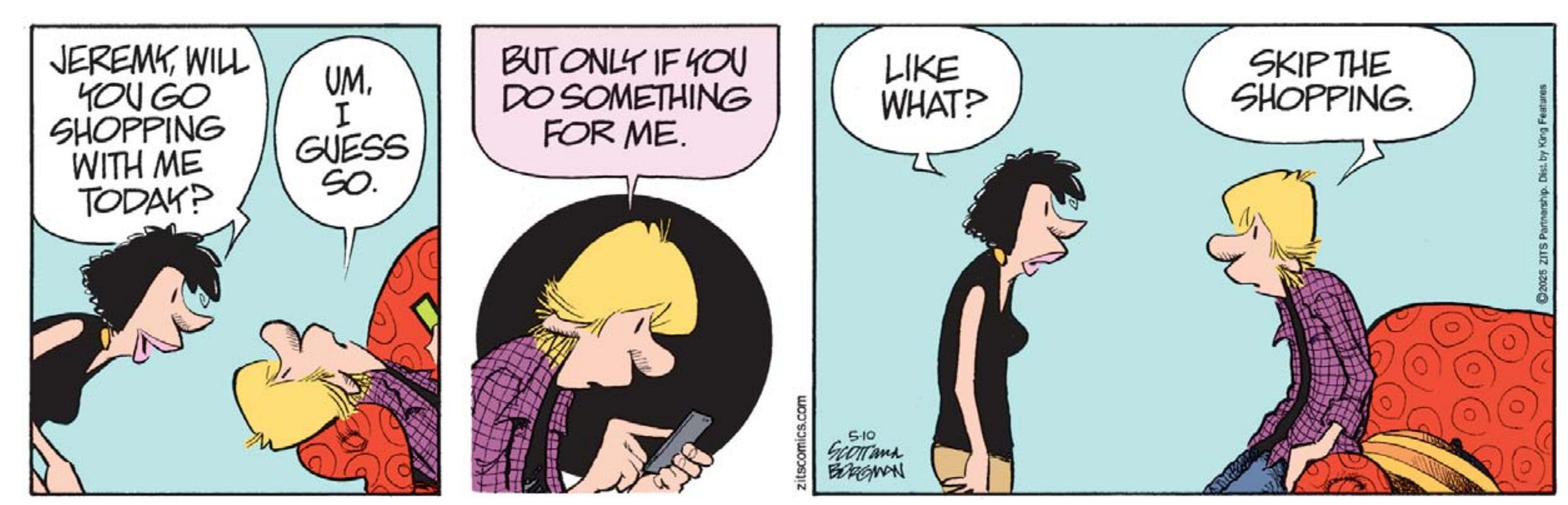

थाने में युवक के साथ मारपीट करने से तबियत बिगड़ी, सीकर रैफर

घटना को लेकर कस्बेवासियों ने नारेबाजी कर कार्रवाई की मांग की

बीदासर, (निसं)। कस्बे के वार्ड 10 में रविवार देर रात्रि को एक ही समुदाय के दो पक्षों में हुए झगड़े के बाद पुलिस ने एक पक्ष के नोशाद पुत्र अयूब की रिपोर्ट पर दूसरे पक्ष के कुछ युवकों को सोमवार दोपहर को थाने बुलाया। थाने पहुंचने पर दूसरे पक्ष के एक समीर बोपारी नामक युवक के साथ बीदासर पुलिस थाना के आसूचना अधिकारी रूपाराम ने शराब के नशे में उक्त युवक के साथ मारपीट की, जिससे युवक की तबियत बिगड़ गई और वो मारपीट के दौरान ही बेहोश होकर थाने में गिर पड़ा तो उक्त युवक के साथ गए परिजनों ने बेहोशी की हालत में युवक को राजकीय टांटिया सीएचसी लेकर गए, लेकिन चिकित्सकों ने युवक की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद हाई सेंटर रैफर कर दिया। परिजन उसको 108 ऐंबुलेंस से हाई सेंटर सुजानगढ़ लेकर गए तो वहां से भी चिकित्सकों ने सीकर रैफर कर दिया।

आक्रोशित लोगों ने पुलिस थाने के आगे जमकर नारेबाजी की।

■ **मामले में कांस्टेबल रूपाराम को चूरू जिला पुलिस अधीक्षक ने लाइन हाजिर करने के आदेश जारी किए**

उक्त घटना की जानकारी ज्यों ही कस्बे में फैली तो समाज के सैंकड़ों लोग पुलिस थाना के बाहर एकत्रित हो गए तथा आक्रोशित लोगों ने पुलिस थाने के आगे जमकर नारेबाजी करते हुए उक्त पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने पुलिस उपाधीक्षक प्रहलाद राय व थानाधिकारी कैलाश चंद्र यादव को ज्ञापन देकर पुलिस कांस्टेबल रूपाराम के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। जिसके बाद डीएसपी राय के नेतृत्व में समाज के लोगों से वार्ता की गई तथा नियमानुसार उक्त कांस्टेबल के खिलाफ विभागीय जांच के बाद कार्रवाई के आश्वासन पर मामला शांत हुआ। वृताधिकारी प्रहलाद राय ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कांस्टेबल रूपाराम को चूरू जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने लाइन हाजिर करने के आदेश जारी किए हैं।

खान मालिकों को ड्रोन सर्वे रिपोर्ट नहीं देनी होगी

■ **खान एवं पेट्रोलियम विभाग ने पश्चिमी राजस्थान की सुरक्षा के लिए ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध को देखते हुए सर्वे रिपोर्ट की बाध्यता को स्थगित किया**

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश में अप्रधान खनिज के पट्टाधारियों को अब 100 मी. की परिधि में ड्रोन सर्वे कर रिपोर्ट पेश नहीं करनी होगी। खान एवं पेट्रोलियम विभाग ने पश्चिमी राजस्थान की सुरक्षा के लिए ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध को देखते हुए सर्वे रिपोर्ट की बाध्यता को स्थगित कर दिया है।

सरकार ने पिछले साल 24 अक्टूबर को अधिसूचना जारी कर एक अप्रैल-25 से खान मालिकों के लिए अपने खनन पट्टा क्षेत्र और उसके बाहर 100 मीटर की परिधि में स्वयं के खर्च पर ड्रोन सर्वे कर वार्षिक रिटर्न के साथ रिपोर्ट पेश करने का प्रावधान किया है। खान मालिकों को यह रिपोर्ट 30 जून तक पेश करनी थी। उसके बाद अधीक्षण खनि अभियंताओं को उनका माइनिंग प्लान अनुमोदित करना था, लेकिन, भारत-पाकिस्तान में तनाव के दौरान पश्चिमी सीमा की सुरक्षा के लिए राज्य में ड्रोन उड़ाने पर रोक लगा दी गई। इससे सैकड़ों पुराने खान मालिक का ड्रोन सर्वे और उनका माइनिंग प्लान अटक गया। माइनिंग प्लान अनुमोदित नहीं होने की स्थित में खानों के बंद होने का संकट खड़ा हो गया। बाद में खान एवं पेट्रोलियम विभाग ने ड्रोन सर्वे रिपोर्ट 30 जून तक पेश करने की बाध्यता स्थगित कर दी है। जब तक सरकार की ओर से ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध रहेगा, तब तक खान मालिकों को ड्रोन सर्वे रिपोर्ट पेश करने की बाध्यता से छूट रहेगी। इससे प्रदेश के सैकड़ों अप्रधान खनिज मालिकों को राहत मिली है।

बीकानेर जिले में ही जिप्सम, क्ले, बजरी की ऐसी करीब 75 खानें हैं, जिनको ड्रोन सर्वे रिपोर्ट देकर माइनिंग प्लान अनुमोदित कराना था। इसके अलावा 55 से ज्यादा नए खनन पट्टे दिए जाने हैं, जिनकी एलओआई भी जारी कर दी गई। गौरतलब है कि खनन मामलों के जानकार देवेन्द्रसिंह धमोरा ने बीकानेर एसएमई को ड्रोन सर्वे की बजाय, वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए पत्र लिखा था। एसएमई ने इस पत्र का हवाला देते हुए खान निदेशक को ड्रोन सर्वे पर छूट की आवश्यकता जताई थी। खान एवं भूविज्ञान विभाग की ओर से प्रत्येक पांच साल में खनन पट्टाधारकों से माइनिंग प्लान लिया जाता है जिसमें वे बताते हैं कि किस तरह पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, नियमों की पालना करते हुए सुरक्षित तरीके से खनन करेंगे। एमई-एएमई और भूवैज्ञानिक माइनिंग प्लान की रिपोर्ट तैयार कर एसएमई को सौंपते हैं। एसएमई माइनिंग प्लान अनुमोदित करता है। इसके अलावा प्रत्येक नए खनन पट्टाधारी को माइनिंग प्लान देना होता है, तभी उसे सेंशन मिल पाती है।

वीडियो बना रहे लोगों को पिकअप ने कुचला, तीन घायल

■ **पुलिस ने तस्कर को पकड़ने के लिए नाकाबंदी की थी, इसी कार्रवाई का काफी लोग वीडियो बनाने के लिए खड़े थे**

■ **नाकाबंदी देखकर तस्कर ने पिकअप की स्पीड बढ़ा दी, पिकअप पुलिस की वैन को टक्कर मारते हुए लोगों पर चढ़ गई**

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां हादसे में एक पुलिस कॉन्स्टेबल सहित तीन लोग घायल हुए हैं। वहीं, आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हादसा सोमवार शाम सात बजे समेजा कोठी थाना क्षेत्र का है। यहां पुलिस ने तस्कर को पकड़ने के लिए नाकाबंदी की थी। इसी कार्रवाई का काफी लोग वीडियो बनाने के लिए वहां खड़े थे। तभी बेकाबू पिकअप उनके ऊपर चढ़ गई।

जानकारी के अनुसार रायसिंहनगर थाना पुलिस को डोडा-पोस्त तस्करी की सूचना मिली थी। पुलिस ने पीछा किया तो तस्कर वहां से चकमा देकर समेजा थाना की ओर भाग निकला। समेजा पुलिस कालूवाला ढाबा चौराहे पर वैन सड़क के बीच में लगाकर उन्हें रोकने की योजना बनाई थी, जहां पुलिस तस्कर को रोकने लिए खड़ी थी। तेजी से पुलिस नाकाबंदी की ओर आ रही पिकअप का लोग टेंट की दुकान के बाहर वीडियो बना रहे थे, तभी वो उनके ऊपर चढ़ गई। पुलिस की नाकाबंदी को देखकर आरोपी तस्कर ने पिकअप की स्पीड बढ़ा दी। पिकअप पुलिस की वैन को टक्कर मारते हुए वहां खड़े लोगों की पर चढ़ गई। लोगों को टक्कर मारते हुए गाड़ी दुकान के बाहर रखे सामान से टकराकर रुक गई। अचानक हुए हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं, आरोपी तस्कर भी गाड़ी के टकराते ही उछलकर बाहर गिर गया। घायल तस्कर ने पैदल ही भागने की कोशिश की, लेकिन उसे लोगों ने दबोच लिया।

सात कर्मचारियों को उत्कृष्ट रेल सेवा सम्मान मिला

■ **सम्मानित कर्मचारियों में परिचालन विभाग के तीन ट्रेन मैनेजर तथा कैरेज एंड वैगन विभाग के तीन तकनीशियन शामिल हैं**

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले सात कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित कर्मचारियों में परिचालन विभाग के तीन ट्रेन मैनेजर तथा कैरेज एंड वैगन विभाग के तीन तकनीशियन शामिल हैं।

मंडल रेल प्रबंधक त्रिपाठी ने जानकारी दी कि परिचालन विभाग से मनोज कुमार सोलंकी, सुधीर रावल एवं शिवाजीत प्रसाद, ट्रेन मैनेजर/जोधपुर, (डीटीआई जसवीर सिंह भी शामिल है) ने मंडल में यात्री सुविधा शिकायत प्रबंधन के लिए विकसित पोर्टल के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। लॉन्च के पहले ही दिन पोर्टल पर 100 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं और संचालन के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा नहीं आई। यह पोर्टल फ्रंटलाइन कर्मचारियों (जैसे स्टेशन सुपरिटेंडेंट एवं ट्रैफिक इंस्पेक्टर) को शिकायतों के केंद्रीकृत प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली अधिक सुदृढ़ एवं उत्तरदायी बनी है। इसी क्रम में कोचिंग डिपो जोधपुर से वरिष्ठ तकनीशियन जुगल किशोर, रूप सिंह तथा टेक्नीशियन विशाल को स्पेशल ट्रेनों जैसे सूर्य रथ स्पेशल एवं अन्य गाड़ियों में उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली एवं सौम्य आचरण के लिए सम्मानित किया गया। इन कर्मचारियों ने टीम भावना के साथ सौंदर्यबोध बनाए रखते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तकनीकी सेवाएं प्रदान कीं। मंडल रेल प्रबंधक त्रिपाठी ने इस अवसर पर सभी सम्मानित कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा आपके अनुकरणीय कार्य अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। इसी प्रकार समर्पण और नवाचार के साथ कार्य करते हुए जोधपुर मंडल को उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर बनाएं। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक राकेश कुमार, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक लोकेश कुमार, वरिष्ठ मंडल इंजीनियरिंग यांत्रिक कैरिज एंड वैगन अमित स्वामी एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिषेक गांधी उपथित रहे।

मांगों को लेकर किसानों का विरोध प्रदर्शन

उदयपुर, (का.स.)। अफीम डोडा चूरा की मांगों को लेकर मंगलवार को गांवों से उदयपुर पहुंचे सैकड़ों किसानों ने रैली निकाली और बाद में कलेक्ट्री पर प्रदर्शन किया। यहां पर अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों का ज्ञापन जिला प्रशासन और बाद में आबकारी आयुक्त को ज्ञापन भी दिया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह उदयपुर जिले के मावली, वल्लभनगर, भींडर, कानोड़ के अफीम किसान उत्पादक यहां पहुंचे। टाउनहॉल में एकत्रित हुए किसान वहां से रैली के रूप में देहलीगेट होते हुए कलेक्टरी पहुंचे और प्रदर्शन किया। किसानों की मांग थी कि आबकारी विभाग द्वारा वर्ष 2018 से 2024 तक का डोड़ा चूरा मांगा गया जो विगत वर्षों का कृषक द्वारा उचित मुआवजे के अभाव में अपने खेतों में डाल कर नष्ट कर दिया गया। सभी ने मांग करते हुए कहा कि अब ऐसे में सभी किसानों के सी फॉर्म भराकर निस्तारण करवाया जाए। उन्होंने वर्ष 2024-25 का डोडा-चूरा के लिए कृषकों को उचित मुआवज़ा देकर नष्टीकरण करवाने की मांग की। अफीम किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दुर्गेश जोशी ने बताया कि आज सात साल का डोडा-चूरा नष्ट के लिए कहा लेकिन सवाल यह है कि जब किसान के घर में अनाज सात साल नहीं रहता है तो डोडा-चूरा कैसे रहेगा। पिछले छह साल के डोडा-चूरा नष्ट का सी फॉर्म दिया जाए और जो वाजिब मुआवजा बनता है उसे दिया जाए।

तीन युवकों ने होटल में तोड़फोड़ की

लोकल को कमरा नहीं देने पर युवकों ने तोड़फोड़ की

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में मनुमार्ग हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित जैन होटल में देर रात तीन युवकों ने आकर कमरा मांगा, लोकल को कमरा नहीं देने पर युवकों ने दुबारा आकर तोड़फोड़ कर दी। कर्मचारियों को पीटा। कर्मचारी डर के कारण भाग गए।

होटल के संचालक सुमित भाटिया ने पुलिस को रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया कि दो युवक सोमवार रात कमरा बुक करने आए थे। कर्मचारियों ने मना कर दिया कि लोकल को कमरा नहीं दिया जाता है। इसके बाद तीन-चार लोग एक कार में बैठकर आए। होटल में घुसते ही उन्होंने कर्मचारियों से मारपीट करना शुरू कर दिया। कर्मचारी बचने के लिए इधर-उधर चले गए। उसके बाद युवकों ने कांच तोड़े। वे घड़ी उतारकर ले गए। कर्मचारियों की सूचना के बाद पुलिस को सूचित किया गया। संचालक ने बताया कि कर्मचारी नहीं भागते तो वे जान से मार देते।

कर्मचारियों ने बताया कि युवकों ने आते ही मोबाइल को उठाकर फेंक दिया। उसके बाद लात-घूसे मारने शुरू कर दिए। कई जगह पत्थर फेंकें। बाद में होटल की घड़ी सहित अन्य सामान ले गए। अब पुलिस मामले की जांच में लगी है। घटना का वीडियो भी पुलिस को सुपुर्द कर दिया है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर युवक से ठगी

पांच लाख रुपए का निवेश किया

जयपुर। करधनी थाना इलाके में ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर एक युवक से पांच लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है।

पुलिस के अनुसार बैनाड रोड झोटवाड़ा निवासी त्रिलोक चंद कुमावत ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पास सोशल मीडिया एप पर एक लिंक आया था जिसमें ऑनलाइन ट्रेडिंग करने पर मोटा मुनाफे की बात कहीं गई। इस पर उसने लिंक पर क्लिक किया और उसमें निवेश करना शुरू कर दिया। शुरू में तो उसे निवेश करने पर लाभांश दिया गया, लेकिन धीरे-धीरे लाभांश देना बंद कर दिया और कई बड़े टारगेट दिए गए। इस दौरान उसने करीब पांच लाख रुपए का निवेश कर दिया। लेकिन बाद में उसे निवेश की गई राशि और लाभांश नहीं दिया गया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा तीन व चार जुलाई को

30 जून को जारी होंगे एडमिट कार्ड, आयोग ने परीक्षा कार्यक्रम जारी किया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोग सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य चिकित्सा शिक्षा विभाग परीक्षा 2024 की भर्ती परीक्षा आगामी 3 व 4 जुलाई को अजमेर जिला मुख्यालय पर आयोजित होगी। सहायक आचार्य के 329 पदों के लिए भर्ती परीक्षा होगी। आयोग द्वारा 30 जून को एडमिट कार्ड आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए जाएंगे। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) परीक्षा-2024 का आयोजन 3 व 4 जुलाई को अजमेर जिला मुख्यालय पर किया जाएगा। परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिए ओएमआर आंसर-शीट के 5वें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। परीक्षा के प्रवेश पत्र 30 जून को आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग ने 11 दिसम्बर 2024 को 329 पदों के लिए भर्ती निकाली थी। आयोग सचिव मेहता ने बताया कि प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ट कर डाउनलोड किए जा सकेंगे।

मंत्री रावत ने माधव सरोवर के रैनोवेशन व रैस्टोरेशन कार्य का जायजा लिया

■ **मंत्री सुरेश सिंह रावत ने अधिकारियों को समयबद्ध पूर्णता के कार्य के निर्देश दिए**

■ **सरकार ने माधव सरोवर के संरक्षण व सुदृढ़ीकरण के लिए 243.86 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं, प्रोजेक्ट की शुरुआत 30 सितंबर 2024 को हुई थी**

अजमेर, (कासं)। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बांदसिंदरी स्थित ऐतिहासिक माधव सरोवर पर चल रहे रेनोवेशन व रिस्टोरेशन कार्यों का मंगलवार भौतिक निरीक्षण किया। मंत्री ने प्रगति, गुणवत्ता और तकनीकी पहलुओं की समीक्षा की। यह कार्य 75 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। उन्होंने अधिकारियों व संवेदक को शेष कार्य तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार सरकार ने माधव सरोवर के संरक्षण व सुदृढ़ीकरण के लिए 243.86 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। योजना के अंतर्गत मिट्टी कार्य, वेस्ट वियर, फीडर निर्माण और फेस वॉल की मजबूती जैसे प्रमुख कार्य शामिल हैं। प्रोजेक्ट की शुरुआत 30 सितंबर 2024 को हुई थी और 29 जुलाई 2025 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है। अब तक परियोजना पर 103.73 लाख रुपए खर्च हो चुके हैं। रावत ने कहा कि माधव सरोवर जैसे पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण क्षेत्र की जल आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक विरासत दोनों के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि मानसून से पूर्व सभी संरचनाएं उपयोग के लिए तैयार होनी चाहिए। उन्होंने विभागीय टीम को कार्य की लगातार मॉनिटरिंग और पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

अजमेर : स्ट्रीट वेंडर्स की याचिका पर कोर्ट में सुनवाई हुई

न्यायालय ने जिला कलेक्टर लोकबंधु और नगर निगम प्रशासन को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया

■ **कोर्ट ने मामले में सुनवाई करते हुए अगली तारीख तय की, बुधवार को सुनवाई होगी**

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम द्वारा वैशाली नगर स्थित नई चौपाटी पर कार्रवाई करते हुए स्ट्रीट वेंडर्स को हटाने का मामला अब कोर्ट पहुंच गया है। नगर निगम की कार्रवाई से नाराज 30 से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स ने कोर्ट शरण लेते हुए दावा पेश किया था जिसमें नगर निगम पर बिना पूर्व नोटिस दिए कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। स्ट्रीट वेंडर्स की ओर से पेश की गई याचिका पर मंगलवार को सिविल न्यायाधीश एवं (कनिष्ठ खंड) उत्तर अजमेर कोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायालय ने जिला कलेक्टर लोकबंधु और नगर निगम प्रशासन को नोटिस जारी किए हैं। मामले की सुनवाई बुधवार को होगी।

स्ट्रीट वेंडर्स के वकील विवेक पाराशर ने बताया कि मंगलवार को कोर्ट ने स्ट्रीट वेंडर्स की अर्जी स्वीकार करते हुए नगर निगम अजमेर और जिला कलेक्टर लोक बंधु को नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब किया है। कोर्ट ने मामले में सुनवाई करते हुए अगली तारीख भी तय कर दी है। अब इस मामले की सुनवाई बुधवार को होगी। वेंडर्स का कहना है कि 18 जून से नगर निगम की टीम लगातार उन्हें बेवजह परेशान कर रही है। सड़कों पर बैठकर अपना जीवन-यापन कर रहे स्ट्रीट वेंडर्स का सामान जब्त किया जा रहा है। कई स्थानों पर दुकानें हटाने की कार्रवाई की जा रही है, जबकि अधिकांश वेंडर्स को कार्रवाई से पहले कोई नोटिस तक नहीं दिया गया। वेंडर्स ने आरोप लगाया है कि नगर निगम ने मनमाने तरीके से कार्रवाई शुरू कर दी। अचानक आई टीम ने सामान को जब्त किया, जिससे रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। इस कार्रवाई के विरोध में वेंडर्स ने सामूहिक रूप से कोर्ट में दावा पेश किया। कोर्ट ने हस्तक्षेप करते हुए नगर निगम और जिला कलेक्टर को नोटिस जारी किया है।

बाइक सवार बदमाशों ने पत्थरबाजी की

जयपुर। मुरलीपुरा थाना इलाके में बाइक सवार तीन बदमाशों ने एक दुकान पर पत्थर फेंके। इससे दुकान के शीशे टूट गए।

पुलिस के अनुसार हनुमान वाटिका गोकुलपुरा निवासी राजपाल सिंह ने मामला दर्ज करवाया कि रोड नम्बर एक शिव नगर में उसकी दुकान है। 21 जून को वह दुकान में बैठा था। इसी दौरान शीशा तोड़कर एक पत्थर उसके पास आकर गिरा। वह समझ पाता एक और पत्थर दूसरी तरफ का शीशा तोड़कर दुकान के अंदर आ गया। इस पत्थर से उनका एक कर्मचारी घायल होने से बच गया। जब उसने बाहर निकलकर देखा तो एक बाइक तीन बदमाश सवार होकर भागते नजर आए। इस पर पीड़ित ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गोल्ड कॉइन में इंवेस्ट के नाम पर हवलदार से 21 लाख की ठगी

■ **पीड़ित सेना के हवलदार की तरफ से परिवाद दिया गया, रातानाडा पुलिस ने केस दर्ज कर शुरु की**

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा स्थित हामिदबाग आर्मी एरिया में रहने वाले सेना के हवलदार से शातिरों ने गोल्ड कॉइन में इंवेस्टमेंट के नाम पर धोखाधड़ी करते हुए 21 लाख रूपए ऐंठ लिए। घटनाक्रम दो अप्रेल से शुरू हुआ और गत बीस दिनों में इतनी बड़ी रकम को ऐंठ लिया गया। पीड़ित हवलदार की तरफ से परिवाद दिया गया। जिस पर रातानाडा पुलिस ने अब केस दर्ज कर जांच आरंभ की है।

रातानाडा पुलिस ने बताया कि मूलतः बिहार के छपरा स्थित मुसेपुर हाल हामिदबाग आर्मी एरिया में रहने वाले रत्नेश कुमार की तरफ से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इसमें बताया कि वह सेना में हवलदार के पद पर कार्यरत है। 2 अप्रेल को उन्होंने गूगल पर प्ले स्टोर पर जाकर माइंड गेम के तहत गोल्ड कॉइन में इंवेस्टमेंट के नाम पर पता लगने पर वहां निवेश करना शुरू किया था। जिस पर शुरूआत में उन्हें लाभ मिलता रहा और फिर प्ले स्टोर पर ही शातिरों से पहचान बढ़ने पर उन्होंने बड़ी रकम को इंवेस्ट करने को कहा। जिस पर उनके द्वारा कई बार में रूपए लगाए गए। आखिरकार हाल में अंतिम बीस दिनों में उनके द्वारा काफी रकम लगा दी गई। 2 अप्रेल से लेकर हाल में उनसे 21 लाख की ठगी कर ली गई।

पुलिस ने बताया कि हवलदार रत्नेश कुमार की तरफ से पुलिस में पहले परिवाद दिया गया था, जिस पर अब केस दर्ज करवाया गया है। उनके अनुसार गत साल भी उनसे ठगी हुई थी, मगर इसमें कितनी राशि ठगी गई इसका जिक्र नहीं किया गया है।

अवैध पत्थर भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

■ **80 फीट रोड से अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रैक्टर - ट्रॉली को जब्त किया, चालक मौके से फरार हो गया**

निवाई, (निसं)। निवाई थाना पुलिस ने अवैध चेजा पत्थर का परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।

थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि अवैध खनन व परिवहन पर रोकथाम अभियान के अंतर्गत पुलिस टीम ने वनस्थली मोड पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर ट्रॉली में भरे हुए पत्थरों के बारे में पूछताछ की। चालक के पास किसी भी प्रकार का वैध कागजात नहीं होने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को मय चेजा पत्थर के जब्त कर लिया। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक सुरेशचंद पुत्र गजानंद मीणा निवासी खणदेवत रोड़ को गिरफ्तार कर लिया। इसी प्रकार 80 फीट रोड से अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रैक्टर -ट्रॉली को जब्त किया है। चालक मौके से फरार हो गया।

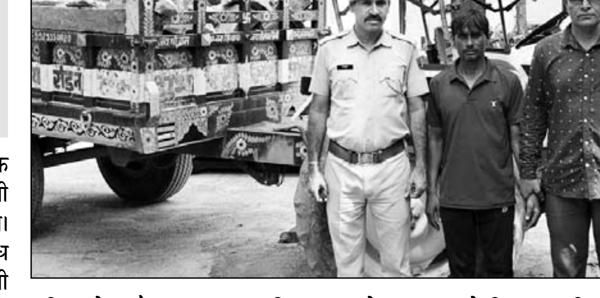

पुलिस ने अवैध पत्थर का परिवहन करते चालक को गिरफ्तार किया।

संक्षिप्त

सोलर प्लेट केबल चोरी

सिरस। गांव वजीराबाद व खलीलाबाद में किसानों के कुओं पर लगी करीब डेढ़ लाख रूपए की लागत की सोलर प्लेट केबल को चोर काटकर ले गए। जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। सूचना पर बरौनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। किसानों ने बरौनी पुलिस को बताया कि रामजीलाल मीणा, सूरज मीणा, पप्पूलाल मीणा, प्रहलाद जाट व राम कल्याण जाट के कुओं पर लगी सोलर प्लेट की केबलों को अज्ञात चोर काटकर ले गए। ग्रामीणों ने बताया कि पहले भी कई कुओं पर लगी सोलर प्लेट की केबले भी चोरी हो चुकी है। क्षेत्र के किसानों ने चोर गिरोह को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की है। बरौनी पुलिस ने केबल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

बालकिशन संयोजक मनोनीत

श्रीमाधोपुर। स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान की भरतपुर में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला एवं विचार वर्ग में कस्बे के बालकिशन चेजारा को अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख धर्मेंद्र दुबे क्षेत्रीय संयोजक सतीश आचार्य प्रांत संयोजक सुरेंद्र कुमार नामा की अभिशंसा पर विभाग संयोजक निर्मल सिंह द्वारा श्रीमाधोपुर तहसील संयोजक के पद पर नियुक्त किया है ये शीघ्र ही स्वदेशी जागरण मंच की श्रीमाधोपुर तहसील कार्यकारिणी का गठन कर स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ के तहत स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग एवं उपभोग तथा विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की मुहिम चलाएंगे

मंदिर में डी फ्रिज भेंट

श्रीमाधोपुर कस्बे के मंदिर श्री गोपीनाथ जी श्रीमाधोपुर मे मालीराम जी बजाज चोमू वालों की ओर से एक डीप फ्रीज भेंट किया गया जिसकी लागत लगभग 40 हजार है ,उक्त डी फ्रिज का उपयोग ठाकुर जी के माला श्रृंगार ,भोग, एवं राग की वस्तुओं कोसुरक्षित रखने के लिए किया जाएगा। उपस्थित सभी भक्तों ने मालीराम चोमू वालों को धन्यवाद देते हुई उनकी मनोरथ पूर्ति हेतु ठाकुर से निवेदन किया उक्त समारोह में सुभाष नारिया , मुरारी न्यारिया , कालूराम सैनी , हेमंत शर्मा, रामनाथ शर्मा , माली राम शर्मा, गिरधारी लाल चौधरी आदि भक्तगण उपस्थित थे।

ग्रामीण क्षेत्र में नलकूपों की स्वीकृति

पावटा । विधानसभा क्षेत्र विराटनगर के ग्रामीण क्षेत्र में विधायक कुलदीप धनकड़ की अनुशंसा पर पेयजल हेतु 15 हैंडपंपों की स्वीकृति मिली है। विधायक कुलदीप धनकड़ ने नलकूपों की स्वीकृति पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जलदाय विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी का आभार जताया है। जानकारी देते हुए जलदाय विभाग विराटनगर के सहायक अभियंता दयाराम चौधरी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत नलकूपों में ग्राम पंचायत बड़ोदिया के ग्राम बड़ोदिया में कुंडाल, ग्राम पंचायत भामोद के ग्राम कुकडेला में मंदिर के पास, ही कार्य शुरू करवा दिया जाएगा।

तीये की बैठक

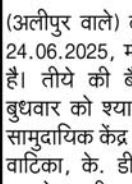

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है की हमारे पूजनीय पिताजी

अशोक कुमार गोयल

(अलीपुर वाले) का स्वर्गवास दिनांक 24.06.2025, मंगलवार को हो गया है। तीये की बैठक 25.06.2025, बुधवार को श्याम 4 से 5 बजे तक सामुदायिक केंद्र (घर के पास), श्याम वाटिका, के. डी. पब्लिक स्कूल के सामने वाली गली, वाटिका रोड, जयपुर में होगी।

शोकाकुल- मदन गोयल, कैलाश गोयल, सुनील गोयल (भ्राता), नितेश गोयल, रोहित गोयल (पुत्र), भरत, यश (भतीजे), तनिश (पौत्र) एवं समस्त गोयल परिवार।

मो. 9828123044, 9828228680, 8377068387, 9602765070

नम्बर मिलाइए
9587884433

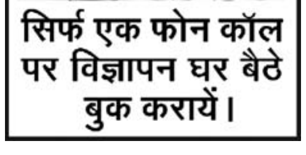

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

क्षतिग्रस्त सड़क को लेकर ग्रामीणों ने अटल सेवा केंद्र के ताला ठोका

निवाई। गांव पराना में क्षतिग्रस्त सड़क के ममाले को लेकर नाराज ग्रामीणों ने सड़क निर्माण करवाने की मांग को लेकर अटल सेवा केंद्र पर ताला लगाकर

- आक्रोशित ग्रामीणों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविर का बहिष्कार किया
- अधिकारियों की समझाईस के बाद ग्रामीणों ने खोला ताला

निवाई के गांव पराणा में क्षतिग्रस्त सड़क को लेकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया।

विरोध प्रदर्शन करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविर का बहिष्कार किया। ग्रामीणों ने बताया कि बरौनी से सिरस सड़क पर कालीवाडा ढाणी के सामने सड़क उखड़ने से गहरे गड्ढे हो गए हैं। सड़क के गड्ढों में बरसात में पानी भरने से राहगीरों व ग्रामीणों को समस्याएं बनी हुई है। कई दुपहिया वाहन चालक गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे है। उन्होंने बताया कि सडक के निर्माण की मांग को लेकर प्रशासन से कई बार अवगत करवाने के बाद भी रास्ते पर नाली व पक्की सड़क नहीं बनाई गई है। जिससे गांव पराना, वजीराबाद व खलीलाबाद के नाराज ग्रामीणों ने सडक निर्माण की मांग को लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविर का बहिष्कार कर अटल सेवा केंद्र के ताला लगा कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाईस करने के लिए नायब तहसीलदार पूजा अटल, सरपंच गिर्राज बूरी, गिरदावर मुकेश बिंदोरा व हल्का पटवारी रामजीलाल चौधरी सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मांग को देखते हुए क्षितग्रस्त सडक का अवलोकन कर सडक को जल्दी ही ठीक करवाने का आश्वासन दिया। इस दौरान अधिकारियों की समझाईस के बाद ग्रामीणों ने आंदोलन बन्द करके अटल सेवा केंद्र का ताला खोला और पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविर का आयोजन किया गया।

मनोज बंसिया का अभिनंदन

श्रीमाधोपुर । विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष मनोज बंसिया का श्रीमाधोपुर रोटरी भवन में सर्व समाज संघ सामाजिक संगठनों के द्वारा एक साथ नागरिक अभिनंदन किया। यह जानकारी देते हुए मुकेश कुमार शर्मा ने बताया गया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी राम रतन सोनी ने की वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में आयुर्वेद चिकित्सा डॉक्टर चंद्र प्रकाश व्यास उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजशास्त्री डॉक्टर सोहनलाल शर्मा ने कहा कि आज हिंदू समाज संक्रमण काल से गुजर रहा है संक्रमण काल से निकलने के लिए गांव-गांव मोहल्ले मोहल्ले में संगठन खड़ा करना होगा विशिष्ट अतिथि राम रतन सोनी ने मनोज बंसिया के उल्लेखनीय कार्यों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि डॉ चंद्र प्रकाश व्यास ने कहा हिंदू समाज की एकता सामानता और विकास के लिए एकजुट होकर काम करने की आवश्यकता है। विश्व हिंदू परिषद के पूर्व जिला अध्यक्ष डा. माधव सिंह ने संकल्पित होकर समाज के लिए काम करने का आव्हान किया।नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए मनोज बंसिया ने कहा की हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को विधर्मी शक्तियों के खिलाफ एकजुटता से काम करने की आवश्यकता है ।

दो पंप मंगवाए

मनोहरपुर। कई अधिकारी ऐसे भी होते है जो जनता के भले के लिए दिन रात सोचते है और कार्य को अंजाम देते है। ऐसे लोग ही जनता के दिलो में राज करते है उन्ही अफसरों में है एक अधिकारी है मनोहरपुर नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव, अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव के निर्देश पर नगर पालिका ने जलभराव वाले स्थानों पर पंप लगाकर पानी निकालने की व्यवस्था की है। साथ ही पंप ऑपरेटरों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए है। जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए मुख्य बस स्टैंड पुलिया के नीचे बने नाले से कीचड़ निकलवाया गया। मानसून से पहले ही नगर पालिका ने तैयारी शुरू कर दी है, जिससे शहर में जलभराव की समस्या न हो। अधिशासी अधिकारी हरिनारायण यादव ने बताया कि जलभराव की बार-बार शिकायत मिलने पर मट पंप मंगवाए गए है। अधिशासी अधिकारी हरिनारायण यादव की पहल से मनोहरपुर नगर पालिका ने जलभराव की समस्या से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं उनकी दूरदर्शिता और सक्रियता से शहरवासियों को मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी।

अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव व भाजपा नेता उपेन यादव ने गत दिवस बस स्टैंड नाले का निरीक्षण किया था, जहां स्थानीय निवासियों ने उन्हें इस समस्या से अवगत कराया था। वहीं अधिशाषी अधिकारी ने टेंडर कर नाले की सफाई करवाई और दो मट पंप मंगवाए गए हैं।

जल संकट पर अधिकारियों को निर्देश

भरतपुर (निस)। भरतपुर की पूर्व सांसद रंजीता कोली ने अपने बयाना निवास कार्यालय पर जनसुनवाई करते हुए आमजन की विभिन्न समस्याएं सुनीं। भीषण गर्मी के कारण क्षेत्र में उत्पन्न जल संकट को लेकर बड़ी संख्या में नागरिकों ने पानी की समस्या से अवगत कराया।

कोली ने जनता की पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से तुरंत समुचित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पानी जैसी बुनियादी सुविधा की आपूर्ति बाधित होना बेहद चिंताजनक है और इसके निराकरण के लिए प्रशासन को त्वरित कदम उठाने चाहिए पूर्व सांसद के आवास पर प्रतिदिन दर्जनों लोग अपनी विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंच रहे हैं, जिनमें पेयजल संकट, बिजली की समस्या, आवास, पेंशन, व सामाजिक योजनाओं से जुड़ी शिकायतें शामिल हैं। कोली ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने यह भी कहा कि जनसेवा ही उनका उद्देश्य है। और वे सदैव जनता के साथ खड़ी रहेंगी।

जनप्रतिनिधि निक्षय मित्र बने

निवाई। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पखवाड़ा के अंतर्गत ब्लॉक के ग्राम पंचायत बड़ागांव, अरनिया और श्रीरामपुरा में कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निक्षय पोषण योजना के तहत जरूरतमंद रोगियों को पोषण किट वितरित की गई। ब्लॉक हेल्थ सुपरवाइजर विष्णुकान्त खंगार ने बताया कि कैंप के दौरान बड़ागांव सरपंच पिंकीदेवी सांखला ने समाज में जागरूकता फैलाते हुए खुद निक्षय मित्र बनकर टीबी रोगी रामराय सांखला और गोकुल देवी को पोषण किट भेंट की। वहीं ग्राम पंचायत अरनिया में निक्षय मित्र मुकेश गुर्जर और राजाराम मीना ने बसराम नामक टीबी रोगी को पोषण सामग्री प्रदान की। इस अवसर पर तहसीलदार नरेश गुर्जर और बीसीएमओ डॉ. पवन हाथीवाल भी मौजूद रहे। उन्होंने निक्षय योजना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और टीबी मुक्त भारत की दिशा में यह एक सशक्त कदम है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को टीबी रोग के लक्षण के बारे में बताया।

पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे : संभागीय आयुक्त

- कोई भी नागरिक शिविरों से निराश नहीं लौटे : कलक्टर

भरतपुर (निस)। नये संभागीय आयुक्त डॉ. टीना सोनी एवं नवीन जिला कलक्टर कमर उल जमान चौधरी ने मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे के तहत आयोजित शिविरों का निरीक्षण कर मौके पर सभी विभागों को पात्रजनों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये।

संभागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर ने उच्चैन ब्लॉक के ग्राम पंचायत फतेहपुर में एवं सेवर ब्लॉक के ग्राम पंचायत जघीना में शिविर का निरीक्षण कर विभागवार प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिये कि शिविर में आया हुआ कोई भी व्यक्ति निराश नहीं लौटे। संभागीय आयुक्त ने कहा कि किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड, पशुओं में टीकाकरण, राजस्व संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिये शिविर से पूर्व प्रचार-प्रसार कर मौके पर लाभान्वित किया जाये। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप शिविर में शामिल सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि ग्राम पंचायत का कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे।

जिला कलक्टर ने कहा कि अधिकारी आवश्यकता पडने पर प्री कैम्प आयोजित कर योजनाओं के पात्र व्यक्तियों को चिन्हित कर शिविर के दौरान लाभान्वित करें। उन्होंने राजस्व विभाग की टीम को ग्राम पंचायत में अधिक से अधिक आपसी सहमति से खाते विभाजन कराने, रास्तों से अतिक्रमण हटवाने, नामांतकरण व सीमाज्ञान के लम्बित प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को गलघोंटू व लंगड़ा बुखार के टीके लगाने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें, प्रत्येक पशुपालक को जानकारी देकर टीकाकरण करें। उन्होंने पंचायत राज विभाग को सामाजिक सुरक्षा के तहत सभी प्रकार की पेंशनों का सत्यापन करने, पात्रजनों को स्वामित्व का पट्टा जारी करने एवं विभागीय योजनाओं में पात्र व्यक्तियों को सूचीबद्ध करने के निर्देश दिये। उन्होंने जलदाय विभाग को गांवों में जलाशयों की सफाई कराने, लीकेज ठीक करने, विद्युत निगम को ढीले तार ठीक करते हुये विद्युत समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद मृदुल सिंह, उपखण्ड अधिकारी उच्चैन भारती गुप्ता, उपखण्ड अधिकारी भरतपुर राजीव शर्मा, एसीईओ विनय मित्र, सीएमएचओ डॉ. गौरव कपूर, अधीक्षण अभियंता जलदाय नरेन्द्र वर्मा, विद्युत रामहेत मीना, संयुक्त निदेशक पशुपालन खुशीराम मीणा सहित संबंधित विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

फतेहपुर शिविर में पंचायत राज विभाग द्वारा 25 पेंशनों का सत्यापन करते हुये एक मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया गया। शिविर में एक पट्टा जारी किया, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में तीन परिवारों का सत्यापन किया गया। जलदाय विभाग द्वारा उच्च जलाशय की सफाई करवाई गई तथा दो लीकेज ठीक कराए गए। राजस्व विभाग द्वारा आपसी सहमति से पांच विभाजन किए गए एवं 10 नामांकन खोले गए तथा एक रास्ते से अतिक्रमण हटाया गया। शिवर में दो सीमा ज्ञान तथा एक पत्थर गढ़ी कराई गई, 10 जाति प्रमाण पत्र व 10 मूल निवास पत्र जारी किए गए। समाज कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक सुरक्षा की 10 पेंशनों का सत्यापन किया गया, पशुपालन विभाग द्वारा 165 पशुओं की जांच की गई।

जमाबंदी की त्रुटि दुरूस्त की

अलवर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राज्य सरकार द्वारा संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडा के अंतर्गत अलवर जिले में लगाए जा रहे शिविर आमजन के चेहरों पर मुस्कान लाने का काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में रामगढ तहसील की ग्राम पंचायत साहडोली में आयोजित शिविर में साहडोली निवासी महता के राजस्व रिकॉर्ड को दुरुस्त कर मौके पर ही राहत मिली। लाभार्थी महता ने बताया कि जमाबंदी रिकॉर्ड में पिता का नाम एवं जाति गलत दर्ज हो जाने के कारण काफी परेशानी हो रही थी। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत के माध्यम से पता चला कि 24 जून को ग्राम पंचायत में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे के अंतर्गत शिविर लगाया जा रहा है जिसमें राजस्व रिकॉर्ड, जमाबंदी आदि में होने वाली त्रुटियों को सही किया जाने का काम होगा। शिविर में आने पर जब राजस्व विभाग के अधिकारियों को मेरी जमाबंदी में पिता के नाम व जाति त्रुटि को दुरुस्त कराने के अवगत कराया।

पखवाड़े का उद्देश्य है अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे : कलेक्टर

किशनगढ़ बास। पंचायत समिति किशनगढ़ बास की ग्राम पंचायत औदरा पर मंगलवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के प्रथम दिन लगे शिविर का जिला कलक्टर किशोर कुमार ने निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने शिविर में पहुंच कर विभिन्न विभागों की स्टॉल्स का अवलोकन कर प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं और वस्तुस्थिति की जानकारी ली शिविर और लाभार्थियों से संवाद कर शिविर का फीडबैक लिया। उन्होंने अधिकारियों और कार्मिकों को निर्देश दिए कि शिविरों में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को पात्रतानुसार और सरकार की मंशानुरूप लाभ प्रदान करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि पखवाड़े का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने राजस्व विभाग को आवंटित कार्यों, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बीपीएल परिवारों के बैंक सत्यापन, आवेदन प्राप्ति और सर्वे कार्यों की

गांव ओदरा में आयोजित शिविर का कलेक्टर किशोर कुमार ने निरीक्षण किया ।

समीक्षा की। उन्होंने एनएफएसए अंतर्गत लंबित प्रकरणों के निस्तारण, आधार सीडिंग, ई के वाईसी, पीएचईडी विभाग को टंकियों की साफ सफाई एवं लीकेज की मरम्मत करने को कहा एवं लीकेज कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग को पेंशन सत्यापन कार्य शत प्रतिशत पूर्ण करने, राजस्व विभाग को लंबित पत्थरगढ़ी, सीमाज्ञान, नामांतरण, कुरेजात एवं रास्तों के प्रकरण के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने पंचायती राज विभाग के अधिकारियों को स्वामित्व कार्ड वितरण करने एवं जल संरचनाओं की मरम्मत के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला कलेक्टर ने उपस्थित ग्रामजनों से अपील की कि शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और पात्रतानुसार सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं। 25 जून को उपखंड किशनगढ़ बास में कोलगांव एवं मेहरमपुर, उपखंड कोटकासिम में बघेरी खुर्द, नांगल सालिया, उपखंड मुंडावर में करनीकोट, तातारपुर एवं शामदा, उपखंड टपूकड़ा में मसीत एवं खिदरपुर, उपखंड तिजारा में राय खेड़ा एवं हिंगवाहेड़ा में कैंप आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा सरकार में गांव, किसान, गरीब का उत्थान : सांसद राव राजेंद्र सिंह

शाहपुरा। मोदी सरकार के गौरवशाली 11 वर्ष संकल्प से सिद्धि तक के उपलक्ष्य में भाजपा शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र की कार्यशाला चन्द्र महल पैलेस गार्डन शाहपुरा में मंगलवार को जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई।

भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया सह प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद राव राजेंद्र सिंह ने भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं धूप दीप जलाकर किया।

- मोदी सरकार के गौरवशाली 11 वर्ष संकल्प से सिद्धि कार्यशाला का शाहपुरा में आयोजित

भाजपा शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र की कार्यशाला जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई।

इस दौरान सांसद राव राजेंद्र सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार के 11 साल में गांव, किसान, गरीब का उत्थान हुआ है। भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र न होकर संकल्प पत्र है जो कि सिद्ध भी हुआ है। जिनमें सभी जनकल्याणकारी योजनाएं है जिसमे सभी लोगों को समान रूप से लाभ मिला है। जिसमें विश्वकर्मा योजना, उज्ज्वला योजना, मुद्रा लोन, स्टार्टअप इंडिया, आयुष्मान भारत, स्वनिधि योजना, स्वच्छ भारत मिशन, ई बस सेवा, अटल मिशन, भारतीय जन आयुष परियोजना, उजाला योजना, सौभाग्य योजना, डिजिटल पेमेंट इनफार्मेशन, खेलो इंडिया, उड़ान, वंदे भारत ट्रेन, कोरोना निदान वैक्सीन, नई शिक्षा नीति, धारा 370 खत्म, तीन तलाक़ बिल, जीएसटी, खुले में शौच से मुक्ति, महिलाओं को जहरीले धुएं से मुक्ति, संसद में 33 महिलाओं को आरक्षण, प्रधानमंत्री आवास योजना, नल से जल, भ्रष्टाचार मुक्त मिनिस्ट्री, जीरो बम धमाके, दुनियां में दूसरे नंबर पर मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, 100 रेलवे विद्युतीकरण की तरफ अग्रसर, 12.1 प्रतिदिन से 28.6 प्रतिदिन सड़कों का निर्माण, सेमी हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेनों की संख्या 40 पहुंची, जल्द ही 75 करने का इरादा, बुलेट ट्रेन, बड़े शहरों को मेट्रो से जोड़ना, पेमेंट, कोविड हैंडलिंग और मुफ्त टीकाकरण आदि कई जनकल्याणकारी योजनाओं से हमारे भारत देश की उन्नति हुई है। इस दौरान भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी, पूर्व प्रधान एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष मंजू सैनी, भाजपा शाहपुरा शहर मंडल अध्यक्ष मालीराम सैनी, रामचंद्र यादव, आदि मौजूद थे।

आम सूचना सर्वसाधारण एवं आम खास को सूचित किया जाता है हम रामनिवास कश्यप पुत्र रामचन्द्र कश्यप एवं श्रीमती मीरा देवी पत्नि रामनिवास कश्यप निवासी 17, गोपी कॉलोनी, सांगानेर, जयपुर के रहने वाले है। हमारे पुत्र आशिष कश्यप, संदीप कश्यप एवं उनकी पत्नी प्रियंका कश्यप व सपना कश्यप हमारे कहने सुनने मे नही है एवं खिलाफ है जो कि अन्य लोगो की बातो मे आकर हमसे लड़ाई झगड़ा करते है जिस कारण हमने दोनो पुत्र आशिष कश्यप व संदीप कश्यप व पुत्रवधू प्रियंका कश्यप व सपना कश्यप को अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा इनके साथ हमारा कोई भी पारिवारिक रिश्ता नही है । यदि कोई व्यक्ति इनके साथ हमारा नाम लेकर व विश्वास मे लेन देन करता है तो इसमे हमारी कोई ज़िम्मेदारी नही होगी। अतः सूचित रहे ।
दिनांक रामनिवास कश्यप, मीरा देवी कश्यप

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती अंजू पोद्दार पत्नी श्री राजेश कुमार पोद्दार ने श्री दीपक सेठी पुत्र श्री रमेश चन्द सेठी एवं श्रीमती उषा सेठी पत्नी श्री दीपक सेठी निवासी मकान न. जी-154, श्याम नगर विस्तार, जयपुर से एक आवासीय भूखण्ड संख्या जी- 154, जो न्यू पिंक सिटी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर की श्याम नगर विस्तार योजना द्वारा आवंटित किया हुआ है एवं जिसका वर्तमान में जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर द्वारा क्षेत्रफल 233.33 व.ग. का पटटा जारी है को क्रय करने के लिए इकरारनामा किया है यदि किसी भी तरह से उक्त सम्पति में हित रखने वाला कोई भी व्यक्ति जिसे उक्त विक्रय से आपत्ति है तो इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7(सात) दिनों के भीतर सम्बधित दस्तावेजों के साथ लिखित रूप में मेरे समक्ष आपत्ति प्रस्तुत करे यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियाँ प्रस्तुत नहीं की जाती हैं तो मेरी अभिभाष्या उक्त सम्पति की रजिस्ट्री अपने हक में करा लेगी। शैलेन्द्र सिंह परमार, एडवोकेट, प्लॉट नम्बर 18, शिव कॉलोनी, किसान मार्ग, टोंक फाटक, जयपुर। मोबाईल नम्बर 9829051411 शैलेन्द्र सिंह परमार एडवोकेट मो.न. 9829030989

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल डॉ.रियाजुद्दीन निवासी प्लाट नंबर 47, नींदड राव जी का रास्ता, चांदपोल, जयपुर का पुत्र आमिर मेरे कहने में नहीं है एवं उसने मेरी मर्जी के खिलाफ जाकर अपनी मर्जी से प्रेम विवाह कर लिया है तथा उसने मेरे मुवक्किल की सामाजिक प्रतिष्ठा व मान सम्मान को नुकसान पहुंचाया है, इसलिए मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र आमिर को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, आज से आमिर का मेरे मुवक्किल व उसकी चल-अचल संपत्ति से कोई संबंध व हक अधिकार नहीं रहा है तथा आमिर के द्वारा किये जाने वाले संव्यवहार, लेन-देन व कार्यों के बारे में मेरे मुवक्किल की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं है। अतः सूचित रहे।
(मौहम्मद आबिद) एडवोकेट, मो.-9782590863, 9352570361

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-4777 दिनांक-23/06/2025
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास / फ्लैट संख्या 105/172 (MIG-B) का आवंटन श्री मूल चन्द रैगर पुत्र स्व. गंगा राम रैगर को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2480 दिनांक 07.12.1996 को जारी किया गया था। इनके पक्ष मे पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 05.03.1997 को कर दिया गया।
श्री मूल चन्द रैगर की मृत्यु दिनांक 16.06.2021 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती मीनाक्षी पत्नी स्व. श्री मूल चन्द रैगर द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम रजिस्टर्ड हक त्याग के आधार पर मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।
अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती मीनाक्षी पत्नी स्व. श्री मूल चन्द रैगर का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

खोया पाया
मेरे मकान नंबर 22 बी 40 RHB स्कीम प्रताप नगर, सांगानेर के सभी मूल दस्तावेज कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें रीना हाडा 9828299940

मेरा मकान नम्बर 10/H/128 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर का अलाटमेंट लेटर नम्बर 2493 कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें विनोद- 9680460910

नाम परिवर्तन
मैने मेरी माता का नाम लालो गोयल से बदलकर चंद्रकला गोयल रख लिया है भविष्य में इन्ही इसी नाम से जाना जावे। 162/16 सैक्टर 16, प्रतापनगर, सांगानेर

मै विनोद कुमार ने अपने पुत्र का नाम Pranay Raj (Pushpit) एवं Pranay Raj एव Pushpit से बदलकर Pranay Raj Maheshwari रख लिया है। निवासी- शास्त्री नगर, सिरोही (राज.) वर्तमान पता- 52/71 कृष्णा नगर रंगबाड़ी, कोटा (राज.)

मै अपना नाम ब्रजेश कुमार शर्मा से बदलकर ब्रजेश शर्मा कर रहा हुं भविष्य में मुझे इसे इसी नाम से जाना जावे एफ-3 प्लॉट नं.45 शिव विला-3 कैलाशपुरी कॉलोनी कांटा चौराहा झोटवाडा जयपुर-302012. 9461338030

I HAVE CHANGED MY NAME FROM DHARMENDRA KUMAR SONI TO DHARMENDRA SONI THEREFORE I WILL BE KNOWN OR DISTINGUISHED IN PUBLIC BY NEW NAME OF DHARMENDRA SONI, P.NO. 81-B ROOP NAGAR-2, MAHESH NAGAR LALKOTHI JAIPUR RAJASTHAN-302015

I HAVE CHANGED MY NAME FROM SUSHEELA DEVI MOSUN TO SUSHILA DEVI MOSUN THEREFORE I WILL BE KNOWN OR DISTINGUISHED IN PUBLIC BY NEW NAME OF SUSHILA DEVI MOSUN A-57, SHREERAM MARG, SHYAM NAGAR, SODALA JAIPUR RAJASTHAN-302019

I HAVE CHANGED MY NAME FROM MEENAKSHEE AGRAWAL TO MAYA AGARWAL THEREFORE I WILL BE KNOWN OR DISTINGUISHED IN PUBLIC BY NEW NAME OF MAYA AGARWAL, 17 JAI JAWAN COLONY 3RD JLN MARG Jaipur Rajasthan-302018

सार्वजनिक सूचना
यह सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि एफ-1038, रीको इंडस्ट्रियल एरिया, भिवाड़ी स्थित संपत्ति मैसर्स दीपक इंडस्ट्रीज की स्वामित्व वाली संपत्ति है, जिसे उन्होने 12.06.2024 को मैसर्स आर. एस. कुकवेयर प्रा. लि. से बिक्री विलेख के माध्यम से खरीदा है। निम्नलिखित मूल चेन शीर्षक दस्तावेज उपरोक्त संपत्ति से संबंधित हैं जो गुम हो गए है और अनुपलब्ध है।
- मूल आवंटन पत्र क्रमांक 1577 दिनांक 29.04.1999
- कार्यालय आदेश क्रमांक 2921 दिनांक 15.07.1999 (नाम परिवर्तन हेतु)
- मूल लीज़ डीड दिनांक 31.03.2000, जो RIICO और M/s OHP Food Products Pvt. Ltd. के बीच निष्पादित हुआ
- मूल सशर्त विलेख दिनांक 01.05.2008, जो राजस्थान वित्तीय निगम और श्री सतीश जैन के बीच निष्पादित हुआ
- मूल पावर ऑफ अटॉर्नी दिनांक 19.10.2011, श्री सतीश जैन द्वारा श्री मनीष गर्ग के पक्ष में
- मूल बिक्री विलेख दिनांक 16.08.2021. श्री सतीश जैन, श्री मनीष गर्ग (पीओए) धारक और एम/एस आर.एस. कुकवेयर के बीच निष्पादित मूल ट्रांसफर पत्र क्रमांक 3537-3540 दिनांक 19.09.2012 इस संदर्भ में FIR NO. LR No. 915720/2020 दिनांक 12.10.2020 को पहले ही दर्ज की जा चुकी है, और पेपर प्रकाशन RIICO द्वारा दिनांक 21.01.2021 को किया गया था, जिसके अनुसार संपत्ति का स्वामित्व उनके पक्ष में RIICO द्वारा स्थानांतरित कर दिया गया है। आगे, पंजाब नेशनल बैंक, बीओ एमसीसी अलवर, उपरोक्त संपत्ति को मैसर्स दीपक इंडस्ट्रीज के ऋण सुविधा के लिए गारंटी के रूप में बंधक रखने का इरादा रखता है। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त दस्तावेजों को प्राप्त करता है या संपत्ति में कोई अधिकार/हित दावा करता है, तो वह इन दस्तावेज़ों को तत्काल पंजाब नेशनल बैंक, एमसीसी अलवर या मैसर्स दीपक इंडस्ट्रीज से संपर्क कर लौटाए और इनके किसी भी प्रकार के अनधिकृत उपयोग से परहेज करें।
वरिष्ठ शाखा प्रबंधक
पंजाब नेशनल बैंक

न्यायालय जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जयपुर तृतीय जयपुर
(फार्म नं.3)
परिवाद अन्तर्गत धारा 35 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019
परिवाद संख्या 40/24
हैप्पी शर्मा बनाम विनीत व अन्य
की विनित पुत्र नामालूम, कार्यालय पता- जी-89, रायसर प्लाजा इन्दिरा बाजार, जयपुर (राज.)
आपको एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि हैप्पी शर्मा पुत्र त्रिवेणी श्याम शर्मा, निवासी -7 गोवर्धन धाम कॉलोनी, गोनेर रोड, जयपुर (राज.)
....ने इस जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष एक परिवार पेश किया है, जिसकी प्रतिलिपि संलग्न है।
आपको एतदद्वारा निर्देशित किया जाता है इस नोटिस की प्राप्ति के 30 दिवस के अन्दर अपना पक्ष प्रस्तुत करें एवं अपने बचाव में पेश करने वाले समस्त साक्ष्य एवं दस्तावेजों को पेश करें।
आपको पुनः सूचित किया जाता है कि प्रकरण की सुनवाई दिनांक 30/7/25 को 10 बजे दिन में रखी गयी है। यदि आप स्वयं अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित होने में असफल रहे तो उपर्युक्त सुनवाई की तारीख पर परिवाद का एकपक्षीय निर्णय कर दिया जायेगा।
रीडर
मोहर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जयपुर-तृतीय, जयपुर

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद
सवाई मानसिंह स्टेडियम, जनपथ, जयपुर कार्यालय दूरभाष नं0 0141-2744283, फैक्स नं0 0141-2740568, ईमेल आईडी - rsscjaipur@gmail.com
क्रमांक :- एफ-10(1)खे. अ./टेण्डर/2025/124 दिनांक :- 19/06/2025
निविदा संख्या 19/2025-26
राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर द्वारा संचालित क्रिकेट एरिना, जयपुर हेतु निर्माता/अधिकृत विक्रेताओं से क्रिकेट एरिना उपकरणों (Cricket Areana Equipment) की आपूर्ति हेतु सील बन्द लिफाफों में एतद् द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर कार्यालय में दिनांक 19.06.2025 को प्रकाशित कर 30.06.2025 को अपरान्ह 1.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा उसी दिन सायं 4.00 बजे उपस्थित निर्माता/अधिकृत विक्रेताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगीं। निविदा का सम्पूर्ण विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in & www.rssc.in पर देखी जा सकती है।
UBN No.: RSC2526GSOB00020
राज.संवाद/सी/25/4750 सचिव

संक्षिप्त

मेधावी बेटी को स्कूटी मिली

श्रीमाधोपुर। 24 जून से 9 जुलाई तक आयोजित होने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के प्रथम दिन स्कूटी वितरण शुरू हुआ। श्रीमाधोपुर की मेधावी बेटी पूर्वा को सीकर से श्रीमाधोपुर पहुंचने पर नगरपालिका के सामने श्रीमाधोपुर नगरपालिका अध्यक्ष हरिनारायण महंत के नेतृत्व में स्वागत किया। कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना व देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण योजना के तहत फ्री स्कूटी मिलने पर पूर्वा बेहद खुश नजर आई। श्रीमाधोपुर नगरपालिका अध्यक्ष हरिनारायण महंत ने छात्रा को परीक्षा में मिली सफलता के लिए बधाई दी, उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और जीवन में लक्ष्य तय करके आगे बढ़ने का मंत्र दिया। महंत ने कहा बेटियों पर श्रीमाधोपुर को नाज है। स्कूटी मिलने पर श्रीमाधोपुर की बेटी आह्लादित थीं। इस अवसर पर स्कूटी मिलने पर प्रतिभाशाली छात्रा पूर्वा ने कहा सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर परिश्रम और समर्पण ही सफलता की कुंजी है। कड़ी मेहनत और धैर्य से सफलता संभव है। मुझे अपने माता-पिता और शिक्षकों का समर्थन मिला। समाजशास्त्री डा सोहन लाल ने कहा 10 वीं और 12 वीं में बेटियों बाजी मारी है। सत्यनारायण खांडल ने कहा आज के समय में लड़कियां हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। बेटियाँ हमारा, समाज और श्रीमाधोपुर का मान, सम्मान और गौरव बढ़ा रही हैं। इस अवसर श्रीमाधोपुर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी डा. अशोक कुमार जाखड़, शिक्षाविद साधुराम सैनी , उपभोक्ता मंच के पूर्व सदस्य अशोक पारीक, पार्षद नंदकिशोर शर्मा, रोशन लाल बिजारणीया, महावीर ठठेरा, सेवानिवृत्त प्राचार्य शिवपाल सिंह शेखावत, डा चंद्रप्रकाश व्यास , श्रीमती उर्मिला चौरसिया, पूर्व पार्षद रामचंद्र सैन, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि बनवारीलाल सैनी, गौरक्षक मनोज लोकनाथका , पकंज चोटिया, आदि उपस्थित रहे। विप्र सेना अध्यक्ष मुकेश शर्मा के नेतृत्व में स्वागत किया गया।

तेजपाल जाट उपाध्यक्ष बने

पावटा। ब्लॉक पावटा के प्रेमनगर गांव में ब्लॉक स्तरीय बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्राम सहकारिता समिति का गठन हो चुका है। जहां ब्लॉक सहकारिता निरीक्षक सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, ऋण पर्यवेक्षक राजेश यादव की उपस्थिति में सर्वसम्मति से कुल 12 कार्यकारिणी सदस्यों को मनोनीत किया गया है। जिसमें सर्व सहमति से सुरेंद्र सिंह शेखावत को को अध्यक्ष व तेजपाल जाट को उपाध्यक्ष बनाया गया है। वही बोर्ड सदस्यों में श्री राम जाट, सुमेर यादव, गोकुल यादव, शिंभू सिंह, ख्याली राम कुम्हार, अर्जुन मीणा, मालीराम रैगर, मेवा देवी, गीता देवी, श्री राम सिंह को सदस्य बनाया गया है। आयोजित आमसभा में सरपंच हीरा देवी, रामकरण यादव, पांछूडाला ग्राम सेवा सहकारी समिति व्यवस्थापक कमलेश पारीक, सहायक व्यवस्थापक राहुल पारीक, कैलाश सिंह, पवन सिंह, महिपाल सिंह, मुकेश, सुरेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस पर भजन संध्या

सांभरझील। यहां तलाई वाले बालाजी की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य मे भव्य श्रृंगार व भजन संध्या का आयोजन 26 जून को हगा। श्री तलाई वाले बालाजी सेवा समिति के पदाधिकारी प्रभुदयाल माली ने बताया किगुरुवार को महाआरती होगी।शाम 7:15 बजे सभी श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरण को की जएगी। इसके पश्चातसुबह 4 बजे तक भजन संध्या का आयोजन होगा। त्यागी जी की बगीची, तलाई वाले वले बालाजी के यहां परबतसर के राजू सैनी एंड पार्टी की ओर से भजनों की प्रस्तुतियां पेश की जाएगी

प्रवेश की अंतिम तिथि आज

सांभरझील। स्थानीय राजकीय कन्या महाविद्यालय सांभर में बीए प्रथम वर्ष कला वर्ग में प्रवेश की अंतिम तिथि 25 जून है। प्रवेश प्रभारी समीक्षा शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय में हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल, गृह विज्ञान एवं चित्रकला में प्रवेश की इच्छुक छात्राओं को 25 जून तक आवश्यक रूप से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। प्रवेश सूची में नाम आने पर महाविद्यालय में दस्तावेज सत्यापन एवं ई मित्र पर जाकर शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 2 जुलाई रहेगी। महाविद्यालय में स्नातक प्रथम सेमेस्टर का शिक्षण कार्य 5 जुलाई से प्रारम्भ होगा।

पावटा में पेंशनर्स ने पीएम के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

पेंशनर्स ने 8 वें वेतन आयोग में पूर्व और वर्तमान पेंशनर्स के बीच भेदभाव का विरोध किया।

पावटा। राजस्थान पेंशनर्स समाज में पेंशनर समाज उपशाखा पावटा द्वारा ऑल इंडिया स्टेट पेंशनर्स फेडरेशन एवं राजस्थान पेंशनर्स समाज राजस्थान जयपुर के अव्हान पर पेंशनर्स समाज पावटा अध्यक्ष पंडित सुरेश शास्त्री के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय को ज्ञापन सौंपा। पेंशनर समाज के अध्यक्ष सुरेश शास्त्री ने केंद्र सरकार की नई नीति पर चिंता जताई। सुरेश शास्त्री ने बताया-केंद्रीय सिविल सेवा पेंशन नियमों में नए संशोधन से केंद्र सरकार को पूर्व और वर्तमान पेंशनर्स में भेद करने का अधिकार मिल गया है। यह संशोधन संसद से पारित हो चुका है। उन्होंने कहा-यह नया प्रावधान सुप्रीम कोर्ट के कई निर्णयों का उल्लंघन करता है। साथ ही 1 जनवरी 2016 से पहले और बाद के पेंशनर्स के बीच 7वें वेतन आयोग द्वारा स्थापित समानता भी खत्म हो सकती है। पेंशनर समाज ने सरकार से इस मामले में पुनर्विचार की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसी व्यवस्था की जाए जिससे पेंशनर्स अपनी पूर्व सुविधाओं से वंचित न हों। इस दौरान पंडित सुरेश शास्त्री अध्यक्ष पेंशनर समाज, उपाध्यक्ष उमेश टांक, श्याम सुंदर आर्य, लीलाराम गुर्जर, पूर्व अध्यक्ष प्रभातीलाल सराधना, बनवारी लाल आर्य, अश्वनी शर्मा, शंकर लाल पाकोजरा, महेश टांक, मूलचंद गुर्जर, शंभूदयाल यादव, रामगोपाल शर्मा, रामलाल आर्य, कैलाश योगी, सरदार मल यादव, रामनिवास यादव, लक्ष्मी नारायण यादव, नवल किशोर, अटल, रामसिंह यादव, कानाराम स्वामी सहित अन्य सैकड़ों पेंशनर्स समाज लोग मौजूद रहे।

शोभायात्रा 29 जून को

पावटा। उपखंड पावटा में पहली बार इस्कॉन अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ पावटा की ओर से 29 जून रविवार को पहली बार संस्थापक आचार्य श्री कृष्ण कृपामूर्ति श्री श्रीमद एसी भक्ति वेदांत स्वामी प्रभु पाद की कृपा से परम पूज्य राधेश्यामानन्द महाराज इस्कॉन वृंदावन के सान्निध्य में भगवान जगन्नाथ की भव्य शोभायात्रा व कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

जानकारी देते हुए इस्कॉन पावटा से कपिल प्रभु व विशाखा माताजी के ने बताया कि यह नगर भ्रमण रूपी शोभायात्रा व कलश यात्रा 29 जून रविवार को पावटा स्थित इस्कॉन पावटा केंद्र, गोयल भवन, जे एम बी होटल के पीछे घंटाघर के पास पावटा से दोपहर 3.30 बजे प्रारंभ होकर शिशु वाटिका रामलीला मैदान के सामने पहुंचेगी। इस भव्य रथ यात्रा में भगवान श्रीकृष्ण, बलराम एवं सुभद्रा की प्रतिमाएं भव्य रथ पर विराजमान होंगे और पूरे नगर में हरिनाम संकीर्तन, झांकियां, भक्तों की टोली और गगनभेदी जय घोष के साथ भगवान का स्वागत किया जाएगा।

150 प्रतिभाएं सम्मानित होगी

निवाई । अशोक फिटनेस क्लब व तनीषा सनातनी के तत्वावधान में सर्व समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 27 जून को श्यामा मुखर्जी सामुदायिक भवन में आयोजित होगा। सम्मान समारोह कमेटी के जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीचंद शर्मा व अशोक लांगडी ने बताया कि समारोह की सफलता को लेकर गांव गांव व शहर में प्रतिभाओं से संपर्क किया जा रहा है। समारोह में कक्षा 10वीं व 12वीं के करीब 150 प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक विकास सागवान, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी, देव कॉलेज निदेशक सतवीर गुर्जर, डॉ. रूपसिंह अधाना, समाजसेवी सीताराम मीणा, बार के पूर्व अध्यक्ष सीताराम शर्मा, विशिष्ठ अतिथि उपखंड अधिकारी अनीता खटीक, तहसीलदार नरेश गुर्जर, डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा, थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा व डॉ. कृष्णा गुर्जर सहित कई अतिथियों द्वारा प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

भरतपुर में मकान के बाहर खड़ी कार के चारों पहिए चोरी

रात में चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।

■ मथुरा गेट थाना क्षेत्र में विमल कुंज में हुई ेरी की वारदात के अलावा अपराधिक घटनाओं में बढोत्तरी हो रही है जिससे कॉलोनीवासी चिंतित है

भरतपुर (निस)। शहर के जवाहर नगर कॉलोनी में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला एक कार के चारों पहियों की चोरी का सामने आया है। चोरों ने बीती रात एक मकान के बाहर खड़ी कार को निशाना बनाते हुए उसके चारों पहिए चोरी कर लिए। ये मकान भरतपुर में जवाहर नगर में मुख्यमंत्री निवास के मात्र 50 मीटर की दूरी पर है। सीएम निवास के पास हुई इस वारदात ने थाना मथुरा गेट पुलिस गष्त की पोल खोल दी है। इससे पहले भी जवाहर नगर में 4 कारों के सीसे तोडकर बदमाश जा चुके है। लेकिन पुलिस बदमाशों का पता नहीं लगा सकी है। मथुरा गेट थाना क्षेत्र में विमल कुजं में हुई चोरी की वारदात के अलावा अपराधिक घटनाओं में बढोत्तरी हो रही हैं। जानकारी के मुताबिक, जवाहर नगर निवासी ओमवती ने बताया कि उनके बेटे जगदीप सिंह की स्विफ्ट कार घर के बाहर खड़ी थी। जगदीप इन दिनों जयपुर गया हुआ है। सुबह 6 बजे जब ओमवती बाहर आईं तो देखा कि कार के चारों पहिए गायब हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं देखी।

ओमवती के छोटे बेटे हेम सिंह ने बताया कि कार जनवरी महीने में खरीदी गई थी। उन्होंने बताया कि जवाहर नगर में इस तरह की घटनाएं लगातार हो रही हैं, जबकि उनके घर से महज 50 मीटर की दूरी पर मुख्यमंत्री का मकान है। इसके बावजूद गश्त व्यवस्था लचर बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मथुरा गेट थाने में शिकायत दी गई। थाना अधिकारी मदनलाल मीणा ने बताया कि शिकायत के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पण्डित दीनदयाल संबल पखवाड़े का मंढा व कारोली से आगाज

■ ग्राम पंचायत में पखवाडे के पहले दिन जिला कलेक्टर ने निरीक्षण किया

पावटा । राजस्थान सरकार द्वारा प्रदेशभर में आज से 9 जुलाई 2025 तक पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इस पखवाड़े का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी रूप से लाभ सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में मंगलवार को जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने ग्राम पंचायत मंढा व कारोली में जाकर शिविरों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। पखवाड़े के प्रथम दिन जिला कलेक्टर गोस्वामी ने पावटा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मंढा व कारोली में आयोजित शिविरों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उन्होंने शिविरों में चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और वहां उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं लाभार्थियों से संवाद कर जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य "गरीबी मुक्त राजस्थान" बनाना है, जिसके तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना प्रारम्भ की गई है। इस योजना के प्रथम चरण में प्रदेश के 5,000 गांवों को चयनित कर वहां के सभी बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने हेतु योजनागत सहायता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस पखवाड़े के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। पखवाड़े का संचालन समन्वयपूर्ण एवं प्रभावी रूप से हो, इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर गहन मॉनिटरिंग की जा रही है। जिला कलेक्टर गोस्वामी ने निर्देश दिए कि शिविर मैं ज्यादा से ज्यादा पात्र आमजन को योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने बताया कि शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के लक्षित परिवारों को चिन्हित कर उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित पत्थरगढ़ी एवं सीमाज्ञान प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाए। पात्र लाभार्थियों को स्वामित्व पट्टों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित किया जाए। मृदा नमूनों का संग्रहण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण समयबद्ध किया जाए। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों का शीघ्र निपटारा किया जाए। नवीन पात्र परिवारों एवं सदस्यों की आधार सीडिंग के कार्य में तेजी लाई जाए। गोस्वामी ने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक रास्तों और जल संरचनाओं से अतिक्रमण को प्राथमिकता से हटाया जाए और लंबित राजस्व प्रकरणों में आपसी सहमति बनाकर त्वरित निर्णय लिए जाएं। जिला कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को समन्वय से कार्य करते हुए पखवाड़े के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सजग रहने की अपील की। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविर में आए आमजन के प्रार्थना पत्र को पंजीकृत कर सभी पात्र लोगों को योजनाओं से लाभान्वित करें। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय, विकास अधिकारी सुशीला यादव, शिविर प्रभारी नीलू सैनी, सरपंच श्रवण सिंह ग्राम पंचायत प्रतिनिधि मौजूद थें।

ट्रांसफार्मर बदलने की मांग पर किसानों का प्रदर्शन

नारायणपुर । कस्बे में सोमवार देर शाम ट्रांसफार्मर बदलने की मांग को लेकर नाराज़ किसानों ने बिजली विभाग के सहायक अभियंता कार्यालय के मुख्य गेट पर ताला लगाकर जोरदार धरना प्रदर्शन किया।

ग्राम गढ़ी के किसानों का आरोप है कि पिछले 10 महीनों से गांव का ट्रांसफार्मर खराब पड़ा है, जिसकी बार-बार शिकायत करने के बावजूद विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं की गई। इससे नाराज होकर किसानों ने कार्यालय के बाहर डेरा डाल दिया। धरने के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब सहायक अभियंता नितिन गुप्ता और किसानों के बीच तीखी बहस हो गई। इस दौरान गुप्ता द्वारा कथित रूप से गया कांग्रेस का टाइम कहने पर किसान भड़क गए और जवाब में कहा कि हम कांग्रेस-भाजपा नहीं, किसान हैं। इस बयान से किसानों में गुस्सा और भड़क गया और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

घटना की खबर फैलते ही राजनीति गर्मा गई। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मंत्री शकुंतला रावत सहित कई कांग्रेस नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राज्य सरकार और बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि किसानों की जायज़ मांगों को अनदेखा करना और शांतिपूर्ण विरोध पर सरकारी अधिकारी द्वारा इस तरह का व्यवहार लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है। धरने पर बैठे ग्रामीण राकेश दायमा ने बताया कि ग्राम गढ़ी का ट्रांसफार्मर पिछले 10 महीने से जला हुआ है। अनेक बार विभाग को शिकायत देने के बावजूद ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया। मजबूर होकर उन्होंने सोमवार को बिजली विभाग के कार्यालय के सामने प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। किसानों का कहना है कि हमने अपनी समस्या बताई तो एईएन साहब ने बात सुनने के बजाय पुलिस बुलाने की धमकी दे दी। आखिर हम जाएं तो कहां जाएं? इस मामले में जब सहायक अभियंता नितिन गुप्ता से संपर्क किया गया तो उन्होंने आरोपों को बेबुनियाद और झूठा करार दिया। उनका कहना है कि मैंने किसी को कोई गलत बात नहीं कही। किसानों के आरोप निराधार हैं। विभाग अपनी प्रक्रिया के तहत काम कर रहा है। धरने के घंटों बीत जाने और मामला राजनीतिक रंग लेने के बावजूद समाचार लिखे जाने तक बिजली विभाग द्वारा ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया था। इससे किसानों में और अधिक आक्रोश है।

पारीक दूसरी बार अध्यक्ष बने

निवाई । बापू नगर में स्थित ईच्छापूर्ण बालाजी महाराज मंदिर समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें सर्व सम्मति से मंदिर समिति के अध्यक्ष के पद पर लगातार दूसरी बार कमलेश पारीक को मनोनीत किया गया। नावनियुक्त अध्यक्ष कमलेश पारीक ने सर्व सम्माति से कार्यकारणी का विस्तार करते हुए कार्यकारणी में कोषाध्यक्ष के पद पर सूरजमल जाट, सचिव हंसराज शर्मा रजवास, उपध्यक्ष दिनेश मंगल, आशीष जायसवाल, सीताराम राजवंशी व रामधन परिडवाल, सह सचिव के पद पर मनोज सबनानी, गिरधारीलाल माछलपुरिया व गणेश विजय, प्रचार मंत्री रामधन रिजवानिया, संरक्षक के पद पर जगदीशप्रसाद स्वामी, हनुमान यादव व भागीरथ पारीक को मनोनीत किया गया। इसी प्रकार कार्यकारणी में सदस्य के रूप में श्रवणलाल जाट, रामकिशोर गुर्जर, बिरजूसिंह राजावत, महेश पारीक, कैलाशचन्द जैन, रमेशचन्द मीणा, रामसहाय वर्मा, मुकेश चौधरी, राकेश गौड, गिर्राज मीणा व जितेद्र दाधीच का मनोनीत किया गया। इस दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष व नवीन कार्यकारणी को माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री एवं मुख्यमंत्रियों की पहल पर बैठक हुई

■ राजस्थान व हरियाणा के अधिकारियों में संयुक्त रूप से जलभराव समस्या पर मंथन

भिवाड़ी क्षेत्र में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों की बैठक हुई।

अलवर। भिवाड़ी क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या के समाधान की दिशा में राजस्थान और हरियाणा के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त बैठक मंगलवार को बीड़ा सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला कलक्टर, खैरथल-तिजारा किशोर कुमार एवं उपायुक्त, रेवाड़ी अभिषेक मीना ने की। इससे पूर्व केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के आग्रह पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आपसी समन्वय से फोन पर चर्चा की और अधिकारियों को जल्द समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीड़ा अतुल प्रकाश, वरिष्ठ प्रबंधक रीको यूनिट प्रथम एवं द्वितीय ज्ञानेंद्र शर्मा एवं आदित्य शर्मा, क्षेत्रीय प्राधिकारी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड भिवाड़ी अमित शर्मा, क्षेत्रीय प्राधिकारी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड रेवाड़ी, आयुक्त नगर परिषद भिवाड़ी मुकेश कुमार, अधीक्षण अभियंता जलदाय विभाग धर्मवीर यादव सहित रेवाड़ी एवं भिवाड़ी के उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

सार-समाचार

'सफाई के नाम पर पैसा मांगने पर शिकायत करे'

किशनगढ़ बास । शहर में बारिश के पानी की अवरुद्ध हो रही निकासी व सफाई की बिगड़ी व्यवस्था को लेकर को लेकर नगर पालिका प्रतिपक्ष नेता व पार्षद उमेश यादव कांग्रेस के पार्षदों के साथ एसडीएम मनीष जाटव से मिले और उन्हें समस्या से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस पार्षद व प्रतिपक्ष नेता उमेश यादव की शिकायत को सुनने के बाद एसडीएम ने नगर पालिका ईओ मुकेश शर्मा से कार्यालय बुलाकर नालों की सफाई व शहर में नियमित होने वाली सफाई व्यवस्था को लेकर जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए लापरवाही नहीं बरतनें के लिए कहा।पार्षद उमेश यादव ने बताया कि एक दिन पूर्व हुई बरिश से अहमदबास मौहल्ले में घरों में पानी अंदर चला गया। शहर के प्रमुख नालें अभी भी चौंक है। मानसून से पहले नालों की सफाई हो जानी चाहिए थी। लेकिन नगर पालिका अभी तक सफाई नहीं करा सकी है जो अधिकारियों की लापरवाही को दर्शाती है। शहर में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं नालों व नालियों से बदबू आती है लोगों का जीना मुश्किल हो रहा है वहीं बारिश के मौसम में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप से महामारी फैलने का भी अंदेशा बना है। ईओ मुकेश शर्मा ने बताया कि शिकायत मिलने पर निरीक्षण कर देखा गया है निरीक्षण के दौरान पाई गई खामियों को लेकर संबंधित कार्मिकों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। शहर में पानी निकासी के प्रमुख नालों की सफाई पहले हों इसके लिए भी निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा है कि नालों की सफाई के नाम पर कोई पैसा नहीं देवें और कोई मांगे तो शिकायत मुझे करें।

शिविर में 136 मरीज लाभान्वित

शाहपुरा । स्व. रावधीर सिंह स्मृति सेवा मंडल शाहपुरा के तत्वाधान में मंडल संरक्षक एवं जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के पिताश्री स्व. श्री रावधीर सिंह की 51वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम मंगलवार प्रात: 8 बजे हनुमंत निवास बाग शाहपुरा में आयोजित हुआ। मंडल अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद योगी ने बताया कि कार्यक्रम में सांसद राव राजेंद्र सिंह के सानिध्य में भजन कीर्तन तथा श्रद्धा सुमन अर्पण किया गया। इस दौरान त्रिवेणी धाम के महाराज संत श्री श्री 1008 रामरिछपाल दास जी महाराज के आशीर्वचन हुये। इस अवसर पर दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कृत्रिम उपकरण, ट्राईसाईकिल, व्हीलचेयर, कृत्रिम पैर इत्यादि हेतु दिव्यांगो का चयन कर रजिस्ट्रेशन किया गया तथा नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित हुआ जिसमें डॉ. चंद्रशेखर शर्मा (भूतपूर्व चिकित्सा अधिकारी प्रभारी लाल बहादुर शास्त्री राजकीय चिकित्सालय शाहपुरा) एवं वर्तमान में राजस्थान हॉस्पिटल, टोंक रोड, लाल कोठी, जयपुर के द्वारा उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय गति आदि रोगों की जांच करते हुए सेवाएं दी गई तथा कार्यक्रम में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में मोतियाबिंद के ऑपरेशन किए हुए मरीजों की आंखों की जांच, हड्डी, घुटनों के दर्द की जांच, नाक, कान, गला की जांच, नेत्र रोग की जांच राजकीय उप जिला चिकित्सालय के प्रभारी डॉक्टर विनोद योगी के मार्गदर्शन में डॉ. परनीत चौधरी, डॉ. मेघराज झालानी, डॉक्टर ओमप्रकाश भदाला, डॉ. जेपी योगी, डॉ संजय सिंह शेखावत आदि अनुभवी चिकित्सकों के द्वारा चिकित्सा एवं परामर्श दी गई। इस दौरान राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में डॉक्टर प्रवीण सांवत एसो. प्रोफेसर शिविर प्रभारी के दिशा निर्देश में डाक्टर रमाकांत कटारा पी.जी. अध्येता, डाक्टर फाल्गुनी जोशी पी.एच.डी. अध्येत्री, डाक्टर सूर्य प्रकाश पी.जी. अध्येता, डाक्टर साक्षी चाहर पी.जी. अध्येत्री, मुकेश कुमार लाटा स्टॉफ नर्स, संजय एम.टी.एस. कार्य चिकित्सा विभाग ने शिविर में अपनी सेवाएं दी। इस दौरान चिकित्सा शिविर में 136 मरीज लाभान्वित हुए। इस दौरान भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी, कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल, भाजपा नेता दिलीप सिंह बन्ना, पूर्व प्रधान एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष मंजू सैनी, भाजपा शाहपुरा शहर मंडल अध्यक्ष मालीराम सैनी, भाजपा अमरसर मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत शर्मा, खेजरोली मंडल अध्यक्ष मामराज पुरी गोस्वामी, मनोहरपुर मंडल अध्यक्ष रामचंद्र यादव, भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया सह प्रभारी सुभाष जोशी, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष एवं बीएसएनएल सलाहकार संतोष माधाणी, ओबीसी मोर्चा जिला संयोजक कल्याण बक्स गुर्जर, वरिष्ठ कार्यकर्ता गोवर्धन मेहरा, श्याम सुंदर राज जोशी, दयाशंकर शुक्ल, उपाध्यक्ष राजेश पलसानियां, उपाध्यक्ष राकेश दाधीच आदि लोग मौजूद रहे।

एडीजे का स्वागत

चाकसू । दी बार एसोसिएशन चाकसू द्वारा न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश चाकसू के प्रथम पीठासीन अधिकारी नव पद स्थापित न्यायाधीश राजपाल सिंह का स्वागत समारोह आयोजित किया गया गौरतलब है कि चाकसू में हाल ही में राज्य सरकार द्वारा न्यायालय अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश चाकसू जयपुर महानगर प्रथम नवसृजित कर स्थापित किया गया है जिस पर बार एसोसिएशन चाकसू के प्रयासों से हाई कोर्ट द्वारा एडीजे न्यायालय चाकसू में पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति कर अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है जिस पर नव पदस्थापित एडीजे राजपाल सिंह का बार एसोसिएशन चाकसू अध्यक्ष एन एल शर्मा एडवोकेट एवं महासचिव दुर्गा प्रसाद बैरवा द्वारा साफा एवं माला पहना कर स्वागत किया गया एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया एवं नई जिम्मेदारी की बधाई एवं शुभकामनाएं दी इस अवसर पर अपने उद्बोधन में एडीजे राजपाल सिंह द्वारा बार एवं बेंच के मध्य मधुर संबंध बनाए रखते हुए प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कर आम जनता को त्वरित न्याय प्रदान करने का आश्वासन दिया इस अवसर पर एडीजे द्वारा बार एसोसिएशन चाकसू की प्रशंसा करते हुए कहा कि बार एसोसिएशन चाकसू सकारात्मक एवं रचनात्मक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाती है न्यायालय परिसर में हरियाली की प्रशंसा की बार एसोसिएशन अध्यक्ष एन एल शर्मा एडवोकेट द्वारा अपने उद्बोधन में बेंच का सकारात्मक सहयोग करने का आश्वासन दिया साथ ही शीघ्र ही भव्य एडीजे न्यायालय शुभारंभ समारोह आयोजित करने की बात कही इस अवसर पर न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 19 चाकसू जयश्री मीणा द्वारा भी एडीजे राजपाल सिंह जी का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत कर एवं शुभकामना दी इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष हरप्रीत सिंह, रमेश चौधरी पूर्व महासचिव श्रवण लाल शर्मा, लोकेश शर्मा,सुनील कुमार शर्मा,जितेंद्र गौतम, ग्यारसी लाल प्रजापत, अमित बाहेती अधिवक्ता रामेश्वर चौधरी, दिलीप सिंह नरूका, मुकेश कुमार मामोडिया,राजेश चौधरी, राजेश यादव,मुकेश पारीक, सुरेश शर्मा, राम रतन मीणा ,गोविंद विजयवर्गीय, किशन प्रजापत, शुभम गोस्वामी, अंकित सैनी, विनोद चौधरी, ऋषभ जैन, शमीम खान, गोपाल प्रजापत, पुखराज शर्मा, मुनव्वर खान, भगवान सहाय यादव, सोहन लाल सैनी, चंद्र प्रकाश बेरवा, मनमोहन कोली, हेमराज प्रजापत, नीरज शर्मा, हरिओम चौधरी, रामलाल चौधरी, ललित सैनी, हंसराज चौधरी वाहिद आजाद, रमेश महावर विष्णु सैनी आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

कार्यकारिणी का गठित

देवली । मंगलवार को यहां माहेश्वरी महिला मंडल की बैठक का आयोजन आदर्श बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पटेल नगर में हुआ । बैठक कार्यक्रम की जानकारी कमलेश मुंद्रडा ने दी है। कमलेश मूंदड़ा ने जानकारी में बताएं कि माहेश्वरी महिला मंडल ने नए सत्र के कार्यकारिणी का चयन किया। इस प्रकार मंडल की पूर्व अध्यक्ष मंजू तोतला और सचिव ललिता झवर ने बताया की अध्यक्ष पद के लिए वंदना तोषनीवाल को सर्वसहमति से चुना गया है । इसी के साथ सचिन पद पर रेखा नवल मूंदड़ा को नियुक्त किया गया है। और कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी महिमा मालू दी गई है। तो वहीं संगठन मंत्री के पद पर सोनिया जाजू का चयन किया है। इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद पर सुमन मालपानी और मधु महेश्वरी एवं सह सचिव पद पर रेखा मालपानी और नीतू सोमानी पर नियुक्त किया गया है।, साथ ही परामर्श दाता के रूप में अनीता लाठी व सुधा मालपानी, का चयन किया गया है तथा संरक्षिका पद पर पुष्पा मूंदड़ा और रेखा शशि भूषण मूंदड़ा और कार्यकारिणी सदस्य अभिलाषा, निकिता काबरा, भावना महेश्वरी, सुनीता नुवाल, प्रीति बिरला, राजकुमारी काबरा, सपना नुवाल ,कल्पना आगीवाल, नेहा लाठी ,नंदिनी तोतला,राधा जेथलिया का चयन हुआ है। देवली मंडल कार्यकारिणी का चयन जिला अध्यक्ष कमलेश मूंदड़ा और पूर्व अध्यक्ष प्रेमलता तुरकया की उपस्थिति में किया गया है ।

आज 4 घंटे बिजली बंद रहेगी

श्रीमाधोपुर । कस्बे की आज सुबह 6 बजे से 10 बजे तक 132 जालपाली श्रीमाधोपुर मे रखरखाव व मरम्मत कार्य करने के लिए विधुत आपूर्ति बंद रहेगी सहायक अभियंता भावेश गुप्ता ने बताया कि 132 केवी जीएसएस जालपाली तथा इनके अधीन आने वाले तीजावाला जोहड़ा, श्रीमाधोपुर, डेरारामसागर, हॉसपुर, बस्सी, कंचनपुर, होल्याकाबास व इनके आस पास के गांव व ढाणीयो कि बिजली आपूर्ति बंद रहेगी ।

जय शाह के काम करने का अपना तरीका था लेकिन उनके बारे में सबसे अच्छी बात ये थी कि वह भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए चीजों को सही तरह से व्यवस्थित करना चाहते थे। - सौरव गांगुली

पूर्व भारतीय कप्तान, जय शाह की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल

लीड्स टेस्ट में भारत की तरफ से पहली बार किसी मैच में 5 शतक लगे हैं। पंत ने तो गर्दा उड़ाया ही, यशस्वी जायसवाल भी पीछे नहीं रहे। भारत की पहली पारी में यशस्वी जायसवाल ने बेहतरीन शतक जड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ कम से कम 500 टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाजों में औसत के मामले में वह महान डॉन ब्रेडमैन, स्टीवी डेंप्सर, वॉरिस रो और जॉर्ज हेडली के एलिट क्लब में शामिल हो चुके हैं।यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 159 गेंदों में बेहतरीन 101 रन बनाए।

क्या आप जानते हैं ?... ऋषभ पंत पहले भारतीय विकेटकीपर बने, जिन्होंने टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया।

इंग्लैंड ने भारत को 5 विकेट से हराया

टेस्ट श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई

लीड्स, 24 जून। बेन डकेट (149) की शतकीय, जैक क्रॉली (65) और जो रूट (नाबाद 53) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने पेहले टेस्ट मैच के पांचवें एवं आखिरी दिन मंगलवार को भारत को पांच विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ इंग्लैंड ने टेस्ट श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है।

भोजनकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को पहला झटका प्रसिद्ध कृष्णा ने जैक क्रॉली (65) को आउटकर दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये पहली पारी के शतकवीर ऑली पोप (आठ) को भी प्रसिद्ध कृष्णा ने बोल्ड कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने बेन डकेट को नीतीश कुमार रेड्डी के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। बेन डकेट ने 170 गेंदों में 21 चौकों और एक छक्के की मदद से (149) रनों की पारी खेली। इसी ओवर में उन्होंने हैरी ब्रूक (शून्य) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर (दो-दो विकेट) के झटको को झेलते हुए इंग्लैंड ने मैदान गिला होने के कारण खेल रोके जाने के समय चायकाल तक चार विकेट पर 269 रन बना लिये थे।

चायकाल के बाद रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (33) को आउट कर भारत पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जेमी स्मिथ ने जो रूट के साथ पारी को संभाला और धैर्य के साथ बल्लबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत की ओर ले गये। इंग्लैंड ने 82 ओवर में पांच विकेट पर 373 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया। जो रूट (53) और जेमी स्मिथ (44) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की हार कारण खराब क्षेत्ररक्षण रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े जिसका खामियाजा हार के रूप में सामने आया।

भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिये। रवींद्र जडेजा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड ने सुबह के सत्र में कल के 21 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। जैक क्रॉली और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने संयम का परिचय देते हुए भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया और रन भी बटोरे।

भोजनकाल तक इंग्लैंड ने 30 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए 117 रन बना लिये और टीम के मैच जीतने की उम्मीद जगाई। उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली पारी में यशस्वी जायसवाल, कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत की शतकीय पारियों की बदौलत 471 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 465 रन का स्कोर बनाया था। भारत ने दूसरी पारी में 364 रन का स्कोर बनाया था और उसके पहली पार में सात रन की बढ़त मिली थी।

भारत के दिग्गज दिलीप दोशी के निधन पर क्रिकेट जगत ने जताया दुःख

लंदन, 24 जून। भारत के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी का निधन हो गया। 1947 में जन्में दोशी ने 77 साल की उम्र में लंदन में आखिरी सांस ली। उनके निधन से क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई। दोशी क्रिकेट करियर के बाद सफल हिन्दी कॉमेंटेटर के तौर पर भी बेहद लोकप्रिय रहे।प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 898 विकेट झटकने वाले दोशी ने 238 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में 43 बार पांच विकेट झटके। 6 बार एक मैच में 10 विकेट अपने नाम किए। उनके निधन पर सौराष्ट्र क्रिकेट संघ ने कहा कि वे अपने पीछे कौशल, प्रतिबद्धता, उत्कृष्टता की समृद्ध विरासत छोड़ गए हैं। हाल ही में दोशी को बीसीसीआई ने एक समारोह में सम्मानित भी किया था। वे इस महीने की शुरुआत में लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी शामिल हुए थे।बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज दोशी का निधन हृदय संबंधी बीमारियों के कारण हुआ। ईएसपीएनक्रिकइंफो के मुताबिक दोशी बीते कई सालों से लंदन में ही रह रहे थे। उनके परिवार में पत्नी कालिंदी, बेटा नयन और बेटी विशाखा हैं। बेटा नय इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट-सरे और महाराष्ट्र के सौराष्ट्र से क्रिकेट खेल चुका है। वहीं दोशी के निधन पर क्रिकेट जगत ने दुख प्रकट किया है। जहां बीसीसीआई ने दोशी की तस्वीर शेयर कर इस दुखद खबर के बारे में जानकारी दी। एक्स पर जारी इस संदेश में बोर्ड ने लिखा कि, बीसीसीआई पूर्व भारतीय स्पिनर दिलीप दोशी के दुखद निधन पर शोक व्यक्त करता है। उनका लंदन में निधन हो गया। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

काली पट्टी बांधकर उतरे दोनों टीमों के खिलाड़ी, दिलीप दोशी को दी श्रद्धांजलि

लीड्स, 24 जून। हेडिंग्ले में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच का आखिरी दिन है और इस दिन दोनों ही टीमों के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर उतरे हैं। ये इस मैच में तीसरा मौका है जब खिलाड़ियों ने अपने बाजुओं पर काली पट्टी बांधी है। मैच के पहले और तीसरे दिन भी ऐसा हुआ था।मैच के आखिरी दिन मंगलवार को दोनों टीमें मैच के शुरू होने से पहले मैदान पर आईं और मौन रखा। इस दौरान दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों के बाजुओं पर काली पट्टी बंधी हुई दिखी। इसका कारण भारत के पूर्व क्रिकेटर दिलीप दोशी का निधन है। लंबे समय से लंदन में रह रहे दिलीप का सोमवार रात को निधन हो गया था। उनको श्रद्धांजलि देने के लिए ही आज दोनों टीमों के खिलाड़ी बाजुओं पर काली पट्टी बांधकर उतरे हैं। बीसीसीआई ने अपने एक्स अकाउंट पर एक फोटो जारी करते हुए लिखा है। दोनों ही टीमों ने भारत के पूर्व क्रिकेटर दिलीप दोशी की याद में काली पट्टी बांधी है जिनका सोमवार को निधन हो गया। पांचवें दिन की शुरुआत से पहले दोनों टीमों ने एक मिनट का मौन रखा।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 : इंटर मियामी और पालमेरास ने नॉकआउट के लिए किया क्वालीफाई

फ्लोरिडा, 24 जून। इंटर मियामी और पाल्मेरास ने मंगलवार को 2-2 से ड्रॉ खेला और इसके साथ ही दोनों टीमें फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के राउंड ऑफ 16 के लिए क्वालीफाई कर गई। पाल्मेरास ने लियोनेल मेसी के लिए एक बेहतरीन जन्मदिन का तोहफा छीन लिया। इंटर मियामी ने ग्रुप ए के अंतिम मैच में 79 मिनट तक बढ़त

बनाए रखी, इससे पहले ब्राजीलियाई टीम ने लगातार दो गोल करके ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया। लुइस सुआरेज द्वारा मिडफील्ड में एक लंबी गेंद को आगे की ओर धकेलने के बाद हेरॉन्स ने बढ़त हासिल कर ली। युवा अर्जेंटीना खिलाड़ी पाल्मेरास के डिफेंडरों को चकमा देते हुए वेबर्टन को पीछे छोड़ते हुए आगे निकल गया।सुआरेज ने दूसरे हाफ में समय को पीछे की ओर मोड़ दिया, कई डिफेंडरों को चकमा देते हुए गोल दागकर इंटर मियामी की बढ़त को दोगुना कर दिया। लेकिन मैच खत्म होने में दस मिनट बाकी थे, स्थानापन्न पॉलिन्हो और एलन ने मिलकर पेनल्टी एरिया में प्रवेश किया। पॉलिन्हो ने पाल्मेरास के फैंस के सामने गोल दागा,जिससे अंतिम चरण में एक रोमांचक मोड़ आया। समय समाप्त होने के साथ ही पाल्मेरास ने बॉक्स में गेंद फेंकी, जिसे ठीक से क्लीयर नहीं किया गया और स्थानापन्न मौरिसियो के पास गिरी, जिन्होंने बॉक्स के किनारे से गोल दागा, जिससे यात्रा कर रहे फैंस खुशी से झूम उठे। ये हमारे लिए एक बेहतरीन मैच था, साउथ अमेरिका की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेलना मुश्किल है। शायद अंत में मैच हमारे हाथ में था, इसलिए ये अजीब लग रहा था, लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले अगर कोई मुझसे कहता कि हम इस तरह की टीमों के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन करने जा रहे हैं तो मैं इस पर हस्ताक्षर कर देता।

अनाहत और चिनप्पा की जोड़ी एशियाई स्क्वैश चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में

जोहोर (मलेशिया), 24 जून। अनाहत सिंह और जोशना चिनप्पा की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई स्क्वैश युगल चैंपियनशिप 2025 के महिला वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आज यहां एरिना एमास में खेले गये मुकाबले में अनाहत सिंह और जोशना चिनप्पा की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए फिलीपींस की जेमिका एरिबाडो और यवोन एलिसा डालिडा की जोड़ी को मात्र 12 मिनट में 2-0 (11-6, 11-3) से हराया। भारत की अन्य महिला युगल जोड़ी, पूजा अर्थी रघु और रथिका सीलन ने अपने पूल बी मैच में सिंगापुर की विक्की यू यिंग लाई और ग्रेसिया चुआ रुई एन को 2-0 (11-8, 11-9) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, वे अपना क्वार्टर फाइनल मैच मलेशिया की आइरा अमानी और यी शिन यिंग से 2-0 (11-7, 11-8) से हार गई और वे अब प्लेसमेंट राउंड में पांचवें से आठवें स्थान को लेकर स्पर्धा करेंगी। पुरुष युगल वर्ग में गत चैंपियन अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार की जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में कोरिया गणराज्य के मिंयु ली और जूयंग ना के खिलाफ 2-1 (10-11, 11-3, 11-5) से जीत दर्ज की। दूसरी ओर, रवि दीक्षित और गुहान सेंथिलकुमार की जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग चीन के चेउक नाम लाई और वैलाक टो के खिलाफ 2-0 (11-6, 11-8) से हार का सामना करना पड़ा। इस बीच, भारत की दोनों मिश्रित युगल स्क्वैश टीमों को राउंड ऑफ 12 में बाई मिली और वे क्वार्टर फाइनल में पहुँच गई, जो बुधवार को होगा।

रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी टली

नई दिल्ली, 24 जून। टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज की शादी टल गई है। पहले दोनों की शादी नवंबर में होने वाले थी। वहीं एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नवंबर महीने में रिंकू सिंह के बिजी शेड्यूल के कारण शादी की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। इसी महीने लखनऊ में रिंकू और प्रिया सरोज की सगाई हुई थी।एक रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में रिंकू सिंह के बिजी शेड्यूल के कारण शादी को आगे के लिए स्थगित कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि, रिंकू-प्रिया के परिवार के सदस्यों ने बताया कि अब शादी फरवरी 2026 में होगी और शादी की नई तारीख का जल्द खुलासा किया जाएगा।

20वीं राष्ट्रीय जूनियर सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता के लिए राजस्थान सॉफ्ट टेनिस टीम घोषित

जयपुर, 24 जून। 20वीं राष्ट्रीय जूनियर सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता दिनांक 26-30 जून 2025 तक पंचकुला, हरियाणा में आयोजित होने जा रही है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम की घोषणा राज्य संघ द्वारा की गई जोकि कल रेल द्वारा पंचकुला, हरियाणा के लिए रवाना होगी। टीम निम्न प्रकार है:- संस्कार शर्मा (जयपुर), ऐक्ता यदुवन्शी (बारा), आदित्य शर्मा (जयपुर) कप्तान, हर्षिता सैनी (जयपुर), प्रियांशु (टोंक), कनिका सैनी (कोटपुतली बहरोड), हेमांग पाटनेचा (पाली), उर्फिला नकवी (टोंक), रितिक सैनी (कोटपुतली बहरोड), नेहल खान (बारा), मो० नोमान (बारा), मो० शरफ अली (बारा), विजेन्द्र चौधरी (टोंक), प्रियंका कुमावत (महिला कोच), धापू देवी (महिला मैनेजर), राजेश पाटनेचा (पुरुष कोच), इन्द्र प्रकाश टिक्कीवाल (पुरुष मैनेजर)।

केकेमैनोविच को हराकर इवांस लेक्सस ईस्टबोर्न ओपन के दूसरे दौर में

लंदन, 24 जून। ब्रिटेन के डैन इवांस ने लेक्सस ईस्टबोर्न ओपन में सार्बिया के मिओमिर केकमैनोविच को हराकर टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा। वाइल्डकार्ड एंट्री के रूप में खेल रहे 35 वर्षीय खिलाड़ी इवांस ने सोमवार को दो घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में विश्व के 49वें नंबर के खिलाड़ी मिओमिर केकमैनोविच को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली है। केकमैनोविच ने पहले सेट में दो बार इवांस की सर्विस तोड़ी, लेकिन दूसरे सेट की शुरुआत में ब्रिटिश खिलाड़ी ने वापसी करते हुए जीत दर्ज की और उसके बाद तीसरा गेम भी जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अगले दौर में इवांस का मुकाबला अमेरिकी दूसरे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी टॉमी पॉल से होगा।

नेटबॉल में स्वर्ण पदक जीतने पर राव ने कर्मचारी को किया सम्मानित

चंडीगढ़, 24 जून। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेल 2025 में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए नेटबॉल में स्वर्ण पदक जीतने वाले राज्य सरकार के कर्मचारी कर्ण को सम्मानित किया है। कर्ण वर्तमान में स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय में कार्यरत है। उन्हें उनकी उत्कृष्ट खेल उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। राज्य की खेल प्रतिभा में उनके योगदान की सराहना करते हुए, मंत्री ने उन्हें प्रशंसा पत्र भेंट किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सुश्री सिंह राव ने कर्ण की लगन और खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि उनकी इस उपलब्धि ने न केवल स्वास्थ्य विभाग बल्कि पूरे हरियाणा राज्य को गौरवान्वित किया है।

कलिंगा ब्लैक टाइगर्स और हैदराबाद हीरोज ने जीत दर्ज की

मुंबई, 24 जून। जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग सीजन वन के मुकाबलों में कलिंगा ब्लैक टाइगर्स और हैदराबाद हीरोज ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। आज यहां शाहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए मुकाबले में टाइगर्स ने मुंबई ड्रीमर्ज को हराया, वहीं हैदराबाद हीरोज ने चेन्नई बुल्स पर जीत हासिल की।

अम्पायर के निर्णय पर असहमति जताने पर पंत को लगी फटकार

लीड्स, 24 जून। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंग्लैंड के साथ चल रहे पहले टेस्ट के तीसरे दिन अंपायर के निर्णय पर नाराजगी जताने के लिए अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से फटकार लगाई गई। यह घटना इंग्लैंड की पारी के 61वें ओवर में उस समय घटित हुई जब हैरी ब्रूक और बेन स्टोक्स बल्लेबाजी कर रहे थे। पंत को गेंद के बारे में अंपायरों से चर्चा करते देखा गया। जब अंपायरों ने गेंद गेज से जांच के बाद गेंद बदलने से इनकार कर दिया, तो पंत ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अंपायरों के सामने गेंद को जमीन पर फेंक दिया। पंत को आईसीसी की आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। मैदान पर इस तरह बर्ताव के लिए पंत को फटकार लगाई गई। पिछले दो साल में उनकी यह पहली घटना है।

तिलक ने काउंटी चैम्पियनशिप में हैम्पशायर के लिए शतकीय पारी खेली

नई दिल्ली, 24 जून। जहां एक तरफ शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम अभी इंग्लैंड में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है वहीं दूसरी तरफ टीम इंडिया के बल्लेबाज तिलक वर्मा इस समय इंग्लैंड में ही हैं और काउंटी चैंपियनशिप में खेल रहे हैं। इस सीजन में तिलक वर्मा हैम्पशायर का प्रतिनिधित्व कर रहे है। तिलक वर्मा ने इस टीम के लिए इस सीजन के अपने पहले ही मैच में एसेक्स के खिलाफ शतकीय पारी खेली।

एसेक्स के खिलाफ तिलक वर्मा पहली पारी में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए, उस दौरान उनकी टीम ने अपने पहले दो विकेट सिर्फ 34 रन के स्कोर पर ही गंवा दिया। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए तिलक वर्मा ने काफी धैर्यपूर्वक बैटिंग की। तिलक वर्मा की पहचान आक्रामक बैटर के रूप में की जाती है। लेकिन उनकी इस पारी ने दिखा दिया कि जरूरत पड़ने पर वो संयम के साथ भी खेल सकते हैं और उन्होंने ऐसा ही किया।

तिलक वर्मा ने पहली पारी में अपनी टीम के लिए शतक ठोका और उन्होंने अपना शतक 239 गेंदों में पूरा किया। हालांकि इस पारी में उन्होंने 241 गेंदे खेली, लेकिन 100 रन के स्कोर पर आउट हो गए। तिलक ने अपनी इस इनिंग के दौरान 3 बेहतरीन छक्के और 11 चौके जड़े जबकि 311 मिनट तक उन्होंने बल्लेबाजी की। ब्रेन ब्राउन के साथ मिलकर उन्होंने 5वें विकेट के लिए 133 रन की शतकीय साझेदारी की और टीम को संभालने का काम किया।

कोहली के रिटायरमेंट की बात बीसीसीआई को थी पता : सौरव गांगुली

नई दिल्ली, 24 जून। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर एक हैरान करने वाला बयान दिया है। गांगुली का मानना है कि टेस्ट से संन्यास लेने का फैसला पूरी तरह से विराट कोहली का था। 36 साल के कोहली ने 12 मई को संन्यास की घोषणा की थी। विराट कोहली ने बीसीसीआई को चार दिन पहले ही बता दिया था कि वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने विराट कोहली को अपने फैसले पर विचार करने के लिए भी कहा था, लेकिन वे नहीं माने।बता दें कि, सौरव गांगुली और विराट कोहली टीम इंडिया में एक साथ काम कर चुके हैं। सौरव गांगुली के बीसीसीआई अध्यक्ष रहते हुए, विराट कोहली टीम इंडिया के कप्तान थे। ऐसे में गांगुली ने बताया कि कोहली ने ये फैसला खुद लिया था। संन्यास को लेकर उन पर किसी तरह का दबाव नहीं था।

राजस्थान राज्य जूनियर बालक फुटबॉल प्रतियोगिता 2025

सीकर विजेता और जयपुर उपविजेता बना

सीकर, 24 जून। राजस्थान राज्य जूनियर बालक फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 का खिताब सीकर ने आज जयपुर को 1-0 से हराकर जीत लिया। जयपुर और सीकर की टीमों ने फाइनल मैच में बहुत ही बढ़िया खेल का प्रदर्शन किया। मैच शुरू होने के कुछ मिनट में ही सीकर को कॉर्नर मिला जिस पर सीकर के खिलाड़ी अयान खान ने डायरेक्ट कॉर्नर से ही बाल जयपुर के गोल पोस्ट में डाल दी। उसके बाद जयपुर की टीम ने कई जवाबी हमले किये लेकिन मिले मौका पर चूक की वजह से वह गोल नहीं कर पाए। आखिर में मैच सीकर ने 1-0 के स्कोर से जीत लिया।

जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार ने बताया कि जयपुर की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया। आज सुबह खेले गए क्वार्टर फाइनल मैच में जयपुर ने झुंझुनू को 3-0 से पराजित किया। जयपुर की टीम ने मैच की शुरुआत से ही अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और उसकी मजबूत मध्य पंक्ति और रक्षा पंक्ति ने झुंझुनू के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने से रोक रखा पहले हाफ में लक्ष्य चौधरी ने शानदार गोल कर टीम को 1-0 से बढ़त दिलाए। मैच के दूसरे हाफ में अधीक्षित और मानविक घई ने गोल किया। सेमीफाइनल मैच में जयपुर ने कोटा को पेनाल्टी शूटआउट में हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मैच बहुत ही संघर्षपूर्ण रहा और निर्धारित दोनों हाफ में दोनों ही टीम में ने आक्रामक खेल दिखाया लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सकी और मैच ड्रॉप पर समाप्त हुआ उसके बाद पेनल्टी शूटआउट में जयपुर की तरफ से मानविक गई, अतिवीर धोखा, अबीर, विहान विराज शेखावत और अधीक्षित ने गोल किए।

जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के सदस्य डॉ दिलीप सिंह चुंडावत ने बताया कि पूरे टूर्नामेंट में जयपुर के लिए अधीक्षित, लक्ष्य चौधरी, अवियुक्त नायर, लव सिंह, मानविक घई, अतिवीर धोखा, अबीर, युवराज, अक्षत सोनी और गोलकीपर अजीत यादव ने बहुत ही बेहतरीन प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट का बेस्ट प्लेयर का अवार्ड जयपुर टीम के "अतिवीर ढोखा" को दिया गया।

समापन समारोह में राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह जी शेखावत ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर राजस्थान फुटबॉल संघ के रेफरी डिपार्टमेंट चेयरमैन महेंद्र बिजानिया, सीकर जिला फुटबाल संघ के सचिव सुरेंद्र मिल और जयपुर जिला संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार भी उपस्थित थे।

जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के सदस्य हितेश शर्मा, मनोज शर्मा, डॉ दिलीप सिंह चुंडावत और सैबी फिलिप्स ने जयपुर को राजस्थान राज्य जूनियर बालक फुटबॉल चैंपियनशिप का उपविजेता बनने पर बधाई दी है।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड, जयपुर-श्रीगंगानगर फाइनल मैच

जयपुर पहली पारी में एक विकेट पर 73 रन

जयपुर, 24 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के जयपुर में आज से शुरू हुए मल्टी डेज फाइनल मैच के पहले दिन का स्कोर :- जयपुर में जयपुर- श्रीगंगानगर के बीच आज से शुरू हुए राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड फाइनल मैच के पहले दिन जयपुरिया ग्राउंड में जयपुर ओर श्रीगंगानगर मैच के जयपुर पहली पारी में 73/1 (30 ओवर) बारिश के कारण पहले दिन का खेल रोके जाने तक टीम के लिए मानेन्द्र सिंह 45, अभिजीत तोमर नाबाद 23, श्रीगंगानगर के गेंदबाज सलाऊद्दीन 10/1 विकेट।

प्रदेश को मिली खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 की मेजबानी : राठौड़

मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट की होगी शुरुआत, राज्य में बनेगा खेलों का वातावरण

जयपुर, 24 जून। प्रधानमंत्री के द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने व देश में खेलों का वातावरण बनाने के लिए वर्ष 2020 में खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की शुरुआत की गई। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के सकारात्मक प्रयासों की बदौलत पांचवे खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स - 2025 की मेजबानी का जिम्मा राजस्थान को मिला है। यह बात मंगलवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए खेलमंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कही। उन्होंने कहा कि माह नवम्बर में होने वाले 12 दिवसीय खेल आयोजन में देश भर से लगभग छह हजार खिलाड़ी 25 खेल स्पर्धाओं में भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगें। साथ ही देश भर से जुटे खिलाड़ियों को राजस्थान की गौरवमयी संस्कृति रूबरू होने का अवसर प्राप्त होगा। प्रस्तावित खेलों के आयोजन को लेकर खेल संघों के साथ भी चर्चा की जाएगी।

खेल मंत्री राठौड़ ने कहा कि राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की मुख्य मेजबानी में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी और राजस्थान यूनिवर्सिटी की सह मेजबानी के साथ खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स - 2025 का सफल आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर डॉ. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजेन्द्र सिंह, सचिव, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद मौजूद थे।

मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट की होगी शुरुआत:- खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में कभी भी इतने बड़े स्तर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन नहीं हुआ है। खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स - 2025 के साथ ही मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट की शुरुआत राज्य सरकार की पहल से होने जा रही है। इस इवेंट के जरिए प्रदेश में खेलों को लेकर मजबूत व आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार होगा। राठौड़ ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों की तर्ज पर ही खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 के आयोजन को लेकर खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी।

25 प्रस्तावित खेलों की संख्या:- आर्चरी, एथलेटिक्स, बैडमिन्टन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, फेंसिंग, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, स्विमिंग, टेबल टेनिस, टेनिस, वालीबॉल, वेट लिफ्टिंग, रेसलिंग, रग्बी, योगासना, मलखम्भ, शूटिंग, साईक्लिंग, हैण्डबॉल, चेस, स्कैवश, वुशु।

प्रस्तावित खेल मैदान अनुमानित 6 संस्थानों के खेल मैदान:- पूर्णिमा विश्वविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, सवाई मानसिंह स्टेडियम, जगतपुरा शूटिंग रेंज, विद्याधर नगर स्टेडियम, राजस्थान पुलिस अकादमी।

टेलेंट हंट के जरिये तलाशेंगे खेल प्रतिभाएं:- खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बताया कि राज्य सरकार के द्वारा छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को तलाशने के लिए टेलेंट हंट योजना की शुरुआत की जा रही है। केन्द्र सरकार की टार्गेट ओलम्पिक पोडियम योजना की तरह ही प्रदेश के होनहार खिलाड़ियों के लिए भी टार्गेट ओलम्पिक पोडियम योजना की शुरुआत की जा रही है। इसके माध्यम से चयनित खिलाड़ियों का उच्च स्तरीय प्रशिक्षण व खेल सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

भिवाड़ी में पानी निकासी के समाधान के लिए राजस्थान व हरियाणा में सहमति बनी

मुख्यमंत्री भजनलाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री से यमुना जल समझौते पर विस्तृत चर्चा की

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि भिवाड़ी क्षेत्र में वर्षा, जल की निकासी व संग्रहण के लिये जल संसाधन विभाग ने पांच ऐसे बाँधों की पहचान की है, जिनमें स्वयं के जलग्रहण क्षेत्र से वर्षा जल नहीं आता, लेकिन इनका जल भंडारण के लिए उपयोग किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 24 जून। मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के बीच भिवाड़ी में पानी निकासी की समस्या के समाधान तथा यमुना जल समझौते की प्रगति पर फोन पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। इस वार्ता के बाद यमुना जल लाने की महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत, इसी माह राजस्थान व हरियाणा द्वारा संयुक्त रूप से पाइपलाइन के लिए जमीनी अलाइनमेंट सर्वे कार्य प्रारंभ कर दिए जाने की संभावना बनी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भिवाड़ी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति के कारण वर्षा ऋतु में जल निकासी की समस्या उत्पन्न होती है, क्योंकि प्राकृतिक बहाव हरियाणा की दिशा में होता है। इस संदर्भ में दोनों राज्यों के बीच सहमति बनी है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र के अपशिष्ट जल के पूर्ण शोधन की व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है। औद्योगिक इकाइयों से प्राप्त शोधित स्वच्छ जल का सदुपयोग सुनश्चित करने हेतु भिवाड़ी इंटीग्रेटेड डवलपमेंट अथॉरिटी (बीडा) द्वारा डीपीआर तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्षा काल में इस जल के साथ वर्षा जल भी मिल जाता है, जिससे जल भराव की स्थिति उत्पन्न होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भिवाड़ी क्षेत्र में वर्षा जल की निकासी एवं संग्रहण के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा 5 ऐसे बांधों की पहचान की गई है, जिनमें स्वयं के जलग्रहण क्षेत्र से वर्षा जल नहीं आता है, लेकिन इन्हें जल भण्डारण के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है। लगभग 250 एमसीएफटी भराव क्षमता वाली इस संग्रहण प्रणाली हेतु प्रारंभिक सर्वेक्षण एवं उपादेयता रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

इसके अतिरिक्त, दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच हथनीकुंड बैराज से यमुना जल राजस्थान लाने की योजना पर भी चर्चा हुई। इस विषय पर पहले ही दोनों राज्यों के बीच संयुक्त डी.पी.आर. तैयार करने का समझौता हो चुका है। उन्होंने आगामी छह माह में डीपीआर तैयार कर इस काम की ठोस कार्य योजना तैयार करने के भी निर्देश दिए हैं।

'चंडीगढ़ में मेयर का चुनाव मतपत्र से नहीं हाथ उठाकर होगा'

- प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने निगम एक्ट में संशोधन को मंजूरी दी।

चंडीगढ़, 24 जून। चंडीगढ़ नगर निगम की सियासत में 29 साल बाद बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। अब मेयर चुनाव हाथ खड़े करके किया जाएगा। इसके साथ ही, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव गुप्त मतदान की बजाय शो ऑफ हैंड्स यानी हाथ खड़े करके किया जाएगा। प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने निगम के एक्ट में संशोधन को मंजूरी दे दी है। यह फैसला अनिल मसीह विवाद और सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणियों के बाद लिया गया है। अगले मेयर चुनाव से यह नई प्रणाली लागू होगी।

इस बदलाव के लिए नगर निगम चंडीगढ़ (कार्यविधि और कार्य संचालन) विनियम, 1996 के विनियमन 6 में संशोधन किया गया है, जिसे गुलाब चंद कटारिया ने मंगलवार को मंजूरी दी। वर्तमान में मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से होते हैं, जिसमें एक-एक करके पार्षद गुप्त वोट डालते हैं। अनिल मसीह कांड के बाद ये सवाल उठे थे कि जब 35 पार्षदों को ही वोट डालना है और वह सभी पार्षद किसी पार्टी के सिंबल पर चुनाव जीत कर आए हैं। ऐसे में गुप्त मतदान क्यों कराया जाता है। इसकी जगह हाथ खड़े करके चुनाव कराने की मांग की गई।

ईरान-इज़रायल युद्ध के कारण 60 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द

रद्द फ्लाइट्स में जयपुर से उड़ान भरने वाली 6 फ्लाइट्स भी शामिल हैं

- दिल्ली एयरपोर्ट से कुल 48 फ्लाइट्स कैंसल हुई हैं तथा शेष फ्लाइट्स लखनऊ, अहमदाबाद और अमृतसर से रद्द की गई है।

नई दिल्ली, 24 जून। ईरान-इजराइल युद्ध का असर भारत से मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली फ्लाइट्स पर पड़ रहा है। बढ़ते तनाव और एयरस्पेस बंद होने से अब तक 60 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो गई हैं। दिल्ली एयरपोर्ट की 48 फ्लाइट्स कैंसिल हुई हैं। जयपुर एयरपोर्ट से 6 फ्लाइट्स रद्द हुई हैं। इनमें मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली 3-3 उड़ानें शामिल हैं। लखनऊ एयरपोर्ट से अबु धाबी और शारजाह जाने वाली 2 फ्लाइट को यूएई-कतर एयरस्पेस बंद होने से कैंसिल किया गया है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट आने वाली 5 फ्लाइट कैंसिल कर दी गई हैं। इनमें लंदन, अबु धाबी, दुबई, कुवैत और दोहा से आने वाली उड़ानें शामिल हैं। वहीं, अमृतसर एयरपोर्ट से दुबई जाने वाली फ्लाइट एसजी-55 भी रद्द हुई है।

हालांकि अब एअर इंडिया ने एक बयान जारी करते हुए कहा है कि मिडिल ईस्ट के कुछ हिस्सों में हवाई क्षेत्र धीरे-धीरे फिर से खुल रहे हैं, इसलिए एअर इंडिया आज से इस क्षेत्र के लिए उड़ानें फिर से शुरू करेगी।

यूरोप से आने-जाने वाली उड़ानें, जिन्हें पहले रद्द कर दिया गया था, आज से धीरे-धीरे फिर से शुरू की जा रही हैं, जबकि अमेरिका और कनाडा के पूर्वी तट से आने-जाने वाली सेवाएं जल्द शुरू होंगी। दरअसल, 23 जून की रात को ईरान ने अपने परमाणु ठिकानों पर हमलों का बदला लेने के लिए कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयर मिलिट्री बेस पर 6 मिसाइलें दागीं। इसके बाद, कतर, बहरीन, यूएई, इराक और कुवैत ने अपना एयर स्पेस अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। इंडिगो ने कहा है, जैसे-जैसे मिडिल ईस्ट के एयरपोर्ट दोबारा खुल रहे हैं, हम वहां के रूट्स पर अपनी सेवाएं सावधानीपूर्वक और धीरे-धीरे फिर से शुरू कर रहे हैं। पूरी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए सुरक्षित रूट का चयन कर रहे हैं। मिडिल ईस्ट के एयरस्पेस बंद होने के कारण स्पाइसजेट कुछ उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं।

मौजूदा स्थिति के कारण अकासा एयर की मिडिल ईस्ट जाने और वहां से आने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। स्थिति पर नजर रखी जा रही है। सभी उड़ानें केवल सुरक्षित एयरस्पेस में ही संचालित की जाएंगी।

उदयपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसके साथ जबरदस्ती की। पीड़िता की रिपोर्ट के अनुसार, वह 22 जून को दिल्ली से उदयपुर घूमने आई थी और अंबामाता थाना क्षेत्र के एक होटल में ठहरी हुई थी। सोमवार शाम वह पार्टी के लिए निकली थी, जहां उस युवक से उसका परिचय हुआ। बातचीत के दौरान, युवक ने पहले दोस्ती जताई और फिर बहाने से अपने घर ले गया। युवती ने कई बार उसे होटल वापस छोड़ने को कहा, लेकिन युवक ने इंकार कर दिया। उसका मोबाइल भी डिस्चार्ज हो गया था, जिससे वह किसी से संपर्क नहीं कर सकी। अपार्टमेंट पहुंचने पर युवक ने जबरदस्ती करने की कोशिश की। युवती ने जब प्रतिरोध किया तो उसने बलपूर्वक दुष्कर्म किया। इसके बाद युवती की तबीयत बिगड़ गई और वह किसी तरह निजी अस्पताल पहुंची। अस्पताल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद एफआईआर दर्ज की गई, जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के अनुसार, आरोपी युवक को चिन्हित कर लिया गया है तथा उसे शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

'अमेरिका की ''ट्रैवल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आतंकवाद के चर्चित नाम पाकिस्तान में शरण पा रहे हैं। उन्हें संरक्षण मिल रहा है, लेकिन पाकिस्तान के लिए कोई सलाह जारी नहीं की गई है।

उन्होंने कहा, भारत यात्रा के लिये तो एडवाइजरी जारी की जा रही है, और पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष राष्ट्रपति ट्रंप के साथ भोजन कर रहे हैं और ट्रंप भारत और पाकिस्तान को एक साथ रख कर बात कर रहे हैं! देखिए, हम दुनिया में कहां हैं और पाकिस्तान कहां है। मुझे बहुत अपमान महसूस होता है कि हमारे प्रधानमंत्री का नाम जनरल आसिम मुनीर के साथ रखा जा रहा है। यदि आप मुझसे पूछें तो मैं कहूंगी कि वह उस सेना की वर्दी में एक आतंकवादी है। लेकिन यही हो रहा है और यही सबसे विडंबनापूर्ण बात है।

असलियत यह है कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने विदेशी शक्तियों को लुभाने में असामान्य समय बिताया है – गले लगाने से लेकर जबरदस्ती गले लगाने तक, 'हाउडी मोदी', 'नमस्ते ट्रंप', 'अबकी बार ट्रंप सरकार', अमेरिका में बिना बुलाए जाना, उन्होंने सब कुछ किया है। श्रीनेत ने कहा कि मैं देख रही हूं कि अमेरिका हमारे साथ ऐसे समय पर क्या कर रहा है, जब हमें विश्व की बड़ी शक्तियों का साथ चाहिए।

अमेरिका हमारे खिलाफ यात्रा एडवाइजरी जारी कर रहा है, उन घटनाओं को आधार बनाकर, जो विश्व के बाकी हिस्सों से संबंधित हैं, लेकिन यह वास्तव में हमें नुकसान पहुंचाता है, लेकिन सरकार इसके बारे में क्या कर रही है – बिल्कुल कुछ नहीं, हमेशा की तरह बिल्कुल सन्नाटा, एकदम चुप्पी।

श्रीनेत ने कहा, हकीकत यह है कि ट्रंप ने 17 बार युद्धविराम का श्रेय लिया है। उन्होंने हम पर टैरिफ लगाए। उन्होंने हमें ठग और धोखेबाज कहा। उन्होंने हमारे लोगों को हथकड़ी पहनाकर भारत वापस भेजा। वे लगातार हमें अपमानित कर रहे हैं और हमारी सरकार चुप्पी साधे हुए है। इसलिए सवाल उठता है – हमारी विदेश नीति की कीमत क्या है? हमारी विदेश नीति की बुनियाद क्या है?

श्रीनेत ने सवाल उठाया, हमारी विदेश नीति की बुनियाद भारत के हितों को सर्वोपरि रखना है, लेकिन मोदी की विदेश नीति का मकसद कैमरा के सही एंगल के सामने खड़े होना है, ताकि वे दुनिया में जहां भी हों, अच्छे कैमरा एंगल से फोटो खिंचवा सकें। हमारे विदेश मंत्री लेज़र लाल आंखों के साथ रील्स बनाने में बहुत व्यस्त हैं। तो आप किससे उम्मीद करते हैं कि वह विदेश नीति को आगे बढ़ाएगा?

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को बातचीत का निमंत्रण दिया

- आयोग ने राहुल गांधी के एक अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख में उठाए मसलों पर वार्ता के लिए पत्र लिखा है।
- आयोग का दावा है कि राहुल गांधी के सभी सवालों का जवाब दिया जा चुका है, लेकिन फिर भी अगर उन्हें कोई संदेह है तो वे अपनी सुविधा से आकर बातचीत कर सकते हैं।

नयी दिल्ली, 24 जून। चुनाव आयोग ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव को लेकर उनके किसी भी सवाल पर बातचीत के लिए पत्र लिख कर आमंत्रित किया है।

आयोग के सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों के मुद्दे पर इसी महीने की सात तारीख को एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित गांधी के लेख में उठाए गए मुद्दों के संदर्भ में आयोग ने उन्हें 12 तारीख को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्हें बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया है।

सूत्रों के अनुसार, गांधी से कहा गया है कि आयोग महाराष्ट्र के चुनावों के बारे में कांग्रेस पार्टी की पहले की शिकायतों का विस्तृत उत्तर दे चुका है, जो आयोग की वेबसाइट पर देखा जा सकता है। गांधी ने अपने सात जून के लेख में मोटे तौर पर उन्हीं मुद्दों को दोहराया है।

सूत्रों के अनुसार, आयोग ने गांधी को लिखा है कि महाराष्ट्र के चुनाव को लेकर यदि सचमुच कोई शिकायत रही होंगी तो कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशियों ने उन्हें सक्षम न्यायालय में चुनाव याचिका दायर कर उठाया होगा। उन्होंने कहा, ' फिर भी विपक्ष के नेता के मन में कोई सवाल है तो आयोग उनके साथ सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि और समय पर बैठ कर बातचीत करने को तैयार है।

महाराष्ट्र विधान सभा के चुनाव पिछले साल नवंबर में कराये गये थे। कांग्रेस ने मतदाता सूचियों और आखिरी घंटों में मतदान की तथाकथित तेज गति को लेकर कुछ सवाल उठाये थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस को इस पर विस्तृत जवाब दिया था। जवाब की प्रति आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग का कहना है कि वह सभी चुनाव कानून-कायदे से कराता है और इस संबंध में जारी निर्देशों को सख्ती से लागू करता है।

मंगलवार को इज़रायल से 326 भारतीय स्वदेश लौटे

नयी दिल्ली, 24 जून। ऑपरेशन सिंधु के तहत, इजरायल से मंगलवार को दो उड़ानों से 326 भारतीय नागरिक दिल्ली पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि ऑपरेशन सिंधु का इजरायल चरण 23 जून को शुरू हुआ, जिसमें इजरायल से 161 भारतीय नागरिकों का पहला समूह स्वदेश लौटा। आज सुबह 08:20 बजे जॉर्डन की राजधानी अम्मान से ये लोग सुरक्षित रूप से नयी दिल्ली पहुंचे। हवाई अड्डे पर विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गरिटा उपस्थित थे। जायसवाल ने कहा कि ऑपरेशन सिंधु के तहत ही अम्मान से भारतीय वायुसेना के एक सी-17 विमान से आज सुबह करीब 8.45 बजे इज़राइल से 165 भारतीय नागरिक पालम वायुसैनिक हवाई अड्डे पर उतरे, जहां सूचना प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने उनका स्वागत किया।

'पूरा यूक्रेन हमारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुनः स्थापित करना। जबकि पूर्ण अधिग्रहण शायद व्यावहारिक नहीं हो, उनकी रणनीति मिश्रित प्रभुत्व के पक्ष में हैं, जिसमें सैन्य धमकी, प्रॉक्सी सरकारें, आर्थिक दबाव और निरंतर सूचना युद्ध शामिल है। बेलारूस पहले से ही प्रभावी रूप से मॉस्को के अधीन है। मोल्दोवा ट्रांसनिस्ट्रिया में दबाव का सामना कर रहा है। जॉर्जिया के अलगाववादी क्षेत्र रूस के प्रभाव में हैं। यहां तक कि मध्य एशिया के कुछ हिस्से भी क्रेमलिन के बढ़ते प्रभाव में हैं।

पुतिन के लिए, युद्ध केवल ज़मीन के बारे में नहीं है, बल्कि यह पहचान, सभ्यता और इतिहास के बारे में है। रुस में यूक्रेन को पड़ोसी के रूप में नहीं, बल्कि साम्राज्य के एक खोए हुए हिस्से के रूप में देखा जाता है। उनकी यह घोषणा केवल एक भड़काऊ बयान नहीं है, बल्कि यह एक सिद्धांत है, जो क्षेत्रीय प्रभुत्व को फिर से हासिल करने का एक खाका है, जो भाईचारे और एकजुटता की आड़ में बनाया गया है।

स्कूल व्याख्याता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार के एएजी शिवमंगल शर्मा, केन्द्र सरकार की एएसजी अर्चना पाठक और आरपीएससी की ओर से संस्कृति पाठक ने पक्ष रखा।

राज्य सरकार ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को ध्यान में रखते हुए 23 जून को ही तीन विषयों की परीक्षाओं की तिथि पुनः निर्धारित कर दी है। ऐसे में अब परीक्षा को लेकर कोई टकराव नहीं रहा है और याचिकाकर्ताओं की शिकायतें निस्तारित कर दी गई हैं। इसलिए कोई अंतरिम आदेश देने की जरूरत नहीं है। यह भर्ती परीक्षा 2200 पदों के लिए प्रदेश के 21 शहरों में बनाए 904 परीक्षा केन्द्रों पर हो रही है। इसमें 6 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा में कोई भी दखल ना केवल इसे प्रभावित करेगा, बल्कि आरपीएससी की अन्य 35 परीक्षाओं में भी देरी होगी। जबकि यूजीसी नेट परीक्षा साल में दो बार होती है, इसमें दिसंबर 2025 में भी शामिल हो सकते हैं। इसलिए कोई भी अंतरिम आदेश देने की जरूरत नहीं है।

'प्रमुख हवाई अड्डों पर विमानन प्रणालियों में कई खामियां है'

- डायरैक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन की जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा किया।

नई दिल्ली, 24 जून। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद से डीजीसीए द्वारा हर मोर्चे पर जांच की जा रही है। इस बीच विमानन नियामक डीजीसीए ने मंगलवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि प्रमुख हवाई अड्डों पर की गई निगरानी में विमानन प्रणाली में कई खामियां पाई गई हैं। इन खामियों में, विमानों में दोबारा खामियों का आना और रनवे पर सेंटर लाइन मार्किंग का फीका पड़ जाना शामिल हैं। बता दें कि 12 जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे के बाद की गई सर्विलांस में यह जानकारी सामने आई है। इसमें उड़ान संचालन, विमान की हवाई योग्यता, रनवे सुरक्षा, एयर ट्रैफिक कंट्रोल, संचार और नेविगेशन प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की जांच की गई थी।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने संबंधित एयरलाइन कंपनियों के नामों का खुलासा किए बगैर एक बयान में कहा कि निगरानी में पाई गई खामियों के बारे में संबंधित पक्षों को सूचित कर दिया गया है और उन्हें सात दिनों के भीतर सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। डीजीसीए के संयुक्त महानिदेशक की अगुवाई में 2 टीमों ने दिल्ली और मुंबई सहित, प्रमुख हवाई अड्डों पर रात और सुबह के समय व्यापक निगरानी की। निगरानी के दौरान, एक घरेलू उड़ान को खराब टायरों के कारण रोक दिया गया था और आवश्यक सुधार के बाद ही इसे उड़ान भरने की अनुमति दी गई। डीजीसीए ने आगे बताया कि निगरानी में यह भी पाया गया है कि कई मामलों में विमानों में बार-बार खामियां देखने को मिल रही हैं, जो मॉनिटरिंग में कमी और अपर्याप्त सुधार की कमी को दर्शाती हैं। इसके अलावा, इस जांच में यह भी पाया गया है कि एक सिम्युलेटर विमान के कॉन्फिग्रेशन से मैच नहीं कर रहा था और सॉफ्टवेयर का वर्तमान वर्जन भी अपडेट नहीं था। बता दें कि 12 जून को अहमदाबाद में भीषण विमान हादसा देखने को मिला था। इस हादसे में विमान सवार 241 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, इस हादसे में कुल 297 लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद से ही डीजीसीए द्वारा लगातार उड़ानों के मद्देनजर सावधानियां बरती जा रही हैं।

अब ईपीएफ से एक साथ 5 लाख रु. एडवांस लिए जा सकेंगे

नयी दिल्ली, 24 जून। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने अंशधारकों के लिए भविष्य निधि जमा से 'ऑटो सैटलमेंट' के माध्यम से अग्रिम राशि निकालने की सीमा एक लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दी है।

ईपीएफओ के सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि कोविड काल के दौरान एक लाख रुपए तक के अग्रिम दावे के लिए ऑटो सेंटलमेंट की सुविधा शुरू की गई थी, जिसे अब पांच लाख रुपए तक बढ़ा दिया गया है। इससे लाखों अंशधारकों को लाभ होगा।

लालू निर्विरोध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में औपचारिक रूप से सौंपा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि यादव ने सोमवार को निर्वाचन अधिकारी रामचंद्र पूर्वे और सहायक निर्वाचन अधिकारी चितरंजन गगन के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। उनके नामांकन का प्रस्ताव रखने वालों में पार्टी की वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव, वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी, शिवानंद तिवारी सहित कई अन्य प्रमुख नेता शामिल थे।

ईरान के सुप्रीम लीडर, अयातुल्ला अली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- एक उल्लेखनीय बात यह भी है कि ईरान के ''एनरिच्ड यूरेनियम'' आदि को ज्यादा क्षति नहीं पहुँची है। अपने लंबे-चौड़े क्षेत्रफल में खामनेई ने अपना यह न्यूक्लियर सामान, सैकड़ों खड्डे खोदकर, पूरे देश में बिखेर रखा है और इज़रायल की सेना हर खड्डे को खोद कर नहीं देख सकती, न्यूक्लियर सामान नष्ट करने के लिए।

इन्हीं पहलुओं को पुतिन ने बड़े आराम से नज़रअंदाज़ कर दिया। अंतरराष्ट्रीय ताकतों में, पुतिन ने ट्रंप की तीखी आलोचना की है, जबकि पश्चिमी यूरोपीय देशों ने ट्रंप को शांत करने की कोशिश की है।

रिपोर्टों के अनुसार, अयातुल्ला को राजधानी तेहरान से बाहर गहरे भूमिगत आश्रयों में ले जाया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति कह रहे हैं कि उनकी खुफिया एजेंसियों ने स्पष्ट रूप से यह पता लगा लिया है कि सर्वोच्च नेता को कहाँ छुपाया गया है, और बड़ी लापरवाही से उन्होंने यह भी कह दिया कि अयातुल्ला खामेनेई को ''जब चाहे हटाया जा सकता है।''

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कभी-कभी ईरान में शासन परिवर्तन का संकेत भी दिया है, लेकिन अपनी आदत के अनुसार, बाद में उसी बात का पूरी तरह खंडन भी कर दिया।

ईरान के भीतर राजनीतिक शक्ति संरचना को लेकर फिलहाल विभिन्न तरह के अनुमान लगाए जा रहे हैं। कुछ ईरान विशेषज्ञों का मानना है कि त्वरित शासन परिवर्तन बेहद कठिन होगा, क्योंकि अयातुल्ला खामेनेई ने सरकार के लगभग हर पहलू पर अपनी गहरी पकड़ बना ली थी।

विदेशों में रहने वाले ईरानी लंबे समय से देश के शासन तंत्र और अपने ही नागरिकों पर उसके अति कठोर व्यवहार की आलोचना करते रहे हैं। खामेनेई शासन ने शासन तंत्र की आलोचना करने वालों और खासकर नागरिक स्वतंत्रता की माँग करने वालों पर निर्दयता से कार्रवाई की।

प्रवासी समुदाय पूर्व शाह, शाह ऑफ ईरान के बेटे राजा शाह द्वितीय की सत्ता में वापसी के लिए अभियान चलाता रहा है। लेकिन ईरान के भीतर इन लोगों के पास लगभग कोई जनाधार नहीं है। मौजूदा सरकार बेहद अलोकप्रिय है, फिर भी देश की लगभग बीस प्रतिशत जनता उसका समर्थन करती है, और सरकार के प्रति अत्यधिक समर्पित है।

सत्ता में आने के बाद, अयातुल्ला खामेनेई ने रणनीतिक रूप से अपने लोगों को सेना और अन्य प्रमुख संस्थानों में नियुक्त किया। परिणामस्वरुप, भले ही वे देश की उच्च वर्ग और मध्यवर्ग में अलोकप्रिय रहे हों, वर्षों तक, वे हर प्रकार के विरोध को कुचलते रहे हैं।

खामेनेई का सत्ता में आना और लंबे समय तक सत्ता में बने रहना, उनकी नेतृत्व क्षमता और आत्म रक्षा की रणनीति को दर्शाता है। वे एक गरीब धार्मिक विद्वान के बेटे थे और विभिन्न विरोधों के बावजूद, जिसमें प्रमुख इस्लामी विद्वानों का विरोध भी शामिल था, उन्होंने अपने लिए जगह बनाई।

उन्हें एक साधारण स्तर का विद्वान माना जाता था और उनकी धार्मिक राय को ज़्यादा गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन उन्होंने सेना के उच्च अधिकारियों से वर्षों में मजबूत संबंध बनाए और आज भी उनके बीच खामनेई का समर्थन आधार बहुत मजबूत है। कुछ विशेषज्ञ तो यहाँ तक कह रहे हैं कि यदि मौजूदा सर्वोच्च नेता को हटाया जाता है, तो जो लोग सत्ता में आएंगे, वे और भी ज़्यादा कट्टर और देश की जनता के साथ ज्यादा निर्दयी हो सकते हैं।

यहाँ तक कि, संकेत ये भी मिल रहे हैं कि खामेनेई ने अपनी मृत्यु की स्थिति में अपने उत्तराधिकारी के रूप में तीन नेताओं को नामित किया है। तथापि, ये तीनों भी उन्हीं की तरह की विचारधारा वाले हैं।

कुछ रिपोर्टों में यह भी बताया गया है कि देश पर भारी हमले और हमलों को लेकर आई सीमित प्रतिक्रिया के बाद, ईरान और क्या कर सकता था, देश की सैन्य संरचना में कट्टरपंथियों का प्रभाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि ये कट्टरपंथी ताकतें भविष्य में किसी भी प्रकार के उदारीकरण और बाहरी दुनिया के लिए ईरान को खोलने के खिलाफ होंगी। जहाँ तक ईरान के परमाणु कार्यक्रम की बात है, तो यह सोचना सही नहीं होगा कि सब कुछ नष्ट हो चुका है और ईरान के पास अब समृद्ध यूरेनियम का भंडार नहीं है, जो हथियार निर्माण की मूल सामग्री है। इतने वर्षों से अपने परमाणु केन्द्रों पर मंडरा रहे खतरों को देखते हुए, ईरानियों के लिए यह मूर्खता होती कि वे सारा कीमती भंडार एक ही स्थान पर या केवल घोषित केन्द्रों में रखते।

एक विशाल देश होने के नाते, उन्होंने अपने संसाधनों को देशभर में फैले गहरे भूमिगत स्थानों में छिपाकर रखा होगा। यह असंभव बात है कि वर्तमान हमलों के बाद उनकी परमाणु क्षमता पूरी तरह नष्ट हो गई हो। निश्चित रूप से किसी हद तक बची हुई होगी।

हाँ, उनकी समग्र बुनियादी संरचना को काफी हद तक नष्ट कर दिया गया है और अब दशकों तक इसकी पुनर्निर्माण प्रक्रिया के लिए भारी परिश्रम करना होगा। अब जो देश के साथ हुआ है, उसके बाद यह स्थिति स्पष्ट रूप से दिखाई देगी।

एक्सिओम मिशन के तहत आज अंतरिक्ष स्टेशन जाएंगे शुभांशु

- एक्सिओम -4 भारतीय समयानुसार बुधवार तड़के ढाई बजे अमेरिका से रवाना होगा और सुबह 7 बजे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचेगा।

चेन्नई, 24 जून। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला 25 जून को एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) रवाना होंगे। एक्सिओम-4 बुधवार को स्थानीय समय के अनुसार तड़के 2.31 बजे अमेरिका से उड़ान भरेगा। एक्सिओम-4 गुरुवार सुबह सात बजे आईएसएस पर पहुंचेगा। इसके तहत, चार सदस्यीय चालक दल 14 दिनों के मिशन पर होगा और लगभग 60 अनुसंधान करेगा। इस दल के आईएसएस में रहने के दौरान, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा किए जाने वाले सात प्रयोग शामिल हैं।

'संस्कृत को करोड़ों रूपए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य पांच शास्त्रीय भाषाओं के लिये किये गये कुल आवंटन 147.56 करोड़ रुपये से 17 गुना अधिक हैं।

राज्य की अपनी कई यात्राओं के दौरान और, यहां तक कि, संयुक्त राष्ट्र में भी मोदी ने यह दावा किया था कि तमिल सबसे पुरानी भाषा है और केन्द्र सरकार ने ''काशी तमिल संगमम'' का आयोजन किया था, लेकिन द्रमुक और उसके सहयोगियों ने इस प्रयास को खारिज किया और भाजपा के इस प्रयास को राजनीतिक लाभ की कोशिश बताया।

इसके अलावा, राज्य की द्रमुक सरकार ने तीन भाषा सूत्र, जो न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) की आधारशिला है, का दृढ़ विरोध किया है। चूंकि तमिलनाडु में मातृभाषा (तमिल) और अंग्रेजी का दो-भाषा सूत्र पहले से ही चल रहा है, उसने एनईपी को खारिज कर दिया है तथा इसे पीछे के दरवाजे से हिन्दी को थोपने का साधन बताया है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने सलेम में एक सरकारी कार्यक्रम में 1649.18 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और नई परियोजनाओं का शिलान्यास करते हुए, मोदी सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार जानबूझकर कीलडी की खुदाई रिपोर्ट और लोहे की प्राचीनता संबंधी खबरों को नकारने की कोशिश कर रही है, जो यह घोषित करती हैं कि लोहे का युग तमिलनाडु से शुरू हुआ था।

उन्होंने नाराज़गी व्यक्त करते हुए कहा, ''केन्द्रीय मंत्री शेखावत द्वारा कीलडी में खुदाई से प्राप्त कलाकृतियों के और अधिक वैज्ञानिक प्रमाणीकरण की मांग करना मदुरै की प्राचीनता को नकारने जैसा है। उन्होंने उस रिपोर्ट पर फिर से काम किये जाने की मांग की है, जिसे आवश्यक वैज्ञानिक डेटा प्राप्त करने के बाद संकलित किया गया था। हमने तमिलनाडु में लोहे की प्राचीनता की घोषणा करने से पहले, विश्व की प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं में परीक्षण कराये थे तथा उसके बाद रिपोर्ट जारी की थी। इसके लिए बधाई देना तो दूर रहा, केन्द्र सरकार ने इसे स्वीकार तक नहीं किया तथा इस पर एक शब्द तक नहीं कहा है। इसके बजाय वे तमिलों की प्राचीनता को नष्ट करने पर तुले हुए हैं।''

इसके बाद, उन्होंने अन्नाद्रमुक के महासचिव के. पलानीस्वामी (ईपीएस) पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के क्रोध से डरते हुए, वे इन मुद्दों को उठाने का साहस नहीं रखते। स्टालिन ने कहा, ''उन्होंने स्वार्थपूर्ण निजी हितों की रक्षा के लिए पार्टी को गिरवी रख दिया है, तो वे कैसे बोल सकते हैं?

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के मजबूत नेता अमित शाह को भी आड़े हाथों लिया, उनसे यह पूछते हुए कि वे ऐसी एक परियोजना बता दें, जो भाजपा ने मोदी सरकार के 11 वर्षों में तमिलनाडु को लाकर दी हो।

उन्होंने कहा, ''माननीय शाह, क्या आपने अपनी मदुरै यात्रा के दौरान उस एआईआईएमएस (एम्स) अस्पताल का दौरा किया था, जिसकी घोषणा 11 साल पहले केन्द्रीय बजट में की गई थी? क्या यह एक अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र है, जो 10 साल से निर्माणाधीन है? अगर फंड्स आवंटित कर दिये गए होते, तो एम्स दो वर्षों में बनकर तैयार हो गया होता, और आप हमारी आलोचना कर रहे हैं।''

''द्रमुक सरकार ने पिछले चार वर्षों में मदुरै के आसपास अत्याधुनिक कलैग्नर शताब्दी पुस्तकालय, जल्लीकट्टू परिसर और कीलडी संग्रहालय बनवाए हैं,'' उन्होंने कहा कि द्रविड़ मॉडल और भाजपा मॉडल के बीच यही अन्तर है।

महाराष्ट्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिनट मंत्रियों और मुख्यमंत्री के साथ ईमेल के जरिए साझा किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन दस्तावेजों को सीधे आईपैड पर देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि ई-कैबिनेट प्रणाली लागू करने के लिए राज्य सरकार ने मंत्रियों को 1.6 करोड़ रुपये में आईपैड वितरित करने का फैसला किया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908